जबलपुर
रविवार, 23 अगस्त 2026
श्रावण मास शुक्ल पक्ष- 11
वर्ष : 21, अंक : 110
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 26
न्यून. 24

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

रीवा समेत विंध्य के 7 जिलों में तेज बारिश

मदद के लिए नाव से पहुंच रहे अधिकारी

रीवा। विंध्य क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शुक्रवार शाम से शुरू हुआ बारिश का यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा, जिसकी वजह से शनिवार सुबह तक रीवा समेत आसपास के कई जिलों में हालात काफी बिगड़ गए। रीवा शहर के कई इलाकों में पानी भर जाने से आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो चुका है। निचले इलाकों में सड़कें पानी में पूरी तरह डूब गई हैं और लोगों को आवागमन खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सीएम डॉ. यादव ने नई दिल्ली में निवेशकों को दी मप्र की खूबियों की जानकारी

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा - मप्र आपको बुला रहा है यहां निवेश कीजिए व व्यापार-व्यवसाय चार गुना बढ़ाइए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र में टैक्सटाइल एवं गारमेंट, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, खाद्य प्रसंस्करण तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य में विकसित किए जा रहे आधुनिक औद्योगिक पार्क इन क्षेत्रों के निवेशकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित एक बिजनेस कार्यक्रम में मप्र सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एमएसएमई, स्टार्टअप और बड़े उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। राज्य की औद्योगिक नीति का उद्देश्य विभिन्न आकार और क्षेत्रों के उद्यमों को ऐसा प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना है, जहां वे स्थानीय संसाधनों और वैश्विक बाजारों दोनों का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि मप्र आपके निवेश, आपके उद्योग और आपके सपनों के लिए तैयार है। आइए, मप्र के साथ मिलकर औद्योगिक विकास, रोजगार और समृद्धि के नए अध्याय का निर्माण करें।

चुनौतियों को अवसर में बदलकर मप्र अब सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला राज्य बना

सीएम डॉ. यादव मप्र सत्र में बात करते हुए

रणनीतिक कनेक्टिविटी प्रदेश की बड़ी ताकत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र की भौगोलिक स्थिति राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं उपभोक्ता बाजारों से जोड़ती है। सड़क, रेल और हवाई संपर्क के विस्तार के साथ लॉजिस्टिक्स अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी से राज्य में निर्मित उत्पादों को देश के साथ-साथ वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा होगी। मप्र की यह क्षमता राज्य को वैश्विक कंपनियों की सप्लाई चेन और मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क में महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में सहायक होगी।

ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में सौर एवं पवन ऊर्जा की व्यापक संभावनाओं का उपयोग करते हुए स्वच्छ ऊर्जा आधारित औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। पर्याप्त और स्वच्छ ऊर्जा की उपलब्धता भविष्य में पर्यावरण-अनुकूल तथा प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को नई गति देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों के लिए सिंगल विंडो व्यवस्था, डिजिटल प्रक्रियाओं, संस्थागत सुधार और समयबद्ध अनुमोदन को प्राथमिकता दी जा रही है। निवेश प्रस्तावों के त्वरित निराकरण और परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए सरकार निरंतर को सरल बना रही है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष और उनके दो बेटों पर एफआईआर

बुरहानपुर। जिले के गंभीरपुरा गांव में आबकारी विभाग की दबिश के बाद शुरू हुआ विवाद अब काउंटर केस तक पहुंच गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, कुल 14 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इनमें शिवा बाबा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रूपसिंह पवार और उनके दो बेटे भी शामिल हैं।

इंदौर में स्वाइन फ्लू का दूसरा मरीज मिला

इंदौर। स्वाइन फ्लू (एच1एन1) को लेकर स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। उज्जैन की एक महिला की मौत के बाद अब इंदौर में स्वाइन फ्लू का दूसरा मरीज सामने आया है। संक्रमित मरीज को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। हाल ही में उज्जैन की महिला की मौत हुई है।

मां ने मोबाइल छीना तो युवती ने लगाई फांसी

ग्वालियर। आदित्यपुरम में देर रात मोबाइल चलाने से मना करने पर एक युवती ने आत्मघाती कर ली। मां द्वारा डांटकर मोबाइल छीनने से नाराज बेटी ने कमरे में जाकर साड़ी का फंदा लगा लिया। सुबह जब मां मोबाइल लौटाने कमरे में पहुंची तो बेटी फंदे पर लटकी मिली। परिजन आनन-फानन में उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम की पहली बैठक के बीच सरकार का बड़ा फैसला

जेन जी पर भाजपा का बड़ा दांव अब युवाओं से सीधे संवाद होगा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को टक्कर देनी की तैयारी

भाजपा ने इसके लिए एक खास टीम बनाई है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश के कुछ दिन बाद उठाया गया है। पीएम ने विश्वविद्यालयों और सरकारी स्कूलों में युवाओं से सीधे संवाद बढ़ाने पर जोर दिया था

नई टीम के सदस्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने जेन जी को साधने के लिए खास टीम उतारी है, युवाओं के सवालों और उम्मीदों पर सीधे संवाद की तैयारी तेज हो गई है। राहुल गांधी के छात्र कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' के बीच यह पहल साफ संकेत है कि नई पीढ़ी अब सियासी मुकाबले का नया केंद्र बन चुकी है। पार्टी ने इसके लिए एक खास टीम बनाई है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रियों को दिए निर्देश के कुछ दिन बाद उठाया गया है। प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालयों और सरकारी स्कूलों में युवाओं से सीधे संवाद बढ़ाने पर जोर दिया था। इस टीम में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े शामिल हैं। गुजरात के मंत्री हर्ष संघवी और छत्तीसगढ़ के मंत्री ओपी चौधरी को भी टीम में जगह दी गई है। भाजपा का यह कदम ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस भी युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम किया है।

नितिन नवीन, स्मृति इरानी, विनोज तावड़े, हर्ष संधवी व ओपी चौधरी को दी गई जिम्मेदारी

मंच पर मध्य में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन

» *युवाओं के सवालों और उम्मीदों पर सीधे संवाद की तैयारी तेज*

» *नई पीढ़ी अब सियासी मुकाबले का नया केंद्र बन चुकी है*

जेन जी की सोच और सवालों पर रहेगा फोकस

भाजपा का यह कार्यक्रम युवाओं की उम्मीदों और चिंताओं को समझने पर केंद्रित रहेगा। जेन जी के सामने रोजगार, शिक्षा, परीक्षा और भविष्य से जुड़े कई सवाल हैं। पार्टी इन मुद्दों पर युवाओं से सीधे बातचीत करना चाहती है। कार्यक्रम में चर्चा और संवाद के जरिए युवाओं को भाजपा नेताओं से जुड़ने का मौका मिलने की संभावना है।

नई टीम के साथ भाजपा संगठन ने संभाला काम: इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम की पहली परिचय बैठक की अध्यक्षता की। इसके साथ ही नए पदाधिकारियों की टीम ने औपचारिक से काम शुरू कर दिया।

पीएम मोदी का स्वागत

प्रधानमंत्री ने भाजपा की नई 65 सदस्यीय टीम से मुलाकात की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों की टीम से मुलाकात की और उनके साथ समूह तस्वीर भी खिंचवाई। मुलाकात की जानकारी देते हुए पीएम ने एक्स पर लिखा- पार्टी के साथियों के साथ बैठक अच्छी रही। ऐसी बैठकें पार्टी को मजबूत करने और जनता से जुड़ाव पर गहरे विचारों का मंच होती हैं।

राहुल ने मंच से पूछा-आप बताएं युवा क्या चाहता है?

पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम

राहुल बोले- देश की लड़कियों का आजाद होना बहुत जरूरी

» *पिता, पति और बेटे से आपका रिश्ता, लेकिन आपकी पहचान उनसे नहीं*

एजेंसी ▶▶ पुणे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा- देश की लड़कियों का आजाद होना जरूरी है। पिता, पति और बेटे से आपका रिश्ता, लेकिन आपकी पहचान उनसे नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति की बात करने नहीं आया। आपको मौका दूंगा। आप बोलें, आप क्या सोचते हैं, क्या चाहते हैं। हम आपके विचारों को आपसे ही साझा करेंगे। उस पर चर्चा करेंगे। इस कार्यक्रम में सिर्फ छात्राएं शामिल हुईं। उन्होंने राहुल-राहुल के नारे लगाए। पुलिस ने इस कार्यक्रम के लिए 30 शर्तों के साथ परमिशन दी है। राहुल ने एक महिला से पूछा- एक आदमी किसी महिला को कंट्रोल क्यों करना चाहता है।

राहुल ने कहा- भारत की ताकत सपने और विचार

राहुल ने कहा कि जब यह पूछा जाता है कि आज भारत की ताकत क्या है, कोई सेना कहता है, कोई कुछ कहता है, लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि 70 करोड़ लोगों के सपने और विचार ही इसकी ताकत हैं। लेकिन यहां आज एक समस्या है, वो यह है कि जब मैं बात करता हूं कि तो महिलाओं को 3 बॉक्स में रखा जाता है। एक पत्नी, एक बेटी और एक मां... ये गलत नहीं हैं। मनुस्मृति कहती है, जब लड़की छोटी होती है तो वह अपने पिता की संपत्ति है। जब वह युवा होती है तो वह पति की है और जब बूढ़ी होती है तो उसके बच्चों के लिए उसका जीवन होता है।

भोजन की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल

इंदौर में मिड-डे मील खाने के बाद 38 बच्चे हुए बीमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

■ सभी को करीब 7 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखा गया

सांवेर क्षेत्र के धरमपुर में शनिवार को मिड-डे मील खाने के बाद 38 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों ने भोजन करने के कुछ देर बाद पेट दर्द, चक्कर और सिरदर्द की शिकायत की। उन्हें उपचार के लिए इंदौर के अरविंद अस्पताल लाया गया, जहां 19 बच्चों को भर्ती कराने के बाद शाम 7 बजे डिस्चार्ज कर दिया गया है। डॉक्टरों के सभी को करीब 7 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखा गया।

एफएसएल की टीम ने खाने के सैंपल लिए

बैंगन का भरता खाने से तीन सगी बहनों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छतरपुर

■ शवों को कब्र से निकाल कराया गया पोस्टमॉर्टम

पिपौरा गांव में एक ही परिवार की तीन मासूम सगी बहनों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतकों की पहचान पूनम कुशवाहा (9), मनीषा (5) और 9 माह की चाहत के रूप में हुई है। शनिवार सुबह तीनों बच्चियों की तबीयत एक के बाद एक अचानक बिगड़ी और महज एक घंटे के भीतर तीनों ने दम तोड़ दिया।

ट्रक में जा घुसी तेज रफ्तार कार

पति-पत्नी समेत तीन की मौत, 8 हुए गंभीर घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलताई

■ सभी कुबेरेश्वर धाम में दर्शन के लिए जा रहे थे

मुलताई-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम भिलाई के समीप स्थित जीतू ढाबे के पास शनिवार तड़के करीब 3 बजे एक दर्दनाक सडक़ हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार पति-पत्नी समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

छिंदवाड़ा जिला अस्पताल के एनआईसीयू में आग

» रात 2 से 3 बजे के बीच हुआ शॉर्ट सर्किट

जबलपुर किया गया रैफर

एक नवजात बच्ची की मौत और 2 गंभीर

छिंदवाड़ा। जिला अस्पताल के नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में शुक्रवार देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। शॉर्ट सर्किट के कारण लगी इस आग की चपेट में आने से तीन नवजात बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए। प्राथमिक इलाज के बाद शनिवार सुबह तीनों को इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही एक नवजात बच्ची ने दम तोड़ दिया।

बालाघाट में 24 बच्चों की मौत का मामला

दो अधिकारी हटाए गए, डिप्टी सीएम ने गांवों का किया दौरा

टीकाकरण-मलेरिया में लापरवाही पर एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालाघाट

डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल पूरी रिपोर्ट लेते हुए

बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के आदिवासी अंचल में महामारी फैलने से 24 बच्चों की मौत हो गई थी। इन मौतों का मुख्य कारण टीकाकरण में कमी, मलेरिया और कुपोषण बताया जा रहा है। शनिवार को प्रभावित गांवों का दौरा करने पहुंचे डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इस मामले में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की। उन्होंने टीकाकरण अधिकारी डॉ. परेश उपलप और मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा को तत्काल प्रभाव से उनके प्रभार से हटा दिया। शुक्ल ने महामारी से प्रभावित ग्राम मछुरदा का दौरा किया और ग्रामीणों से बातचीत की।

मप्र से दो शिक्षकों को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

दिव्यांग बच्चे को 5 साल तक उसके घर से स्कूल तक कंधे पर बैठाकर ले जाते और फिर घर छोड़ने जाते थे

सीधी के शिक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह की कहानी प्रेरणा और जुनून से भरी हुई है

» दूसरी शिक्षक भोपाल की डॉ. अर्चना शुक्ला ने बच्चों को प्रकृति से जोड़ा

» शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इनको दिल्ली में सम्मानित करेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सीधी के शिक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह स्कूल शिक्षा विभाग में 2011 से सेवाएं दे रहे हैं। इस दौरान प्राथमिक शाला अगरियान टोला, कंजवार और शास. माध्यमिक शाला कंजवार में पदस्थ रहे। कंजवार स्थित स्कूल का भवन जर्जर भवन था और 69 बच्चे थे। ऐसे में अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों के सहयोग से नए भवन के लिए राशि जुटाई और नया भवन बनवाया। इसके लिए खुद के वेतन से भी राशि दी गई। स्कूल में अब पानी, बाउंड्रीवाल सहित अन्य सभी जरूरी सुविधाएं हैं और बच्चों संख्या बढ़कर 202 हो गई है।

अलग खबर

जज्बे को सलाम...

डॉ. अर्चना के वैज्ञानिक मॉडल स्पैरो हाउस को देशभर में सराहा गया

भोपाल के सांदीपनि विद्यालय महात्मा गांधी की उच्च माध्यमिक शिक्षिका डॉ. अर्चना शुक्ला करीब 16 साल से स्कूल शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रही हैं। उन्होने विज्ञान की पढ़ाई को किताबों से निकालकर प्रकृति और समाज से जोड़ने का प्रयास किया। विद्यार्थियों के साथ मिलकर उन्होंने गौरैया संरक्षण, पेड़-पौधों की पहचान और बीज संरक्षण जैसे प्रोजेक्ट तैयार किए। गौरैया संरक्षण के लिए विकसित उनके वैज्ञानिक स्पैरो हाउस को देशभर में सराहना मिली।

राष्ट्रीय गीत को लेकर चल रहे विवाद के बीच फिर अजीबो गरीब वाकया

नागपुर नगर निगम में वंदे मातरम के सिर्फ दो अंतरे गाए गए, मेयर ने दिए जांच के आदेश, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग भी की

एजेंसी ▶▶ नागपुर

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को लेकर चल रहे विवाद के बीच नागपुर नगर निगम प्रशासन एक घटना की वजह से अजीबो-गरीब स्थिति में फंस गया है। गुरुवार को नगर निगम की जनरल बॉडी की बैठक थी। बैठक से पहले वंदे मातरम के केवल दो अंतरे ही गाए गए। दिलचस्प बात यह है कि नागपुर नगर निगम की सत्ता भाजपा के पास है। मेयर नीता ठाकरे ने इस मामले की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नागपुर नगर निगम में सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले वंदे मातरम को गाया जाना पुरानी परंपरा है।

खास बातें

- गुरुवार को नगर निगम की जनरल बॉडी की बैठक पर सवाल उठे
- बैठक के दौरान यहां पर परंपरा का किया जा रहा था निर्वहन

विभागों ने दिए अलग-अलग स्पष्टीकरण

मेयर नीता ठाकरे

वंदे मातरम के मामले में विवाद तब और गहरा गया जब नगर निगम के अधिकारियों ने इसे लेकर अलग-अलग बयान दिए। नगरपालिका सचिव रंजना लाडे ने कहा कि यह खेल एवं संस्कृति अधिकारी का काम है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि केवल 2 छंद ही बजाए गए हों और यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। रंजना ने कहा कि हमने इस मामले में खेल एवं संस्कृति अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन खेल अधिकारी पीयूष अंबुलकर ने कहा कि यह जिम्मेदारी नगर निगम सचिवालय की है। पीयूष ने वंदे मातरम विवाद को लेकर कहा कि यह सचिवालय की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी केवल 15 अगस्त और 26 जनवरी को है। 15 अगस्त को हमने परिसर में इसे पूरा बजाया था।

मेयर ने नगर निगम के आयुक्त को लिखा पत्र

इसके बाद नीता ने नगर निगम के आयुक्त विपिन इटणकर को पत्र लिखकर मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। मेयर ने कहा कि वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रेरणा का महत्वपूर्ण स्रोत रहा है और इसे गाते समय सम्मान और अनुशासन देने की अपेक्षा की जाती है। जनरल बॉडी की बैठक में वंदे मातरम का केवल कुछ हिस्सा गाया जाना गलत है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए? मेयर ने नगर निगम की बैठकों में राष्ट्रीय गान और वंदे मातरम को गाए जाने को लेकर स्पष्ट प्रक्रिया तय करने की भी मांग की है।

वंदे मातरम को लेकर विवाद

कांग्रेस पार्षद ने भी लगाया आरोप

कांग्रेस पार्षद अभिजीत झा ने आरोप लगाया कि नगर निगम की बैठक में वंदे मातरम के केवल 2 अंतरे ही गाए गए। उन्होंने यह भी कहा कि 20 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती थी लेकिन सदन की बैठक में शुरुआत में उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी गई और बैठक में शामिल सदस्यों को इसकी याद दिलाई गई। इस मामले में नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि निगम मुख्यालय में सुबह ही औपचारिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की जा चुकी थी। यह घटना ऐसे वक्त में हुई है, जब वंदे मातरम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद चल रहा है। हाल ही में जब कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) ने वंदे मातरम के केवल पहले दो अंतरे गाने का फैसला किया था तो भाजपा ने इसकी जमकर आलोचना की थी। झा ने आरोप लगाया कि नगर निगम की बैठक में वंदे मातरम के केवल 2 अंतरे ही गाए गए।

खबर संक्षेप

राजनाथ ने डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन किया

नोएडा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नोएडा में इंदिरा गांधी कला केंद्र सभागार में महाजन इमेजिंग एंड लैब्स के नए इंटीग्रेटेड डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन किया। इस मौके पर सांसद डॉ. महेश शर्मा के साथ लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज भी मौजूद रहीं। यह केंद्र उत्तर प्रदेश में कंपनी का पहला सेंटर है। इसकी शुरुआत नोएडा से हो रही है।

कर्नाटक के आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार लापता

बेंगलुरु। कर्नाटक के आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार 20 अगस्त से लापता हैं। उनसे किसी भी तरह का संपर्क नहीं हो पा रहा है,उनका फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। इस घटना से पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप है और उन्हें खोजने की कोशिश जारी है। परिवार का कोई सदस्य भी ज्ञानेंद्र कुमार से बात नहीं कर पाया है। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने घटना की पुष्टि की है।

गुरुग्राम में निर्माणाधीन दीवार गिरी, 7 दबे

गुरुग्राम। खेड़कीदौला थाना क्षेत्र के सेक्टर 84 में शनिवार अलसुबह तेज वर्षा के बीच एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक निर्माणाधीन दीवार भरभराकर गिर गई।दीवार के पास सो रहे श्रमिक परिवार के 7लोग मलबे में दबकर घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

डीएमके में 2 कार्यकाल पर छोड़नी होगी कुर्सी

चेन्नई। डीएमके की कार्यकारिणी समिति की बैठक में पार्टी संगठन में नई पीढ़ी को आगे लाने के लिए विभिन्न पदों पर उम्र और कार्यकाल की सीमा तय करने का फैसला किया गया। शाखा समिति सचिव के लिए 45 , वार्ड समिति सचिव के लिए 50और टाउन पंचायत, एरिया व सिटी कमेटी सचिवों के लिए 60 वर्ष निर्धारित की है।2कार्यकाल की सीमा तय की है।

मनन के कार्यकाल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली। बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के लंबे कार्यकाल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में नियमों के तहत चेयरमैन के दो साल के कार्यकाल का हवाला देते हुए गजट अधिसूचना को रद्द करने की मांग की है, जिसमें कथित तौर पर कार्यकाल 2030 तक बढ़ाया गया। याचिकाकर्ता ने मिश्रा को हटाने की मांग की है।

सीजेआई ने 11वें ब्रिक्स और लीगल फोरम को संबोधित किया

आर्थिक वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों के भरोसे नहीं टिक सकती

न्याय-नॉमिक्स से ही बढ़ेगी अर्थव्यवस्था केवल भूगोल से नहीं मिलती तरक्की

आर्थिक विकास को मजबूत और टिकाऊ बनाने 'न्याय-नॉमिक्स' की जरूरत बताई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित 11वें ब्रिक्स और लीगल फोरम को संबोधित करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक महत्वपूर्ण विचार सामने रखा। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि सिर्फ भूगोल की किस्मत या प्राकृतिक संसाधनों के भरोसे नहीं टिकी रह सकती। आर्थिक विकास को मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए 'न्याय-नॉमिक्स' यानी न्याय के अर्थशास्त्र की जरूरत है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कानूनी संस्थाएं विकास के आसपास बाद में खड़ा किया गया कोई ढांचा नहीं होतीं, बल्कि वे खुद विकास का मुख्य आधार और वास्तुकला होती हैं। अगर इस आधार को हटा दिया जाए, तो उभरती हुई अर्थव्यवस्था केवल सौभाग्य का एक ढेर नजर आएगी, जो किसी भी बड़े संकट में ढह सकती है।

निष्पक्ष और सही फैसले से भरोसा बढ़ेगा

मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि जब अदालतें निष्पक्ष और लगातार सही फैसले देती हैं, तो लोगों का न्याय प्रणाली पर भरोसा बढ़ता है। इससे हर व्यापारिक लेनदेन की लागत कम होती है।

संसाधनों के बल पर आगे नहीं बढ़ा कोई भी देश 'न्याय सेतु' का विचार भी दिया, भरोसा भी बढ़ाएं

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समेत ब्रिक्स प्लस का कोई भी देश केवल अपने संसाधनों के बल पर आगे नहीं बढ़ा है। इन देशों का विकास इस बात पर निर्भर करता है कि वहां वादों और समझौतों को कानूनी रूप से कितना मजबूती से लागू कराया जाता है। भाषण के दौरान सीजेआई ने 'न्याय सेतु' का विचार भी दिया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा पुल है जो 11 अलग-अलग देशों की कानूनी परंपराओं को आपस में जोड़ता है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश आपस में भरोसे का माहौल खुद बनाएं, न कि किसी चमत्कार का इंतजार करें।

विदाई समारोह में बोले जस्टिस संजय

जज भगवान नहीं, हर फैसला सही नहीं हो सकता

सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त हो रहे न्यायमूर्ति संजय करोल ने शनिवार को अपने विदाई संबोधन में कहा कि न्यायाधीश भगवान नहीं होते और उनसे हर फैसला पूरी तरह सही होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि न्याय करने के लिए विनम्रता जरूरी है और न्यायाधीशों को हर मुकदमे में केवल याचिकाकर्ता नहीं, बल्कि उसके पीछे खड़े इंसान को भी देखना चाहिए।न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि संविधान न्यायाधीशों से केवल कानून को सही तरीके से लागू करने की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि न्यायपूर्ण तरीके से लागू करने की भी मांग करता है। उन्होंने कहा कि उनके लिए न्याय करना सिर्फ यह तय करना नहीं रहा कि कानूनी रूप से कौन सही है, बल्कि अदालत के सामने खड़े व्यक्ति की स्थिति और उम्मीदों को समझना भी इसका हिस्सा है।

न्याय के लिए विनम्रता की जरूरत बताई

जस्टिस करोल ने कहा कि किसी याचिका में मामले के तथ्य दर्ज हो सकते हैं, लेकिन वह यह नहीं बता सकती कि उस व्यक्ति ने पहले से क्या खोया है और वह अदालत से क्या उम्मीद लेकर आया है। इसलिए न्याय करने के लिए एक निश्चित स्तर की विनम्रता आवश्यक है। तर्कों के साथ-बातों को सुनने की जरूरत बताई।

सुप्रीम कोर्ट की असली ताकत भरोसे पर टिकी

अपने करीब चार दशक लंबे कानूनी सफर को याद करते हुए न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि उनके लिए अदालत कभी सिर्फ कार्यस्थल नहीं रही। उन्होंने कहा कि कोर्टरूम ने उन्हें हमेशा सहारा दिया और उनके जीवन में उनसे कहीं बड़ी तथा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले 19 वर्षों से न्यायाधीश के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे। न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की असली अहमियत उस आम नागरिक के भरोसे में है।

धर्म का अर्थ किसी अनुष्ठान से नहीं होता

जस्टिस करोल ने कहा कि कानून, उचित प्रक्रिया और संवैधानिक वैधता जैसे विचारों को समझने का सबसे सरल तरीका धर्म की अवधारणा हो सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां धर्म का अर्थ किसी अनुष्ठान से नहीं, बल्कि कर्तव्य से है।

हर किसी को भूमिका निभानी चाहिए

न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि न्याय करने के सिद्धांत केवल अदालत, काले चोगे और न्यायिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं हैं। हर व्यक्ति को अपने फैसलों, आचरण और सत्ता के इस्तेमाल में खुद भी न्यायाधीश की भूमिका निभानी होती है।

सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष से मारपीट दोनों पक्षों ने दर्ज कराई एफआईआर आखिरकार स्कूल की जगह बदली

एजेंसी ▶▶ जयपुर

यहां के बगरू विधानसभा क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक स्कूल रामपुरा-कंवरपुरा के निरीक्षण को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और ग्रामीणों के बीच शुक्रवार को हुए विवाद के बाद शनिवार सुबह स्कूल को करीब 50 मीटर दूर दूसरी इमारत में शिफ्ट कर दिया गया। इस दौरान स्कूल परिसर और व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठे। मामले में सीजेपी की रेखा शर्मा, सलमान, संजू और गीगराज ने ग्रामीणों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए शिवदासपुरा थाने में एफआईआर दर्ज कराई। वहीं, ग्रामीणों की ओर से भगवान सहाय ने सीजेपी कार्यकर्ताओं के खिलाफएफआईआर दर्ज कराई है।शनिवार को ग्रामीणों और सीजेपी की ओर से शिवदासपुरा थाने में एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई।

विवाद के बाद बदली स्कूल की जगह

ग्रामीणों और सीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच शुक्रवार को स्कूल निरीक्षण के दौरान विवाद हुआ था। इसके बाद शनिवार सुबह स्कूल को करीब 50 मीटर दूर एक दूसरी इमारत में स्थानांतरित कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस कमरे में बच्चों को बैठाया जा रहा है, वहां पहले दुकान संचालित होती थी। वहीं, स्कूल को जिस स्थान पर शिफ्ट किया गया है, वहां भी बच्चों के बाहर बैठने की तस्वीरें सामने आई हैं। इससे स्कूल की वैकल्पिक व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

राजस्थान सरकार ने मानी ये बात

कई स्कूलों में भवन नहीं तो कहीं शौचालय नहीं

राजस्थान में सरकारी स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं को लेकर एक बड़ा खुलासा सामने आया है। राज्य सरकार ने विधानसभा में बताया कि प्रदेश के 611 सरकारी स्कूलों के पास अपना भवन नहीं है। इनमें 10 बालिका विद्यालय भी शामिल हैं। इसके अलावा हजारों स्कूल ऐसे हैं जहां बच्चों के लिए शौचालय और पेयजल जैसी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। सरकार ने यह जानकारी नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के सवाल के जवाब में दी।

सज्जन कुमार के नाम पर संग्राम

हुड्डा के बयान पर भड़के चन्नी उसका नाम लेना भी 'पाप'

एजेंसी ▶▶ अमृतसर

सिख विरोधी दंगों के दोषी पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार की मौत के बाद कांग्रेस नेताओं की ओर से दी गई श्रद्धांजलि को लेकर पंजाब की राजनीति गरमा गई है। अब इस विवाद के बीच सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि सज्जन कौम का हत्यारा है और उसका नाम लेना भी पाप है। उन्होंने कहा कि सज्जन ने मानवता और सिखों की हत्या करवाई तथा दो मामलों में जेल की सजा भुगतते हुए उसकी मौत हुई। चन्नी ने कहा कि उसे चौराहे पर खड़ा करके फांसी दी जानी चाहिए थी। सज्जन को रोल मॉडल बताने वालों पर निशाना साधते हुए चन्नी ने कहा कि वह हमारा रोल मॉडल कभी नहीं हो सकता। अगर ऐसे लोग रोल मॉडल होंगे तो देश तबाह हो जाएगा।उन्होंने कहा कि सज्जन को रोल मॉडल कहने वाले अपनी जुबान और खुद पर नियंत्रण रखें।

जयपुर में एनटीए की परीक्षा में बत्ती गुल

परीक्षार्थी करने लगे डिस्कशन,1 सितंबर को होगी दोबारा परीक्षा

एजेंसी ▶▶ जयपुर

एनटीए की ओर से आयोजित की जा रही एक और परीक्षा में अव्यवस्थाओं के चलते हंगामा हुआ। यह मामाला जयपुर में आयोजित ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट प्री टेस्ट का है.।यहां सत्यसाईं कॉलेज में पहली पाली की परीक्षा के दौरान अचानक बिजली गुल हो गई। परीक्षार्थियों ने आरोप लगाया कि बिजली गुल होने के दौरान परीक्षा की गोपनीयता भी प्रभावित हुई। अभ्यर्थियों का कहना है कि ऐसी स्थिति में अतिरिक्त समय दिए जाने से उन छात्रों को कोई वास्तविक फायदा नहीं हुआ। एनटीए ने परीक्षा पूरी नहीं कर पाने वाले सभी अभ्यर्थियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। इन अभ्यर्थियों की दोबारा परीक्षा 1 सितंबर को सुबह 10 बजे राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वुमेन, जयपुर में आयोजित होगी।

गोरखपुर में रनवे से टकराया विमान का पिछला हिस्सा

वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी

5.5 घंटे तक फंसे रहे यात्री, लोगों को पहुंचाने मंगाया दूसरा विमान

तकनीकी जांच के बाद विमान का संचालन रोक दिया

एजेंसी ▶▶ गोरखपुर

गोरखपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो के विमान में टेल इम्पैक्ट मिलने के बाद उसे ग्राउंड कर दिया गया। इसके चलते 19 अगस्त को गोरखपुर से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की अगली उड़ान करीब 5 घंटे 30 मिनट विलंबित हुई। जांच के बाद संचालन रोक दिया गया। यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एयरलाइंस ने वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की।

इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 2381 में परेशानी

एयरपोर्ट निदेशक संजय कुमार ने बताया कि 19 अगस्त को इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 2381 दिल्ली से गोरखपुर पहुंची थी। विमान के एयरपोर्ट पहुंचने के बाद एयरलाइंस ने विमान वीटी-आईएलआर में तकनीकी

इंडिगो ने वीटी-आईबीसी की व्यवस्था की

विमान ग्राउंड होने के कारण निर्धारित समय पर उड़ान नहीं भर सकी। स्थिति को देखते हुए इंडिगो ने वैकल्पिक विमान वीटी-आईबीसी की व्यवस्था की।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के यूरोप दौरे पर उठे सवाल

प्रो. माया से मिले रेड्डी, भाजपा ने बताया 'एंटी-इंडिया'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इस समय यूरोप दौरे पर गए हुए हैं। उनका यह कार्यक्रम उस समय चर्चा में आ गया था, जब सरकार ने उन्हें अमेरिका की यात्रा के लिए इजाजत नहीं दी थी। अब यूरोप के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम को लेकर भी भाजपा ने नाराजगी जाहिर की है। यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम के दौरान रेड्डी ने 'ब्लावत्निक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट' के फैकल्टी सदस्यों से मुलाकात की। इसमें राजनीति और पब्लिक पॉलिस पढ़ाने वाली प्रोफेसर माया ट्यूडर भी शामिल थीं। इनकी तस्वीरें सामने आने पर भाजपा ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को घेरना शुरू कर दिया और माया ट्यूडर को 'एंटी-इंडिया' बताया।

भाजपा ने इस मुलाकात पर नाराजगी जाहिर की

धर्मपुरी ने रेड्डी पर साधा निशाना

सीएम रेड्डी की यूरोप यात्रा के दौरान की तस्वीरें सामने आने के बाद भाजपा सांसद अरविंद धर्मपुरी ने उन्हें निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि ट्यूडर अपने भारत विरोधी रवैये के लिए जानी जाती है। ऐसे में रेवंत रेड्डी की उनसे मिलना गलत है।

भारत-विरोधी ताकतों के साथ मिले

एक्स पर धर्मपुरी ने लिखा, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के ब्लावत्निक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट की प्रोफेसर माया ट्यूडर ने भारत-विरोधी लेख लिखे हैं, जिनमें 'भारत का लोकतंत्र क्यों मर रहा है भी शामिल है। रेवंत उनसे मिल रहे हैं। उनमें जरा भी शर्म नहीं बची है और वे भारत-विरोधी ताकतों के साथ मिल गए हैं।

माया ने 2023 में विवादित लेख लिखा

माया ने 2023 में जर्नल ऑफ डेमोक्रेसी में एक लेख लिखा था। इसका शीर्षक 'भारत का लोकतंत्र क्यों मर रहा' है। इसकी काफी आलोचना की गई थी। इसमें माया ने प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के कार्यकाल के दौरान भारत में लोकतांत्रिक ढांचे का विश्लेषण किया था। ऑक्सफोर्ड के ब्लावत्निक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में पॉलिटिक्स और पब्लिक पॉलिसी की प्रोफेसर माया अपने क्षेत्र का एक जाना माना नाम है।

हिमाचल विधानसभा में हंगामा

वंदे मातरम पर सत्तापक्ष-विपक्ष आमने- सामने, नारेबाजी की

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के सत्र के दूसरे दिन राष्ट्रीय गीत को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हो गए। पहले विधानसभा परिसर में दोनों दलों के विधायकों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की।सदन के भीतर प्रश्नकाल के बाद भी मामला गरमा गया। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने राष्ट्रीय गीत के अपमान के आरोप पर मुख्यमंत्री से माफी मांगने को कहा, जबकि सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने पलटवार करते हुए भाजपा विधायक दल पर राष्ट्रीय गान के अपमान का आरोप लगाया।

ठाकुर बोले- मांफी मांगें

जयराम ने कहा कि राष्ट्रीय गीत का अपमान कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय में हुआ है।जो बात सदन के अंदर हुई ही नहीं, उस पर बयान देने पर मुख्यमंत्री को माफी मांगनी चाहिए। इस बारे में सदन में क्लिपिंग दिखाएं। सभी भाजपा विधायक सावधान की मुद्रा में खड़े थे।

खबर संक्षेप

पेरिस में बीएपीएस मंदिर सितंबर में होगा शुरू

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस के उपनगर 'बूसी-सेंट-जॉर्जेस' में भव्य बीएपीएस स्वामीनारायण हिंदू मंदिर

उद्घाटन के समीप पहुंच गया है। मंदिर के शिखरों और केंद्रीय गुंबद पर कलश एवं ध्वजा दंड पूजन जैसी पारंपरिक वैदिक रस्में पूरी की जा रही हैं। उद्घाटन 2 से 14 सितंबर तक आयोजित होने वाले 13 दिवसीय 'पेरिस मंदिर महोत्सव' के दौरान किया जाएगा।

8 नवंबर को दीवाली मनाएगा कैलिफोर्निया

वॉशिंगटन। कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली ने 8 नवंबर को 'दीवाली डे' के तौर पर मनाने का प्रस्ताव

पास किया। असेंबली के सदस्यों दर्शन पटेल और ऐश कालरा की ओर से पेश प्रस्ताव में कैलिफोर्निया और दुनिया भर में रहने वाले भारतीय-अमेरिकियों और भारतीय मूल के लोगों के प्रति गहरा सम्मान भी जताया गया है। प्रस्ताव गुरुवार को पास हुआ है।

निजता उल्लंघन में टिकटॉक देगा 40 करोड़ डॉलर

वॉशिंगटन। टिकटॉक ने बच्चों की निजता से जुड़े संघीय कानूनों के उल्लंघन के मामले में अमेरिकी

न्याय मंत्रालय के साथ 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर का समझौता किया है। मंत्रालय ने बताया कि टिकटॉक तत्काल 30 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगा, जबकि शेष 10 करोड़ डॉलर का भुगतान पूर्ववर्ती कंपनी म्यूजिकली के आदेश रद्द होने पर होगा।

चीन ने विदेशियों के लिए बंद किया माउंट एवरेस्ट

बीजिंग। चीन ने इस साल विदेशी पर्वतारोहियों के लिए माउंट एवरेस्ट के उत्तरी हिस्से सहित तिब्बत की

सबसे ऊंची चोटियों (चो ओयु और शिशपंगमा) के रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए हैं। चीन द्वारा यह प्रतिबंध तिब्बत के शिगात्से के पास एक आतिशबाजी की घटना के बाद शुरू हुई जांच और विदेशी पर्वतारोहण को परमिट जारी करने में हुई भ्रष्टाचार में पाया।

भारत के मुरीद हुए पाक मंत्री इकबाल, बोले

दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए नई दिल्ली की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के मंत्री अहसान इकबाल ने एक कार्यक्रम में भारत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता, खासतौर से दक्षिण एशिया में शांति के लिए भारत अहम है। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के बिल्कुल केंद्र में है। बाकी सभी देश इसके आसपास हैं। ऐसे में दक्षिण एशिया के कामकाज के लिए भारत की भूमिका बहुत अहम है। भारत को ऐसे कदम नहीं उठाने चाहिए, जो स्थिरता के लिए खतरा बनें। मंत्री इकबाल ने कहा कि दक्षिण एशिया में चीजों से सही से चलने और स्थिरता के लिए भारत की भूमिका अहम है।

> पाक मंत्री इकबाल ने कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता, खासतौर से दक्षिण एशिया में शांति के लिए भारत अहम है। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के बिल्कुल केंद्र में है। बाकी सभी देश इसके आसपास हैं

भारत पानी को पाक के खिलाफ हथियार बना रहा

सिंधु नदी — पाक मंत्री अहसान इकबाल

पंजाब में बाढ़ के लिए भारत जिम्मेदार

अहसान इकबाल ने सिंधु संधि के मामले में भारत आरोप लगाए हैं। बीते साल अगस्त में पंजाब में बाढ़ के लिए उन्होंने भारत को जिम्मेदार ठहराया है। इकबाल ने तब कहा था कि भारत पानी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। भारत के रावी और सतलुज नदियों में पानी छोड़ देने के वजह से पाकिस्तान के पंजाब और पीओके में बाढ़ आई है।

भारत से नदियां पाक में आती हैं

सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले पर पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार में योजना विकास मंत्री अहसान इकबाल ने कहा कि पाकिस्तान के सामने अब यह खतरा साफ है कि भारत जरूरत के समय पानी रोकने के लिए पानी को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ऊपरी देश है और वहां से नदियां बहकर पाकिस्तान में आती हैं।

सिंधु जल संधि स्थगित

पहलगाम में बीते 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। भारत और पाकिस्तान में साल 1960 में सिंधु जल संधि हुई थी। इसके तहत भारत और पाकिस्तान के बीच नदियों के पानी का बंटवारा किया गया है। इस संधि के निलंबित होने से पाकिस्तान के सामने जल संकट का खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तानी सरकार सिंधु संधि के मुद्दे को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन में लेकर गई है तो सुरक्षा परिषद में भी उठाया है।

पीओके प्रदर्शन दिखाने पर चिढ़ा पाक

पत्रकार को आतंकी सूची में डाला

पाक सरकार ने पत्रकार और रिसर्चर दानिश इरशाद को फोर्थ शेड्यूल यानी आतंकवाद निगरानी सूची में शामिल कर दिया है। इरशाद ने पीओके में हाल के विरोध प्रदर्शनों पर लगातार रिपोर्टिंग की थी। उन्होंने सुरक्षा बलों की कार्रवाई से प्रभावित परिवारों से भी बातचीत की थी। अब उनका नाम पाकिस्तान की फोर्थ शेड्यूल लिस्ट में डाल दिया गया है। यह कार्रवाई 29 जुलाई को कथित तौर पर पीओके के गृह विभाग के आदेश से हुई। इस सूची में ऐसे लोगों को रखा जाता है, जिन पर आतंकवादी संगठनों से संबंध होने का शक जताया जाता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इरशाद का नाम 24 लोगों की सूची में 12वें नंबर पर है। आदेश में जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट आवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) से जुड़े लोगों का उल्लेख किया है। हालांकि इरशाद के खिलाफ किसी खास घटना या अपराध का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। उनके खिलाफ किसी अदालत में मुकदमा चलने या दोष साबित होने की भी जानकारी नहीं है।

ड्यूटी फ्री आयात के बावजूद चीनी नहीं लेगा भारत

भारत ने ड्यूटी फ्री होने के बावजूद पाकिस्तान से चीनी लेने से इनकार कर दिया है। भारत सरकार ने साफ किया है कि इस्लामाबाद के साथ व्यापार पर लगी मौजूदा पाबंदियां जारी रहेंगी। ऐसे में घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए कच्ची चीनी के ड्यूटी-फ्री आयात की इजाजत देने के बावजूद पाकिस्तान से चीनी आयात करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे

आज से दो दिवसीय मॉस्को दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर, रूसी समकक्ष लावरोव से करेंगे भेंट

जयशंकर व लावरोव फाइल फोटो

इस यात्रा के दौरान भारत-रूस साझेदारी के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिनमें व्यापार और निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और गतिशीलता शामिल हैं

आईआरआईजीसी के तहत दोनों देश आपसी सहयोग की नियमित समीक्षा करते हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 23 और 24 अगस्त को रूस के आधिकारिक दौरे पर होंगे। वे रूसी संघ के प्रथम डिप्टी पीएम डेनिस मंतुरोव के निमंत्रण पर रूस की आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस दौरान वे व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि इस यात्रा के दौरान, जयशंकर रूसी संघ के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मिलेंगे और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जुलाई 2026 में फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान बैठकों के दौरान रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की थी।

आईआरआईजीसी के तहत हो चुकी हैं 26 बैठकें

आईआरआईजीसी का पहला सत्र 13 और 14 सितंबर 1994 को हुआ था। अब तक आईआरआईजीसी की 26 बैठकें हो चुकी हैं। आईआरआईजीसी का 26वां सत्र 20 अगस्त 2025 को मास्को में हुआ था। वहीं 25वां नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। यह भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग और संबंधों की समीक्षा करने वाला एक प्रमुख शीर्ष मंच है। इस आयोग की बैठकों की सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री (या नामित मंत्री) और रूसी संघ के डिप्टी पीएम करते हैं।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इंटर-गवर्नमेंटल कमीशन एक ऐसा सिस्टम है जो दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों में हुई प्रगति पर नियमित रूप से नजर रखता है। इसे मई 1992 में व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर इंटर-गवर्नमेंटल कमीशन के समझौते के तहत बनाया गया था। इस यात्रा के दौरान भारत-रूस साझेदारी के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिनमें व्यापार और निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और

भारत-रूस का नया गठबंधन

नॉर्थ-सी रूट से यूरोप पहुंचेगा सामान

मॉस्को। भारतीय जहाजों को उत्तरी यूरोप तक पहुंचने के लिए अब स्वेज नहर का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। स्वेज नहर के रास्ते इसमें लगभग 40 दिन लगते हैं। भारत ने रूस के साथ मिलकर एक नए समुद्री मार्ग के इस्तेमाल का फैसला किया है, जो एशिया से यूरोप की दूरी को 14 दिनों तक कम कर सकता है। इस रास्ते का इस्तेमाल चीन और दक्षिण कोरिया भी करेंगे। पिछले शनिवार को एक चीनी शिपिंग कंपनी सी लीजेंड ने दुनिया के सबसे उत्तरी छोर पर पहली निर्धारित साप्ताहिक कंटेनर सर्विस शुरू की है। दक्षिण कोरिया का पैनस्टार समूह रूस के उत्तरी समुद्री मार्ग के जरिए बुसान से ब्रिटेन, नीदरलैंड और पोलैंड अपने जहाज भेजने की योजना बना रहा है। भारत भी इस दौड़ में पीछे नहीं है और वह भी इस मार्ग का इस्तेमाल करने वाला है। भारत भी अगले साल इसी कॉरिडोर के माध्यम से अपना पहला मालवाहक जहाज भेजने की तैयारी कर रहा है। भारत के जहाजरानी मंत्रालय के संयुक्त सचिव एस. वेंकटेशपथी ने 13 अगस्त को रूस के आर्कान्गेल्स्क में आर्कटिक-क्षेत्रीय मंच में कहा था कि 2027 में, हम उत्तरी समुद्री मार्ग से पहला पायलट पोत चलाने की योजना बना रहे हैं।

नॉर्थ सी रूट बढ़ी अहमियत

उत्तरी समुद्री मार्ग यानी नॉर्दर्न सी रूट (एनएसआर) की अहमियत बढ़ने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला, जलवायु परिवर्तन। समुद्र के बढ़ते तापमान का मतलब है कि आर्कटिक की बर्फ की चादर अब गर्मियों में जहाजों का रास्ता रोक नहीं पाएगी। यह रास्ता जुलाई से अक्टूबर तक जहाजों के आवागमन के लिए खुल रहता है। दूसरा, भू-राजनीतिक संकट। ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग पूरी तरह बंद है।

पीएम कार्नी सख्त, असुरक्षा बर्दाश्त नहीं

कनाडा के गुरुद्वारे में हमला 2 घायल, आरोपी गिरफ्तार

गुरुद्वारा

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने शनिवार को एडमोंटन स्थित नानकसर गुरुद्वारा में हुए हमले की निंदा की। कार्नी ने इस घटना को 'बेहद दुखद और चौंकाने वाली' बताया और कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपने धार्मिक स्थल पर कभी असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए।

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में एक गुरुद्वारे के अंदर एक शख्स ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के समय गुरुद्वारे के अंदर शादी समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना चल रही थी। यह हमला एडमोंटन शहर के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरुसिख मंदिर गुरुद्वारे में सुबह पांच बजे के कुछ समय बाद हुआ। एडमोंटन पुलिस सेवा ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉर्स हिल रोड के पास हुई इस घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

पीएम ने जताई संवेदनाएं

पीएम मार्क कार्नी ने एडमोंटन पुलिस सेवा की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार भी जताया। कार्नी ने एक्स पर लिखा कि सुबह एडमोंटन के नानकसर गुरुद्वारे में हुआ हमला बेहद दुखद है। इस घटना में घायल हुए दो लोगों और पूरे समुदाय के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं, जो इस भयानक घटना से सदमे में है। किसी को भी अपने पूजा स्थल पर असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए। मैं एडमोंटन पुलिस सेवा की सराहना करता हूं।

हमला भयावहः पोइलिवरे

विपक्ष के नेता पियरे पोइलिवरे ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने सिख मंदिर में हुए इस हमले को 'भयावह' बताया और कहा कि हमले के जिम्मेदार व्यक्ति को उसके कृत्यों के लिए पूरी तरह जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

नौसेना को सौंपा पनडुब्बी रोधी जलयान 'मैंग्रोल'

कोच्चि। कोच्चि स्थित कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने भारतीय नौसेना को तीसरा पनडुब्बी रोधी जलयान मैंग्रोल सौंप दिया है। इस जहाज में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है और यह पानी के भीतर निगरानी, तटीय जलक्षेत्र में पनडुब्बी रोधी अभियान (एएसडब्ल्यू), निम्न तीव्रता समुद्री अभियान (एलआईएमओ) और बारूदी सुरंगों से बचाव की क्षमताओं से सुसज्जित है। यह जहाज वाटरजेट से संचालित होता है और अत्याधुनिक टॉरपीडो, पनडुब्बी रोधी रॉकेट, उन्नत रडार और सोनार से लैस है। मैंग्रोल नाम गुजरात के जूनागढ़ जिले में स्थित तटीय शहर और छोटे बंदरगाह 'मैंग्रोल' से लिया गया है, जो समुद्री मत्स्य पालन उद्योग का एक प्रमुख बंदरगाह है।

ट्रंप ने लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ

अमेरिका-कनाडा के बीच व्यापार डील को लेकर नहीं बनी सहमति

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका-कनाडा के बीच व्यापार समझौते के मुद्दे पर बातचीत टूट गई है और नए समझौतों पर दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन पाई है। इस गतिरोध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा।

दोनों ही पड़ोसी देशों के बीच पहले से जारी कूटनीतिक और आर्थिक तनाव व्यापारिक समझौतों की वजह पर बढ़ गया है। पिछले साल दोनों देशों के बीच लगभग

डोनाल्ड ट्रंप और मार्क कार्नी

880 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने भी अमेरिका पर टैरिफ लगाने के संकेत दिया है। मार्क कार्नी ने कहा है कि अपने कर्मचारियों और कारोबारों की सुरक्षा के लिए कनाडा इन टैरिफ का डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से जवाब देगा।

देश में एलपीजी नेटवर्क होगा मजबूत, 6 राज्यों को होगा जबरदस्त फायदा

तेजी से एलपीजी ईंधन की आपूर्ति होगी

7000 करोड़ की लागत से बनेंगी 1800 किमी की नई पाइपलाइन

◆ सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऊर्जा सुरक्षा के लिए तेल क्षेत्र के नियामक ने 7,000 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से लगभग 1,800 किलोमीटर लंबी नई एलपीजी पाइपलाइनों के विकास को मंजूरी दे दी है। इससे देश के 'कॉमन-कैरियर' एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क में लगभग एक-चौथाई का विस्तार होगा। इस पहल का मकसद ईंधन आपूर्ति को अधिक लचीला बनाना और सड़क परिवहन पर निर्भरता कम करना है।

एलपीजी पाइपलाइन

नेटवर्क को गेल (इंडिया) लिमिटेड विकसित करेगी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने एक बयान में कहा कि उसने तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक और गोवा में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तीन एलपीजी पाइपलाइन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सरकारी कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा विकसित की जाने वाली इन परियोजनाओं से पीएनजीआरबी द्वारा अधिकृत कॉमन-कैरियर एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क लगभग 7,700 किलोमीटर से बढ़कर लगभग 9,500 किलोमीटर हो जाएगा, जो लगभग 23.5 प्रतिशत की वृद्धि है।

आपूर्ति में आएगी ज्यादा स्थिरता

भारत एलपीजी की जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में देश के भीतर मजबूत पाइपलाइन नेटवर्क जरूरी है। नई पाइपलाइनें तटीय आयात केंद्रों को बड़े खपत वाले क्षेत्रों से जोड़ेंगी। इससे मांग बढ़ने या किसी आपात स्थिति में एलपीजी की आपूर्ति बनाए रखने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा पाइपलाइन में मौजूद एलपीजी कुछ समय के लिए अतिरिक्त बफर की तरह काम कर सकती है।

गोविंदा के बेटे यशवर्द्धन की पहली फिल्म की रिलीज तारीख आई

मुंबई। गोविंदा के बेटे यशवर्द्धन आहूजा जल्द ही बॉलीवुड में अपनी धमाकेदार शुरुआत करने जा रहे हैं। उनकी पहली फिल्म का नाम 'हीरो की हॉररॉइन' है, जो हॉरर, कॉमेडी और रोमांस का एक बहुत ही दिलचस्प मिश्रण होगी। इस फिल्म में यशवर्द्धन के साथ लोकप्रिय अभिनेत्री नितंशी गोयल मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। दर्शकों के बीच रोमांच और हंसी का तड़का लगाने वाली यह बहुप्रतीक्षित फिल्म आगामी 7 जनवरी, 2027 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में यशवर्द्धन आहूजा और नितंशी गोयल के अलावा जेमी लीवर, चंकी पांडे, बृजेंद्र काला, सुनीता आहूजा और सिमरत कौर रंधावा जैसे बेहतरीन कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

लाइफ Style

आलिया ला रहीं अपनी पहली हॉरर फिल्म

सोहम शाह ने आलिया के फिल्म में होने की बात बताते हुए कहा है कि 'तुम्बाड़' की कहानी अब और आगे बढ़ रही है और इसका एक नया चैप्टर शुरू हो रहा है। इस फिल्म का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आलिया भट्ट फिल्म 'तुम्बाड़ 2' के जरिए पहली बार हॉरर फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ सोहम शाह और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी नजर आएंगे। हाल ही में शूटिंग के सेट पर आलिया को एक धारीदार शर्ट और पोनीटेल वाले साधारण लुक में देखा गया है। खबर है कि फिल्म के कुछ सीन नदी के किनारे और एक पुराने किले में शूट किए गए हैं। सोहम शाह ने आलिया के फिल्म में होने की बात बताते हुए कहा है कि 'तुम्बाड़' की कहानी अब और आगे बढ़ रही है और इसका एक नया चैप्टर शुरू हो रहा है। इस फिल्म का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं।

ये सीक्वल पहली फिल्म के मुख्य विषयों जैसे लालच, डर और इंसानी स्वभाव को और गहराई से दिखाएगा। फिल्म की टीम ने मुंबई में लगभग 7-8 एकड़ में एक बहुत बड़ा सेट बनाया है, जो बिल्कुल किसी शहर जैसा दिखाई देता है। 'तुम्बाड़ 2' फिल्म 3 दिसंबर 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के बारे में बात करते हुए सोहम शाह ने कहा, एक पापी अतीत, एक डरावना भविष्य। भूख बढ़ती है, लालच का सिलसिला जारी है... अपने कैलेंडर में ये तारीख याद रखें 3 दिसंबर, 2027.

हॉलीवुड मसाला

जॉम्बी थ्रिलर... ने मचाया गदर

लॉस एंजिल्स। अगर आपको जॉम्बी थ्रिलर और सर्वाइवल मूवीज पसंद हैं तो, नेटफ्लिक्स पर एक्सटाइशन 2015 को आप एक बार देख सकते हैं। 1 घंटे 50 मिनट की इस फिल्म में आपको एक अलग ही हॉरर देखने को मिलेगा। फिल्म में दिखाते हैं कि लोगों के काटने से सब जॉम्बी बन जाते हैं इन्हीं सब के बीच में अपनी जान बचाते हुए 3 लोग बचते हैं। जो एक ही परिवार के होते हैं, लेकिन किसी वजह से वो एक-दूसरे के ऐसे पड़ोसी बन जाते हैं जो आपस में बात नहीं करते।

36 की उम्र में 'हीरोज' फेम एक्ट्रेस हेडन का निधन

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड इंडस्ट्री से एक बेहद दुखी खबर सामने आई है। टीवी सीरीज 'हीरोज' में अपनी जादुई एक्टिंग से घर-घर में पहचान बनाने वाली मशहूर अमेरिकी एक्ट्रेस हेडन पेनेटिएर का महज 36 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनका जन्मदिन 21 अगस्त को रहा और निधन 17 अगस्त को हो गया। हेडन ने बहुत छोटी उम्र में ही अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया था. हालांकि, उन्हें ग्लोबली पहचान साल 2006 की सुपरहिट साइ-फाई सीरीज 'हीरोज' में क्लेयर बेनेट के रोल से मिली। शो का मशहूर डायलॉग सेव द चीयरलीडर, सेव द वर्ल्ड आज भी फैंस के दिलों और जुबां पर छाया हुआ है। उन्होंने म्यूजिकल ड्रामा सीरीज 'नेशविले' में जूलियट बार्न्स का रोल निभाया था, जिसके लिए उन्होंने खूब तारीफें बटोरीं थी।

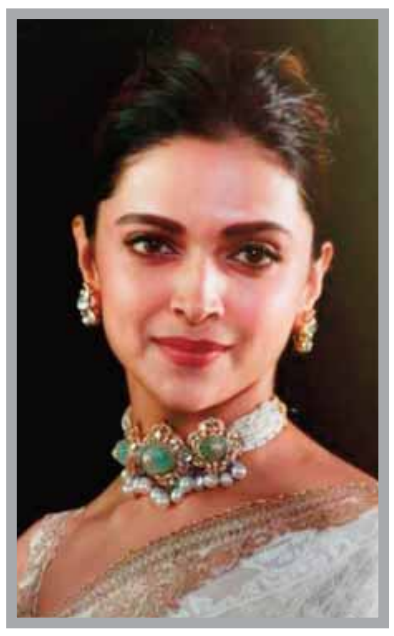

रणबीर के साथ स्क्रीन साझा करेंगी...

मुंबई। दीपिका पादुकोण इस वक्त अल्लू अर्जन की आगामी फिल्म 'राका' में व्यस्त चल रही हैं। उधर अभिनेता रणबीर कपूर भी अपनी आगामी पौराणिक फिल्म 'रामायण' को रिलीज करने की तैयारी में जुटे हैं। इस परियोजना के बाद, अभिनेता 'ब्रह्मास्त्रः भाग 2' की शूटिंग शुरू करेंगे जिसका निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। हालिया अपडेट है कि फिल्म में दीपिका शामिल हो सकती हैं। निर्माता फिल्म में 'अमृता' का किरदार निभाने के लिए उनसे बातचीत कर रहे हैं। पिंकविला के मुताबिक, परियोजना से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि 'ब्रह्मास्त्रः भाग 2' के निर्माता फिल्म में दीपिका को शामिल करने का मन बना रहे हैं। उन्होंने कहा, अयान मुखर्जी और मुख्य टीम दीपिका को इस परियोजना में शामिल करने को लेकर आश्वस्त हैं।

'आवारापन 2' ने अब तक कमाए 170 करोड़

मुंबई। इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। 14 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म ने महज 8 दिनों में दुनियाभर में करीब 170 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित और विशेष व मुकेश भट्ट द्वारा निर्मित यह फिल्म साल 2007 में आई हिट फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल है, जो इमरान हाशमी के करियर की एक बड़ी और सफल फिल्म बन गई है। आठवें दिन इस फिल्म ने भारत में 5.50 करोड़ रुपये कमाए, जिससे इसकी कुल घरेलू कमाई अब 119 करोड़ रुपये हो गई है। उधर विदेशों से 1 करोड़ रुपये मिलने के बाद कुल वैश्विक कमाई 169.17 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। फिल्म के 8वें दिन 9,858 शो चले और सिनेमाघरों में 15.19 प्रतिशत लोग फिल्म देखने आए।

टीवी मसाला

'खतरों के खिलाड़ी 15' में कौन है सबसे अमीर प्रतियोगी

मुंबई। रोहित शेट्टी का रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' दर्शकों के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। शो में टीवी और मनोरंजन जगत के कई चर्चित सितारे खतरनाक स्टंट करते नजर आ रहे हैं। इस सीजन में गौरव खन्ना, रुबीना दिलैक, जैस्मिन भसीन, अविका गौर और हर्ष गुजराल समेत कई सेलेब्स हिस्सा ले रहे हैं। ऐसे में शो के प्रतियोगियों की कुल संपत्ति जानना भी दिलचस्प होगा।

आइए जानते हैं कौन कितनी संपत्ति का मालिक है-

गौरव खन्ना, रुबीना दिलैक और अविनाश मिश्रा : 'बिग बॉस 19' का खिताब जीतने के बाद अब गौरव खन्ना ने 'केकेके 15' में हिस्सा लिया है, वहीं गौरव की नेटवर्थ की बात करें तो वो 18 करोड़ रुपये के मालिक हैं। इस सीजन में टीवी की मशहूर अभिनेत्री रुबीना दिलैक भी खतरनाक स्टंट करती हुई नजर आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी संपत्ति 30-31 करोड़ रुपये है। अभिनेता अविनाश मिश्रा भी रोहित शेट्टी के शो में हैं। उनकी नेटवर्थ करीब 5 से 7 करोड़ रुपये है।

जैस्मिन भसीन, अविका गौर और हर्ष गुजराल : जैस्मिन भसीन खतरों से खेलती हुई नजर आ रही हैं। जानकारी के मुताबिक, वो करीब 41 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन हैं।'बालिका वधू' से घर-घर में मशहूर हुईं अविका गौर ने भी इस शो में प्रतियोगी के रूप में हिस्सा लिया है। अविका की नेटवर्थ करीब 30-35 करोड़ रुपये है। स्टैंड-अप कॉमेडियन हर्ष गुजराल शो मे अपनी कॉमेडी के साथ-साथ एक्शन का तगड़का लगाते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी संपत्ति करीब 10-12 करोड़ रुपये है।

ओरी, ऋत्विक धनजानी और फरहाना भट्ट : सोशल मीडिया पर मशहूर ओरी यानी ओरहान अवत्रामणि भी इस शो में नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओरी की नेटवर्थ करीब 80 करोड़ रुपये है। ऋत्विक धनजानी की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। उनकी नेटवर्थ की बात करें तो वो करीब 25 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। फरहाना भट्ट का नाम भी इस सूची में शामिल हैं। फरहाना इस शो में नजर आ रही हैं। उनकी नेटवर्थ करीब 2-3 करोड़ रुपए है।

'रामायण' से 'राका' तक, एक ही फिल्म में अलग-अलग अवतारों से चौंकाने आ रहे ये सितारे

मुंबई। भारतीय सिनेमा का सबसे पुराना और हिट फॉर्मूला 'डबल रोल' अब एक भव्य अवतार में लौट रहा है। अब ये केवल बिछड़े जुड़वां भाइयों या हीरो-विलेन के घिसे-पिटे ड्रामे तक सीमित नहीं है। आज के निर्देशक इसका इस्तेमाल अलग-अलग समयकाल, पीढ़ियों और पौराणिक कथाओं को जोड़ने के लिए कर रहे हैं। 'रामायण' से लेकर 'टॉक्सिक' और 'राका' जैसी बड़ी फिल्मों में बड़े सितारे एक ही कहानी में 2 बिल्कुल अलग किरदारों से दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं।

अल्लू अर्जुन (राका) : एटली के निर्देशन में बन रही 'राका' एक बड़े पैमाने की साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म है। अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा' की सफलता और एटली के रिकॉर्ड के चलते इस प्रोजेक्ट को लेकर जबरदस्त माहौल बना हुआ है। खबरों के मुताबिक, अल्लू इस फिल्म में डबल या कई अलग-अलग किरदार में नजर आएंगे, जिसे लेकर निर्माताओं ने काफी सस्पेंस बनाया हुआ है। इस पैन-इंडिया फिल्म में दीपिका पादुकोण और

रश्मिका मंदाना भी मुख्य भूमिकाओं में शामिल हैं।

रणबीर कपूर (रामायण) : नितेश तिवारी की भव्य फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर एक बेहद चुनौतीपूर्ण डबल रोल में नजर आएंगे। वो इस पौराणिक महाकाव्य में भगवान राम के साथ-साथ भगवान परशुराम का किरदार भी निभा रहे हैं। एक ही पौराणिक दुनिया का हिस्सा होने के बावजूद इन दोनों किरदारों की ऊर्जा, व्यक्तित्व और कहानी में भूमिकाएं एक-दूसरे से पूरी तरह अलग हैं। इस 2 भागों वाली फिल्म में उनके साथ साई पल्लवी (सीता) और यश (रावण) मुख्य भूमिकाओं में हैं।

यश (टॉक्सिक) : गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में यश एक गैंगस्टर के अवतार में नजर आएंगे। खबर है कि फिल्म में यश एक से ज्यादा किरदारों में दिखेंगे, जिससे पिता-पुत्र के टकराव की चर्चाएं तेज हो गई हैं। यश के मुख्य किरदार का नाम 'राया' सामने आया है, जबकि बाकी जानकारियों को गोपनीय रखा गया है। इस फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणि वसंत और हुमा कुरैशी जैसी अभिनेत्रियां भी शामिल हैं।

प्रभास (फौजी और स्पिरिट) और कार्थी (सरदार 2) : प्रभास भी 2 बड़ी फिल्मों में डबल धमाका करते नजर आ सकते हैं। एक ओर उन्हें हनु राघवपुडी की फिल्म 'फौजी' में डबल रोल में देखा जाएगा, वहीं संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' में भी उनकी दोहरी भूमिका की चर्चाएं हैं। दूसरी ओर अभिनेता कार्थी फिल्म 'सरदार 2' में एक बार फिर अपने दोहरे अवतार में लौट रहे हैं।

चिरंजीवी के 71वें जन्मदिन पर प्रशंसकों को तोहफा, 'काका' का दमदार टीजर रिलीज

मुंबई। मेगास्टार चिरंजीवी ने अपने 71वें जन्मदिन पर फैंस को बड़ा तोहफा देते हुए अपनी अगली फिल्म के नाम की घोषणा कर दी है। बॉबी कोली के निर्देशन में बनी उनकी इस फिल्म का नाम 'काका' रखा गया है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के चुनिंदा सिनेमाघरों में इस फिल्म का एक टीजर रिलीज किया गया है। 'वाल्टेयर वीरय्या' के बाद इस जोड़ी की ये दूसरी फिल्म है, जिसे केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया जा रहा है।

चिरंजीवी का नया अवतार : फिल्म की झलक में चिरंजीवी एक नए अवतार और अनोखे तेवर में नजर आ रहे हैं। इसमें उन्हें रावुलपालेम की 'अम्माजी एक्वा इंडस्ट्रीज' में काम करने वाले सुपरवाइजर सत्यम के रूप में दिखाया गया है। शुरुआत के कुछ मिनट समुद्री भोजन और मछली के कारोबार की पृष्ठभूमि पर आधारित हैं, जहां झींगा, मछली और तटीय इलाके के काम-काज को दिखाया गया है। इससे सत्यम एक आम और साधारण जिंदगी जीने वाले मेहनतकश इंसान के रूप में नजर आते हैं।

टीजर का खूंखार मोड़ : टीजर का दूसरा भाग इस माहौल को पूरी तरह बदल देता है। इसमें अचानक गोलियों की आवाज, हिंसा और सत्यम का एक ऐसा रूप सामने आता है, जिसका झींगा या मछली के कारोबार से कोई लेना-देना नहीं है। ये झलक 71 साल के सुपरस्टार के एक बिल्कुल नए, खूंखार और एक्शन से भरपूर अंदाज को दिखाती है, जो उनके पिछले किरदारों से एकदम अलग है। चिरंजीवी के इस टीजर ने दर्शकों के रोमांच को कई गुना बढ़ा दिया है।

ये बड़े स्तर पर बनाई जाने वाली पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी

धनुष-करीना की जोड़ी पर लगी मोहर, भंसाली की फिल्म में होगा बड़ा धमाका

मुंबई। हाल ही में खबरें सामने आई थीं कि संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली एक हिंदी फिल्म के लिए करीना कपूर से संपर्क किया गया है। धनुष का नाम फिल्म के लिए पहले ही तय हो चुका है। अब फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। निर्देशक एस मिथरन ने एक हालिया इंटरव्यू में पुष्टि की है कि धनुष और करीना का नाम फिल्म के लिए लगभग तय है।

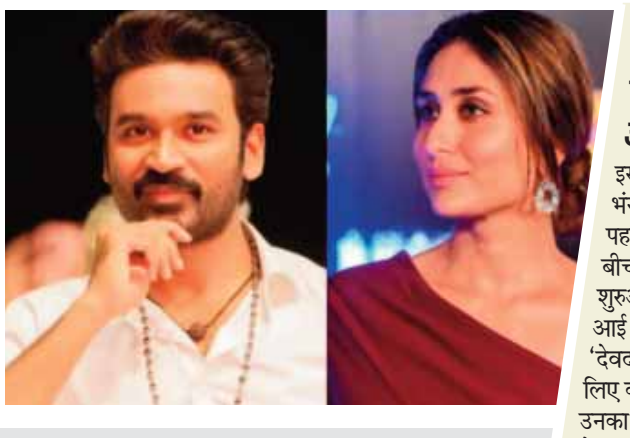

निर्देशक ने बताई सच्चाई

निर्देशक बोले, बातचीत अभी जारी है और दोनों कलाकारों की तारीखों को देखा जा रहा है, ताकि उनकी उपलब्धता की पुष्टि की जा सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही इस प्रोजेक्ट को लेकर कुछ अच्छी खबर सामने आएगी। फिल्म को लेकर अगस्त की शुरुआत से ही बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा में चर्चा तेज है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये बड़े स्तर पर बनाई जाने वाली पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी, जिसे लेकर दर्शकों में भी उत्सुकता बनी हुई है।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग?

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म फिलहाल लेखन के चरण में है और इसकी स्क्रिप्ट को फाइनल करने से पहले कई बार दोबारा लिखा जा चुका है। निर्माता प्रोजेक्ट को लेकर काफी तैयारी कर रहे हैं। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन नवंबर 2026 से शुरू होने की उम्मीद है, जबकि इसकी मुख्य शूटिंग जनवरी 2027 में शुरू हो सकती है। अगर फिल्म तय योजना के मुताबिक आगे बढ़ती है तो ये मिथरन की बॉलीवुड में बतौर निर्देशक पहली फिल्म होगी।

'दायरा' में भी नजर आएंगी करीना

करीना जल्द ही फिल्म 'दायरा' में भी नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार कर रही हैं, जबकि इसमें करीना के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। 'दायरा' की कहानी और कलाकारों की जोड़ी इसे खास बनाती है। ये फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'दायरा' सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें अपराध, कानून, न्याय और सजा जैसे मुद्दों को दिखाया जाएगा

पहली बार साथ काम करेंगे भंसाली और करीना

इस फिल्म के जरिए करीना-भंसाली करीब 2 दशक बाद पहली साथ काम करेंगे। उनके बीच 2000 के दशक की शुरुआत में अनबन की खबरें आई थीं। भंसाली ने फिल्म 'देवदास' में पारो के रोल के लिए करीना से बात की थी और उनका स्क्रीन टेस्ट भी लिया था, लेकिन बाद में उन्होंने ऐश्वर्या राय बच्चन को पारो के रोल के लिए चुन लिया। इस बात से करीना काफी नाराज हुई थीं। उन्होंने भंसाली के फैसले को गलत बताया था।

जबलपुर में बारिश का कहर: नर्मदा के घाट डूबे, बरगी बांध का जलस्तर 421.5 मीटर पहुंचा

24 घंटे में 59.3 मिमी बारिश, निचली बस्तियों में दो-दो फीट तक भरा पानी

जबलपुर। शहर में बारिश का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार रात से शुरू हुई बारिश शनिवार को भी रुक-रुककर जारी रही। पिछले 24 घंटों में 59.3 मिमी यानी करीब ढाई से तीन इंच बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के कारण शहर की सड़कें, बाजार, कालोनियां, सरकारी दफ्तर और निचली बस्तियां जलमग्न हो गई हैं। कई इलाकों में दो-दो फीट तक पानी भर गया है और लोगों के घरों में पानी प्रवेश करने लगा है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में भी जबलपुर संभाग में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बारिश के चलते शहर की स्थिति बिगड़ती जा रही है। बल्देवबाग, उखरी मार्ग, गुजराती कालोनी, चेरीताल, दीक्षितपुरा, राइट टाउन, विजय नगर, एमआर-4, वसुंधरा कालोनी, अमखेरा बस्ती, न्यू रामनगर, जानकी नगर, सरस्वती कालोनी, बजरंग नगर, करमेता, मनमोहन नगर, दमोहनाका, गोपालबाग, रद्दी चौकी, शाही नाका, भंवरताल, आमनपुर, शिवनगर, मदनमहल अंडरब्रिज सहित कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इन इलाकों में लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर दोपहिया वाहन निकालना मुश्किल हो गया है।

नर्मदा के घाट पानी में डूबे

जबलपुर सहित अमरकंटक, मंडला और डिंडौरी जिलों में हो रही लगातार बारिश का असर नर्मदा के जलस्तर पर भी दिखाई दे रहा है। गौरीघाट में नर्मदा का पानी तेजी से बढ़ा है और करीब 20 से 22 फीट तक ऊपर चढ़ने से जिलहरीघाट, रेतघाट, उमाघाट, दरोगाघाट और खारीघाट पानी में डूब गए हैं। पानी सड़क तक पहुंच गया है। घाटों पर कीचड़ और फिसलन के कारण दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है।

बरगी बांध में तेजी से बढ़ा जलस्तर

लगातार बारिश के कारण बरगी बांध का जलस्तर भी बढ़ रहा है। शनिवार शाम 5.30 बजे तक बांध का जलस्तर 421.5 मीटर पहुंच गया, जबकि इसकी कुल जलभराव क्षमता 422 मीटर है। बांध के 13 गेट खुले हुए हैं और इसमें करीब 2285 क्यूमेक पानी प्रति सेकंड की दर से पानी पहुंच रहा है। पिछले 72 घंटों में बांध का जलस्तर करीब एक मीटर बढ़ा है।

अगले 24 घंटे भारी

मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से बारिश का दौर जारी है। अगले 24 घंटों के दौरान जबलपुर संभाग में कई स्थानों पर भारी वर्षा तथा गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों में जबलपुर का अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह हवा में नमी 98 प्रतिशत और शाम को 95 प्रतिशत रही। 1 जून से अब तक जबलपुर में कुल 529.8 मिमी यानी करीब 20 इंच बारिश दर्ज हो चुकी है। लगातार बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की भी परीक्षा ले ली है और कई इलाकों में बाढ़ नियंत्रण व्यवस्था प्रभावित नजर आ रही है।

गोराबाजार की शराब दुकान पर लगा ताला

1 माह के आंदोलन के बाद झुका ठेकेदार

जबलपुर। गोराबाजार मुख्य मार्ग पर संचालित शराब दुकान को लेकर करीब एक माह से जारी विरोध आखिरकार रंग लाता नजर आया। लगातार विरोध, बाजार बंद और महिलाओं के कड़े प्रतिरोध के बीच शराब ठेकेदार ने दुकान पर ताला लगा दिया है। ठेकेदार ने सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए आबकारी विभाग को दुकान बंद रखने की लिखित सूचना दी है।

दुकान बंद होने की खबर से लंबे समय से आंदोलन कर रहे क्षेत्रीय नागरिकों और महिलाओं में उत्साह का माहौल है। वहीं आबकारी विभाग के सामने अब राजस्व की चिंता के साथ दुकान के लिए वैकल्पिक स्थान तलाशने की चुनौती खड़ी हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे रिहायशी इलाके में किसी भी कीमत पर शराब दुकान स्वीकार नहीं करेंगे।

15 जुलाई से चल रहा था विरोध

गोराबाजार में शराब दुकान के खिलाफ स्थानीय लोगों का आंदोलन 15 जुलाई से लगातार चल रहा था। विरोध के दौरान दो बार पूरा बाजार बंद कराया गया। इसके बाद 16 अगस्त को महिलाओं ने स्वयं शराब दुकान में ताला लगाकर अपना विरोध दर्ज कराया था। लगातार बढ़ते जनदबाव और सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों के बीच आखिरकार ठेकेदार ने दुकान बंद करने का निर्णय लिया।

बिलहरी के लाइसेंस पर गोराबाजार में संचालन का आरोप

मामले में प्रशासनिक स्तर पर हुई जांच में दुकान के संचालन को लेकर कई सवाल सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि दुकान का मूल लाइसेंस बिलहरी क्षेत्र के लिए स्वीकृत था, जबकि इसे गोराबाजार के मुख्य बाजार में संचालित किया जा रहा था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दुकान को गोराबाजार में खोलने से पहले छावनी परिषद से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं लिया गया। इसके अलावा प्रशासनिक जांच में दुकान के धार्मिक स्थल के नजदीक संचालित होने की बात भी सामने आई है। इन परिस्थितियों ने पहले से नाराज स्थानीय लोगों के विरोध को और तेज कर दिया।

भवन पर भी प्रशासन की नजर

विवादित शराब दुकान जिस भवन में संचालित हो रही थी, उसके निर्माण की वैधता भी जांच के घेरे में है। छावनी परिषद ने भवन स्वामी को पीपीई एक्ट के तहत नोटिस जारी कर जमीन के स्वामित्व और भवन निर्माण की स्वीकृति से संबंधित दस्तावेज मांगे हैं। मामले की सुनवाई अगले माह के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है। यदि जांच में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण की पुष्टि होती है तो भवन के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी हो सकती है। ऐसे में शराब दुकान बंद होने के बाद अब भवन का मामला भी प्रशासनिक कार्रवाई के केंद्र में आ गया है।

आबकारी विभाग के सामने नई चुनौती

ठेकेदार के दुकान बंद करने के बाद अब आबकारी विभाग के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर राजस्व प्रभावित होने की चिंता है, तो दूसरी ओर वैकल्पिक स्थान तलाशना आसान नहीं होगा। गोराबाजार के लोगों ने साफ संकेत दिया है कि वे रिहायशी इलाके में शराब दुकान का संचालन नहीं होने देंगे।

एल एंड डी राइस मिल से अनाधिकृत तौर पर रखा 290 क्विंटल चावल जप्त

जबलपुर। राजस्व विभाग एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों ने भेडाघाट रोड स्थित एल एंड डी फूड्स राइस मिल का आकस्मिक निरीक्षण कर अनाधिकृत तौर पर 580 बोरियों में रखा 290 क्विंटल चावल जप्त किया है। जप्त की गई चावल की ये बोरियां एक अन्य मिलर त्रिमूर्ति ट्रेडर्स की थी और इसे नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा आवंटित किये गये धान से बनाया गया था। एल एंड डी फूड्स राइस मिल के आकस्मिक निरीक्षण की यह कार्यवाही नागरिक आपूर्ति निगम की क्षेत्रीय प्रबंधक के निर्देश पर कल शुक्रवार को की गई। कार्यवाही में शामिल नागरिक आपूर्ति निगम के कनिष्ठ सहायक दुष्यन्त मांझी ने बताया कि धान से चावल बनाने के बाद त्रिमूर्ति ट्रेडर्स को इसे भारतीय खाद्य निगम को दिया जाना था। लेकिन भारतीय खाद्य निगम द्वारा अत्यधिक नमी होने की वजह से इसे रिजेक्ट कर दिया गया।

नागरिक आपूर्ति निगम के कनिष्ठ सहायक ने बताया कि चावल रिजेक्ट हो जाने के बाद त्रिमूर्ति ट्रेडर्स को उसे अपने गोदाम में ही वापस रखना चाहिये था। लेकिन उसे नागरिक आपूर्ति निगम की बिना अनुमति और पूर्व सूचना के एल एंड डी फूड्स राइस मिल में रख दिया गया। उन्होंने बताया कि चावल को जप्त करने की कार्यवाही के दौरान एल एंड डी फूड्स राइस मिल के संचालक रोहित जैन तथा त्रिमूर्ति ट्रेडर्स की संचालक संगीता जैन की ओर से उनके पति कमल जैन भी मौजूद थे। जप्त किये गये चावल को आगामी कार्यवाही तक एल एंड डी फूड्स राइस मिल के संचालक की सुपुर्दगी में दे दिया गया है और परीक्षण हेतु इसके नमूने भी लिये गये हैं। आकस्मिक निरीक्षण की कार्यवाही में तहसीलदार शहपुरा राजीव मिश्रा, नायब तहसीलदार विकास चंद जैन, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती नीलम उपाध्याय भी शामिल थे।

एटीएम कार्ड बदलकर बुजुर्ग के खाते से 1.16 लाख निकाले

जबलपुर। एटीएम में मदद करने के बहाने एक अज्ञात व्यक्ति ने 79 वर्षीय बुजुर्ग का एटीएम कार्ड बदल दिया और उनके बैंक खाते से 1 लाख 16 हजार 500 रुपये निकाल लिए। मामला संजीवनी नगर थाना क्षेत्र का है। नव निवेश कॉलोनी गंगा नगर निवासी राजकुमार जैन 79 वर्षीय सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त हैं। 17 अगस्त की शाम वे दूध लेने गए थे। लौटते समय एसबीआई के एटीएम से 9 हजार रुपये निकालने के बाद उनके पीछे खड़े एक व्यक्ति ने एटीएम ब्लॉक होने की बात कही और दोबारा कार्ड डालकर पैसे निकालने को कहा। बुजुर्ग ने दोबारा कार्ड डालकर 500 रुपये निकाले। इसके बाद आरोपी उन्हें बातों में उलझाकर वहां से चला गया। अगले दिन बैंक में कार्ड दिखाने पर पता चला कि उनके पास मौजूद कार्ड किसी नागेश व्योहार के नाम का है। बैंक स्टेटमेंट निकलवाने पर पता चला कि 17 और 18 अगस्त के बीच अलग-अलग स्थानों से उनके खाते से कुल 1 लाख 16 हजार 500 रुपये निकाले गए हैं। पुलिस ने धारा 318(4) एवं 319(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार से दो हफ्ते में मांगा जवाब

निजी मेडिकल कॉलेजों में ईडब्लयूएस आरक्षण का मामला

जबलपुर। निजी मेडिकल कॉलेजों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्लयूएस) के विद्यार्थियों को आरक्षण का लाभ देने का मामला अब केंद्र सरकार के समक्ष पहुंच गया है। हाईकोर्ट की युगलपीठ ने पुराने प्रकरण में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को पक्षकार बनाने की अनुमति दे दी है। केंद्र को दो सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर 2026 को होगी। अथर्व चतुर्वेदी विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य मामले में याचिकाकर्ता ने निजी मेडिकल कॉलेजों में ईडब्लयूएस अभ्यर्थियों को समायोजित करने के लिए सामान्य वर्ग की सीटें बढ़ाने की मांग पर केंद्र का पक्ष रिकॉर्ड पर लेने का अनुरोध किया था। युगलपीठ ने मौखिक आवेदन स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार को पक्षकार बनाया। डिप्टी सॉलिसिटर जनरल सुयश मोहन गुरु ने केंद्र की ओर से नोटिस स्वीकार किया है।

इसी मुद्दे को लेकर कुमारी दरक्षा अंजुम सहित अन्य ईडब्लयूएस अभ्यर्थियों ने निजी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की मांग करते हुए नई याचिका दायर की है। प्रशासनिक न्यायाधीश आनंद पाठक और न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की युगलपीठ ने राज्य शासन तथा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि प्रवेश प्रक्रिया याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से 17 दिसंबर 2024 के हाईकोर्ट के आदेश का हवाला दिया गया। उस आदेश में एनएमसी को निजी मेडिकल कॉलेजों में ईडब्लयूएस आरक्षण लागू करने के लिए एक वर्ष के भीतर सीटें बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। दोनों मामलों में अधिवक्ता मनोज चतुर्वेदी याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी कर रहे हैं।

इग्नू की डीपीई शिक्षक पद के लिए मान्य

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की युगलपीठ ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली से प्राप्त दो वर्षीय डीपीई को माध्यमिक शिक्षक पद पर नियुक्ति और प्राथमिक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षक पद पर पदोन्नति के लिए मान्य योग्यता माना है। कोर्ट ने राज्य शासन की तीन रिट अपीलें खारिज करते हुए एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखा है। मामले में अभ्यर्थियों ने माध्यमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा पास करने के बाद दस्तावेज सत्यापन भी कराया था, लेकिन दो वर्षीय डीपीई डिप्लोमा के आधार पर उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी गई थी। अभ्यर्थियों ने हाई कोर्ट में इसे चुनौती देते हुए बताया कि स्नातक के साथ दो वर्षीय डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता निर्धारित है। 28 फरवरी 2013 के शासन परिपत्र में इग्नू के डीपीई को डीएड और डीएलएड के समकक्ष मान्यता दी गई थी। युगलपीठ ने माना कि इग्नू का दो वर्षीय डीपीई मान्य व्यावसायिक डिप्लोमा है। साथ ही एनसीटीई ने इसे शैक्षणिक सत्र 2009-10 से पूर्वव्यापी प्रभाव से मान्यता दी थी। कोर्ट ने 13 अगस्त 2026 को राज्य शासन की तीनों अपीलें खारिज कर दीं। अभ्यर्थियों की ओर से अधिवक्ता सत्येन्द्र ज्योतिषी, अभिषेक मिश्रा, अनुज मिश्रा और अंकित तिवारी ने पैरवी की।

रक्षाबंधन पर्व पर पश्चिम मध्य रेल से चलेंगी 3 जोड़ी और स्पेशल ट्रेनें

जबलपुर। रेल प्रशासन द्वारा रक्षाबंधन के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु अतिरिक्त पैसेंजर ट्रैफिक को क्लीयर करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे से तीन जोड़ी औरस्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। जिसमें सोगरिया-मथुरा-सोगरिया (अनारक्षित), सोगरिया-जबलपुर-सोगरिया एवं कोटा-हजरत निजामुद्दीन-कोटा एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। गाड़ी संख्या 02921/02922 सोगरिया-मथुरा-सोगरिया अनारक्षित सुपरफास्ट स्पेशल का संचालन 24 से 30 अगस्त 2026 तक दोनों दिशाओं में 07-07 फेरों के लिए किया जाएगा। गाड़ी संख्या 02921 सोगरिया-मथुरा स्पेशल ट्रेन सोगरिया स्टेशन से सुबह 08:30 बजे प्रस्थान कर और दोपहर 14:10 बजे मथुरा जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 02922 मथुरा-सोगरिया स्पेशल ट्रेन मथुरा जंक्शन स्टेशन से दोपहर 15:30 बजे प्रस्थान कर और रात 21:20 बजे सोगरिया पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 09806/09805 सोगरिया-जबलपुर-सोगरिया एक्सप्रेस स्पेशल में ट्रेन 09806 का संचालन 21, 23, 25 एवं 27 अगस्त और ट्रेन 09805 का संचालन 22, 24, 26 एवं 28 अगस्त को दोनों दिशाओं में 04-04 फेरों के लिए किया जाएगा। गाड़ी संख्या 09806 सोगरिया-जबलपुर स्पेशल ट्रेन सोगरिया स्टेशन से शाम 18:35 बजे प्रस्थान कर और अगले दिन सुबह 06:55 बजे जबलपुर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09805 जबलपुर-सोगरिया स्पेशल ट्रेन जबलपुर स्टेशन से सुबह 09:10 बजे प्रस्थान कर और रात में 22:30 बजे सोगरिया पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 09803/09804 कोटा-हजरत निजामुद्दीन-कोटा एक्सप्रेस स्पेशल में ट्रेन 09803 का संचालन 22, 24 एवं 26 अगस्त को और ट्रेन 09804 का संचालन 23, 25 एवं 27 अगस्त को दोनों दिशाओं में 03-03 फेरों के लिए किया जाएगा। गाड़ी संख्या 09803 कोटा-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन कोटा स्टेशन से रात 22:15 बजे प्रस्थान कर और अगले दिन सुबह 07:00 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी।

उपभोक्ता मंच ने आपत्ति भेजी

मिल्क कैपिटल में जबलपुर की अनदेखी

जबलपुर। प्रदेश को मिल्क केपिटल बनाने हेतु 20 अगस्त को प्रकाशित सूचना में जबलपुर का उल्लेख तक नहीं किया गया है। इस पर आपत्ति जताते हुए नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजा। मंच के अनुसार जबलपुर में प्रतिदिन साढ़े चार से पांच लाख लीटर "होल मिल्क" उत्पादित हो रहा है, जो प्रदेश में अन्य शहरों के तुलना में सबसे ज्यादा है। जबलपुर तथा आसपास में लगभग 350 डेयरिया स्थापित हैं, यह डेयरी हब प्रदेश में सबसे बड़ा है। मादा भैस की संख्या यहां पर लगभग 70 हज़ार है। प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में इतनी ज्यादा संख्या में भैंस नहीं हैं।

ऐसे में मिल्क केपिटल के घोषणा में जबलपुर का उल्लेख नहीं करना, यह शहर की अनदेखी है। इन वास्तविकता के आधार पर जबलपुर को मिल्क कैपिटल का सेंटर बनाया जाये तथा उसकी घोषणा की जाये। सबसे बड़ा डेयरी हब होने के कारण जबलपुर का हब बनता है की यहां पर बायोगैस सीएनजी प्लांट स्थापित हो। वर्तमान में उसे ग्वालियर में स्थापित किया गया, यह जबलपुर के साथ भेदभाव है। मंच की बैठक में डॉ. पी.जी. नाजपांडे, रजत भार्गव, डॉ.ए.बी. श्रीवास्तव, एड.वेदप्रकाश अधौलिया, मनीष शर्मा आदि उपस्थित थे।

खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच, घी-पनीर-मिठाई के सैंपल लिए

जबलपुर। मिलावटी एवं दूषित खाद्य सामग्री की बिक्री रोकने कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कई खाद्य विक्रय प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान घी, पनीर, खोवा एवं मिठाई के नमूने जांच के लिए लिए गए। अधिकारियों ने मालवीय चौक स्थित हीरा स्वीट्स से पनीर तथा नौदरा ब्रिज स्थित हीरा स्वीट्स से मिठाई का नमूना लिया। सिहोरा में विजय स्वीट्स से पनीर, घी एवं मिठाई, मझगवां स्थित पाल डेयरी से खोवा व पनीर, सतगुरु ट्रेडर्स से रत्नागिरी घी तथा पटेल किराना स्टोर्स से घी का नमूना लिया गया। सिहोरा स्थित सेलर होटल एंड रेस्टोरेंट का भी निरीक्षण किया गया। यहां दो बाल श्रमिक काम करते पाए गए। इस पर होटल संचालक को बाल श्रम अधिनियम के उल्लंघन पर नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा गया है। मौके पर श्रम निरीक्षक भी मौजूद रहे। किचन में साफ-सफाई का स्तर संतोषजनक नहीं पाए जाने पर भी संचालक को नोटिस जारी किया गया।

चाकू रखने के आरोपी को 1 साल की कैद

जबलपुर। अवैध रूप से बटनदार चाइना चाकू रखने के मामले में न्यायालय ने आरोपी अजयराज को एक वर्ष के सश्रम कारावास और 500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। यह फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जबलपुर की न्यायालय में सुनाया गया। अभियोजन के अनुसार 19 फरवरी 2024 को माढ़ोताल थाने के उपनिरीक्षक विजय कुमार पुष्कर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्रीन सिटी रोड, अनुश्री कॉलेज के बाजू, थाना माढ़ोताल निवासी अजयराज को गिरफ्तार किया, उसके पास से एक चाकू बरामद हुआ। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने चालान न्यायालय में पेश किया।

12वीं के छात्र ने फांसी लगाकर जान दी

जबलपुर। बरगी थाना क्षेत्र के गायत्री नगर में 12वीं कक्षा के 18 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 18 वर्षीय जुनैद हुसैन के पिता जाकिर हुसैन ने बताया कि उनका बेटा कुछ दिनों से पिकअप वाहन खरीदने की मांग कर रहा था। पिता ने पढ़ाई पूरी करने के बाद वाहन खरीदने की बात कही थी। इसी बात को लेकर वह नाराज चल रहा था। 20 अगस्त की रात करीब 11:30 बजे पिता ने बेटे के कमरे में जाकर देखा तो वह फांसी पर लटका हुआ था।

पुलिस ने वारंटियों सहित 144 आरोपियों पर की कार्रवाई

जबलपुर। असामाजिक तत्वों, अवैध शराब, हथियार और मादक पदार्थों के कारोबार में लिप्त लोगों के साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जबलपुर पुलिस ने अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर पिछले 24 घंटे में विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार आदतन अपराध करने वाले 7 आरोपियों के खिलाफ धारा 129 बीएनएसएस (110 जाफौ.) के तहत कार्रवाई की गई। विवाद करने वाले 54 लोगों पर धारा 126/135(3) बीएनएसएस (107/116 जाफौ.) तथा 3 लोगों के खिलाफ धारा 170 बीएनएसएस (151 जाफौ.) के तहत कार्रवाई की गई। कई वर्षों से फरार 3 गैर जमानती वारंटियों और 44 जमानती वारंटियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 94 जमानती वारंट तामील कराए गए। अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई में 36 आरोपियों पर आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। इनके कब्जे से 246 पाव देशी-अंग्रेजी शराब और 48 लीटर कच्ची शराब जब्त की गई। वहीं दो आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत कार्रवाई करते हुए दो चाकू जब्त किए गए।

पिस्टल, कारतूस के साथ पकड़ा गया आरोपी

जबलपुर। गोहलपुर पुलिस ने भोलानगर खेरमाई माता मंदिर के पास टीनशेड के नीचे पिस्टल लेकर खड़े एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से एक पिस्टल और दो कारतूस जब्त किया है। गोहलपुर थाना प्रभारी रितेश पांडे ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर भोलानगर में खेरमाई माता मंदिर के पास टीनशेड के नीचे अपराध करने की नीयत से पिस्टल रखे सिन्धी कैम्प बारूद खाना फकीरचन्द अखाड़ा के पीछे बाबाटोला निवासी 22 वर्षीय रंजीत उर्फ लाला चौधरी को गिरफ्तार कर उसके पास से एक पिस्टल तथा दो कारतूस जब्त करते हुए आरोपी के विरुद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

महादेव ने बालक को दिया गजानन रूप, प्रथम पूज्य बने विघ्नहर्ता गणेश : ब्रह्मचारी चैतन्यानंद

माता-पिता की परिक्रमा कर गणेशजी ने जीता विवाह का अधिकार, बगलामुखी सिद्ध पीठ में आयोजित शिव महापुराण ज्ञान

हरिभूमि, जबलपुर।

श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ सिविक सेंटर मढ़ाताल में श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित श्री शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ एवं असंख्य रुद्री निर्माण के क्रम में शनिवार को भगवती का हिंडोला पूजन तथा भगवान हरिहरेश्वर महादेव एवं पार्थिव शिवलिंग का महारुद्राभिषेक और बिल्वपत्र अर्चन श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान पूरा परिसर हर-हर महादेव और गणपति बप्पा के जयघोष से गूंज उठा।

वियोग देखकर किया पुनर्जीवित

कथा व्यास पूज्य ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी महाराज श्री ने गणेश जन्म एवं उनके विघ्नहर्ता स्वरूप की कथा सुनाते हुए कहा कि माता पार्वती ने अपने उबटन से एक बालक का निर्माण किया और उसे अपने द्वार पर पहरे के लिए नियुक्त किया। भगवान शिव जब वहां पहुंचे तो बालक ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इस पर भगवान शिव ने उसका मस्तक अलग कर दिया। पुत्र के वियोग में माता पार्वती के दुख को देखकर भगवान शिव ने हाथी का मस्तक लगाकर बालक को पुनर्जीवित किया और उसे 'गणेश' नाम देकर प्रथम पूज्य होने का वरदान प्रदान किया।

शास्त्रों में बुद्धि, विवेक और मंगल रूप में प्रतिष्ठित

ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी महाराज ने कहा कि भगवान गणेश विघ्नों का नाश करने वाले ही नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर विघ्न उत्पन्न करने वाले भी हैं। इसलिए किसी भी शुभ कार्य के आरंभ में प्रथम पूजन गणेशजी का किया जाता है। शास्त्रों में उन्हें बुद्धि, विवेक और मंगल के देवता के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।

तारकासुर के आतंक से देवताओं को मिली मुक्ति

कथा में भगवान कार्तिकेय के जन्म और तारकासुर वध का प्रसंग सुनाते हुए ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी ने बताया कि तारकासुर को ब्रह्माजी से वरदान प्राप्त था कि उसका वध केवल भगवान शिव के पुत्र के हाथों ही संभव होगा। उसके अत्याचारों से त्रस्त देवताओं ने भगवान शिव से पुत्र प्राप्ति की प्रार्थना की। भगवान शिव के तेज से कार्तिकेय का जन्म हुआ। छह कृतिकाओं ने उनका पालन-पोषण किया, जिसके कारण वे कार्तिकेय कहलाए। आगे चलकर कार्तिकेय ने तारकासुर का वध कर देवताओं को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई और देवसेना का नेतृत्व किया। दक्षिण भारत में वे मुरुगन के रूप में विशेष रूप से पूजित हैं।

बुद्धि के बल पर गणेशजी ने जीती प्रतियोगिता

कथा व्यास ने गणेश और कार्तिकेय के विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि जब दोनों विवाह योग्य हुए तो पहले विवाह को लेकर भगवान शिव और माता पार्वती ने शर्त रखी कि जो संपूर्ण ब्रह्मांड की परिक्रमा कर पहले लौटेगा, उसका विवाह पहले होगा। कार्तिकेय तत्काल अपने मयूर पर सवार होकर ब्रह्मांड की परिक्रमा के लिए निकल पड़े। वहीं गणेशजी ने अपने माता-पिता शिव-पार्वती की सात परिक्रमा कर कहा कि शास्त्रों के अनुसार माता-पिता के चरणों में ही समस्त लोक और तीर्थों का वास है।

जब रुष्ट होकर दक्षिण में चले गए कार्तिकेय

गणेशजी की बुद्धि और श्रद्धा से प्रसन्न होकर भगवान शिव और माता पार्वती ने उनका विवाह प्रजापति विश्वरूप की पुत्रियों सिद्धि और बुद्धि से कराया। उनसे शुभ और लाभ नामक दो पुत्र हुए। जब कार्तिकेय लौटे और उन्हें यह ज्ञात हुआ तो वे रुष्ट होकर दक्षिण दिशा की ओर चले गए।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर आचार्य राजेंद्र शास्त्री, आदित्य त्रिपाठी, सुधा त्रिपाठी, अध्रित मिश्रा, रश्मि मिश्रा, नीता पटेल, सुरेश-सरिता कुरेले, वर्षा साहू, गोविन्द-प्रीति साहू, अमित-प्रतिक्षा सिंह, राधा शुक्ला, ऋचा मिश्रा, आराधना-आशीष चौकसे, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, शिव गुप्ता, सुनील गुप्ता, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, सोनू कुरेले, राहुल मौर्य, राज गुप्ता, लकी शर्मा, रोहित तिवारी, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे, मीडिया प्रभारी मनोज सेन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भगवान गैबीनाथजी की शाही यात्रा कल

जबलपुर। ऐतिहासिक कलचुरीकालीन स्वयंभू सिद्धपीठ श्री गैबीनाथजी महादेव की शाही यात्रा 24 अगस्त को अपराह्न 3 बजे मेडिकल कॉलेज रोड, पुरवा स्थित गैबीनाथ मंदिर से धूमधाम से निकलेगी। यात्रा ब्राह्मण मोहल्ला, झंडा चौक, चुंगी चौकी एवं त्रिपुरी होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंचेगी। मंदिर व्यवस्थापक अभय शंकर प्यासी एवं अजय अवस्थी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गैबीनाथजी स्वयंभू शिवलिंग हैं, जिनकी उपासना कलचुरी काल अर्थात नवमी शताब्दी से होती आ रही है। गोंड काल में भी यह अनेक राजाओं की उपासना स्थली रही। गोंड शासक निजामशाह ने वर्ष 1755 में यहां भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। उन्होंने बताया कि शाही यात्रा का यह 15वां वर्ष है। यात्रा वीरेंद्रपुरी महाराज के आशीर्वाद एवं पूज्य समर्थ दादा गुरु की प्रेरणा से निकाली जाएगी। जगतगुरु श्री राघवदेवाचार्य, जगतगुरु बालगोविंद शास्त्री, दादा पगलानंद महाराज, तरुण चौबे महाराज, बृजेश महाराज, महंत द्वारकापुरी, महंत ताराचंद महाराज एवं आचार्य नरेंद्र गौतम के सानिध्य में यात्रा प्रारंभ होगी। प्राचीन झांकियां एवं बैंड दल प्रमुख आकर्षण रहेंगे। समिति के रामकुमार पाठक, दिनेश दुबे, प्रदीप पटेल, तरुण अवस्थी, शिवकुमार अवस्थी, शंभू पांडेय, निखिल सैनी, महेंद्र जैन, रोहित दुबे एवं हर्ष अवस्थी ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

मातृशक्ति महिला मंडल ने मनाई हरियाली तीज

जबलपुर। मातृशक्ति महिला मंडल द्वारा 22 अगस्त को क्षत्रिय भवन, रानीताल में हरियाली तीज के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने हरे परिधानों में सावन के गीतों पर सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया। गेम्स एवं सावन क्वीन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। मंडल की अध्यक्ष सुनीता पटेल एवं सचिव मंजू वर्मा ने बताया कि महिला मंडल द्वारा सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों के साथ वृक्षारोपण और गौसेवा जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को जागरूक करने का संकल्प लिया गया है। कार्यक्रम में मेघा रैकवार, पूनम राजपूत, रेखा विश्वकर्मा, सीमा गुप्ता, सविता दुबे, सरोज शर्मा, सोनिया सिंह, निशा घोष, अंशुल यादव, नीता शर्मा, ज्योति, रेखा, दीपा, सरस्वती, रश्मे, उमा, रितु, राधा, बबली, संगीता, खुशबू, अनुराधा, नमिता, सरोज, शालिनी, रोशनी, जानवी, अर्चना, उषा, सुरभि, काजल एवं किरण सहित बड़ी संख्या में बहनों ने सहभागिता की।

शताब्दी वर्ष पर 101 पौधे रोपकर दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

जबलपुर। अखिल भारतीय महिला परिषद के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को त्रिमूर्ति शाला परिवार के संयुक्त तत्वावधान में अधारताल तालाब के समीप 101 पौधों का रोपण किया गया। अभियान में परिषद के सदस्यों, छात्र-छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने परिषद के शताब्दी वर्ष पर 35 हजार पौधे उपलब्ध कराने की घोषणा की तथा वृक्षारोपण के लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर यामिनी सिंह, पार्षद अंजना मनीष अग्रहरि एवं पार्षद शरद श्रीवास्तव बाबा भैया उपस्थित रहे। परिषद अध्यक्ष गीताशरत तिवारी ने कहा कि नारी शक्ति जीवन की जन्मदात्री होने के साथ प्रकृति संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शाला अध्यक्ष दुर्गा चौबे ने बताया कि शाला परिवार प्रतिवर्ष वृक्षारोपण के साथ पॉलीथिन का उपयोग कम करने के लिए निःशुल्क कपड़े के थैलों का वितरण करता है। शाला संचालिका डॉ. दिव्या चौबे ने अभियान को निरंतर जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम में प्राचार्या डॉ. मृदुला चौरसिया, पुष्पलता वाजपेयी, मिलिंद राव, आभा श्रीवास, रेहान खान, आनंद श्रीवास, मनु शरत तिवारी, अफरोज खान, उर्मिला रैकवार, लता प्रजापति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हरिशंकर परसाई जयंती पर विचार संगोष्ठी आयोजित

परसाई का साहित्य सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम : प्रो. अरुण शुक्ल

जबलपुर। हिंदी विभाग, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा हरिशंकर परसाई जयंती के अवसर पर विचार संगोष्ठी आयोजित की गई। विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल ने परसाई के साहित्यिक योगदान एवं उनके व्यंग्य की सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी रचनाएं आज भी समाज को आत्ममंथन करने और व्यवस्था की कमियों पर गंभीरता से विचार करने के लिए प्रेरित करती हैं। परसाई का साहित्य सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने कहा कि परसाई ने व्यंग्य के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों, भ्रष्टाचार एवं राजनीतिक विडंबनाओं पर निर्भीकता से प्रहार किया। डॉ. तृप्ति उकास ने कहा कि परसाई की भाषा सहज, सरल, धारदार और आमजन से जुड़ी हुई थी। उन्होंने मध्यवर्गीय जीवन की विडंबनाओं एवं आम आदमी की परेशानियों को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। संगोष्ठी में डॉ. महेंद्र कुमार कुशवाहा, लल्लाबाई लोधी, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

झूलेलाल मंदिर में मनाया गया चालीसा व्रत महोत्सव, 108 मीटर का अंगवस्त्र अर्पित

जबलपुर।

झूलेलाल मंदिर परिसर में शनिवार को भव्य चालीसा व्रत महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर समिति की ओर से झूलेलाल साईं को 108 मीटर लंबा पवित्र अंगवस्त्र अर्पित किया गया। आयोजकों ने बताया कि हिंदू परंपरा में 108 अंक विशेष महत्व रखता है और इसे पूर्णता व सामूहिक आस्था का प्रतीक माना जाता है।

महोत्सव के दौरान झूलेलाल चालीसा का अखंड पाठ, बहराणा साहिब पूजन तथा सामूहिक चालीसा गान हुआ। स्वामी प्रदीप महाराज एवं पंडित वेदांत शर्मा ने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। मंदिर परिसर में "झूलेलाल साईं की जय" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मंदिर को फूलों, रोशनी एवं शुभ प्रतीकों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। स्वामी अशोकानंद महाराज ने कहा कि चालीसा महोत्सव धार्मिक आयोजन के साथ सिंधी समाज की संस्कृति और परंपराओं का उत्सव भी है। 108 मीटर अंगवस्त्र अर्पित कर समाज की शांति, समृद्धि एवं उन्नति की प्रार्थना की गई। आयोजन में मोतीलाल पारवानी, उद्धवदास पारवानी, दिलीप तलरेजा, रामचंद्र आहूजा, रमेश आहूजा, राजकुमार कांधारी, दिलीप बुधरानी, श्रीचंद मध्यांनी, कैलाश वासवानी, धर्मेंद्र मंगलानी, त्रिलोक वासवानी, सोनू लालवानी, लक्ष्मीचंद खेमानी, उमेश पारवानी, गोविन्द हीरानी, प्रकाश आहूजा, प्रकाश आसवानी, राजा सावलानी, विजय पंजवानी, हरीश आहूजा, बिल्लू हीरानी, सुनील हासवानी एवं गोपीचन्द्र खत्री सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

खंडहर भवन में पढ़ने को मजबूर पीएम श्री कन्या शाला की छात्राएं

बरेला। महिला सशक्तिकरण और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के नारों के बीच बरेला की पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं जर्जर भवन में पढ़ने को मजबूर हैं। वर्ष 1956 में निर्मित भवन की हालत खतरनाक स्थिति में पहुंच चुकी है। वहीं, बरेला में सीएम राइज एवं संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नए भवन बन चुके हैं, लेकिन कन्या शाला के भवन निर्माण की ओर ध्यान नहीं दिया गया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी अरविन्द तिवारी ने स्वतंत्रता दिवस पर विद्यालय का भ्रमण कर छात्राओं से उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने बताया कि भवन की छत में लगी लकड़ियां सड़ चुकी हैं, खपरों में टूट-फूट है, खिड़कियां खराब हैं और दीवारें भी कमजोर हो गई हैं। विद्यालय के पीछे स्थित तीन कमरे पूरी तरह खंडहर हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्राचार्य एवं शिक्षक अपनी ओर से भवन निर्माण की मांग कर सकते हैं, लेकिन निर्णय शासन स्तर पर होना है। तिवारी ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, सांसद एवं विधायक से सवाल करते हुए कहा कि छात्राओं के साथ यह भेदभाव कब तक जारी रहेगा और विद्यालय का नया भवन कब बनेगा। उन्होंने कहा कि भवन में किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर जिम्मेदारी किसकी होगी। उन्होंने विद्यालय के नए भवन के साथ बाउंड्रीवाल निर्माण की भी मांग की। बाउंड्रीवाल नहीं होने से अतिक्रमण की स्थिति बन रही है और असामाजिक तत्वों द्वारा छात्राओं को परेशान किए जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।

रांझी जल शोधन संयंत्र से गोकलपुर सड़क का जल्द होगा निर्माण

जबलपुर। रांझी जल शोधन संयंत्र से गोकलपुर की ओर जाने वाली सड़क का मरम्मत एवं निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। शनिवार को कैंट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने मार्ग का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। सड़क निर्माण से क्षेत्रीय नागरिकों एवं राहगीरों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिलेगी। रांझी क्षेत्र में अमृत योजना 2.0 के तहत हर घर नर्मदा जल पहुंचाने के लिए करीब 130 करोड़ रुपये की लागत से 18 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है। साथ ही रांझी जल शोधन संयंत्र की फिल्टर क्षमता 54 एमएलडी से बढ़ाकर 108 एमएलडी की जा रही है तथा नया वाटर फिल्टर प्वाइंट भी बनाया जा रहा है। पाइपलाइन बिछाने के दौरान सड़क कई स्थानों पर खोदी गई थी, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा था।

विधायक रोहाणी ने कहा कि पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के विकास कार्य प्राथमिकता से पूरे किए जाएं, लेकिन विकास कार्यों के कारण नागरिकों को लंबे समय तक परेशानी न हो। उन्होंने सड़क को शीघ्र व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त अहिरवार ने भी अधिकारियों से कार्य की जानकारी लेकर आवश्यक निर्माण जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य दामोदर सोनी, मंडल अध्यक्ष पुष्पराज सिंह सेंगर, पार्षद निशांत झारिया, अनुराग दहिया, संतोषी ठाकुर, सावित्री शाह, दशरथ पटेल, बंटी रजक, हेमराज सराठे, सुधीर बेन, बंटी बेन, पप्पू सोनकर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चौरसिया समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह आज

जबलपुर। चौरसिया समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 के 38वें गरिमामय वर्ष के अवसर पर रविवार, 23 अगस्त को दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक मानस भवन सभागार, जबलपुर में भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में समाज के लगभग 650 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करने के साथ ही वरिष्ठजनों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों का स्वागत एवं सम्मान किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह तथा विशिष्ट अतिथि सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, पूर्व मंत्री एवं विधायक लखन घनघोरिया, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, भाजपा नगर महामंत्री रंजीत पटेल एवं समरसता सेवा संगठन अध्यक्ष पवन पांडे सहित अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहेंगे।

धनंगवा में कल निकलेगी विशाल कावड़ यात्रा

सिहोरा। समीपस्थ ग्राम धनंगवा में सोमवार को वात्सल्य महाकाली समिति के संयोजन में विशाल कावड़ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में शामिल शिवभक्त सुबह 8:30 बजे मोहला नर्मदा विकास नहर से कावड़ में नर्मदा जल भरेंगे। इसके बाद यात्रा धनंगवा स्थित शिव मंदिर पहुंचेगी, जहां सुबह 10:30 बजे भगवान भोलेनाथ का नर्मदा जल से जलाभिषेक किया जाएगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कावड़ यात्रा में सहभागिता करने की अपील की है। अपील करने वालों में समाजसेवी विनय असाटी, नीरज असाटी, नवल असाटी, अनुपम अग्रवाल, सोनू पटेल, सोहन विश्वकर्मा, राकेश चतुर्वेदी, मोंटी सेन, आकाश रजक एवं बृजमोहन ठाकुर सहित अन्य शामिल हैं।

श्रीमति देवमुनी गुप्ता- शिवनगर कॉलोनी निवासी श्रीमति देवमुनी गुप्ता का 75 वर्ष की आयू में निधन हो गया।

वे रामशंकर गुप्ता की मां एवं प्रिंस गुप्ता की दादी जी हैं। अंतिम संस्कार यात्रा आज 23 अगस्त रविवार को निज निवास से प्रातः 10 बजे गौरीघाट मुक्ति धाम के लिए रवाना होगी।

श्रीमती कमला देवी सोनी- पूर्वी करियापाथर निवासी श्री महेंद्र कुमार सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी सोनी का निधन हो गया। वे दीपक, प्रदीप व आलोक सोनी की मां थीं। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

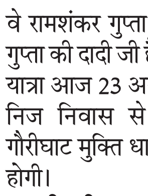

श्री रवि राना- बगीचा नं. 26 केंट तीसरा पुल रोड निवासी श्री सुरेश बहादुर राना के पुत्र श्री रवि राना (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रदीप कुमार गोठिया- लक्ष्मी कॉलोनी हाथीताल निवासी श्री नंदू गोठिया के पुत्र श्री प्रदीप कुमार गोठिया (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री कामता प्रसाद परिहार- विजयनगर छापर रामपुर निवासी श्री कामता प्रसाद परिहार (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रीतेश सोनी- सेठी नगर गुप्तेश्वर मंदिर रोड निवासी श्री बिहारी लाल सोनी के पुत्र श्री रीतेश सोनी (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री प्रेम प्रताप मिश्रा- समदड़िया कॉलोनी कांचघर निवासी श्री प्रेम प्रताप मिश्रा (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भगवती कोरी- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री धन्नू लाल कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती भगवती कोरी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री रोशन लाल पटेल- कटंगा आदर्श नगर निवासी श्री रोशन लाल पटेल (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हेमंत कुमार चौधरी- कांचघर झंडा चौक निवासी श्री हेमंत कुमार चौधरी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री शंभू दयाल दुबे- तुलसी नगर चेरीताल निवासी श्री शंभू दयाल दुबे (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संजीत राजपूत- चांदमारी लालमाटी निवासी श्री राजकरन राजपूत के पुत्र श्री संजीत राजपूत का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री बालेश्वर राय- तिलहरी चैतन्य सिटी निवासी श्री बालेश्वर राय (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति कॉलम से.मी.
सिंगल साइज:- 1x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- 1x4 से.मी. रंगीन 400/-
डिबल साइज 2x4 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362100

ज्योतिर्लिंग स्थापना और पार्थिव शिवलिंग पूजन की महिमा बताई

मझौली। भगवान विष्णु वाराह मंदिर प्रांगण में चल रही शिव महापुराण कथा में श्रद्धालुओं को प्रतिदिन भगवान शिव की महिमा से जुड़े प्रसंगों का श्रवण कराया जा रहा है। कथा के दौरान कोनी आश्रम मझौली वाले स्वामी दत्त जी महाराज ने पृथ्वी पर ज्योतिर्लिंगों की स्थापना से जुड़ी कथा का विस्तार से वर्णन किया। स्वामी दत्त जी महाराज ने कहा कि भगवान शिव की आराधना से मनुष्य को आध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है। उन्होंने ज्योतिर्लिंगों की महिमा बताते हुए भगवान शिव के स्वरूप एवं उपासना के महत्व से श्रद्धालुओं को अवगत कराया। साथ ही पार्थिव शिवलिंग के निर्माण, स्थापना और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की प्रक्रिया भी समझाई। उन्होंने कहा कि श्रद्धा एवं भक्ति के साथ पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर भगवान शिव का पूजन और अभिषेक करने का विशेष धार्मिक महत्व है। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुओं ने शिव महापुराण कथा का श्रवण किया। आयोजन गोविन्द सरकार समिति, मझौली के तत्वावधान में किया जा रहा है। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम तक भगवान विष्णु वाराह मंदिर प्रांगण में हो रही है, जिसमें नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

कार्यालय संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में भूखण्ड क्रमांक- 117 श्री सोमचन्द जैन पिता दीपचन्द जैन के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 25. 02.1992 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री सोमचन्द जैन की मृत्यु दिनांक 09. 06.1996 को हो गई है। आवंटी द्वारा मण्डल के साथ निष्पादित अनुबंध में श्रीमति राजकुमारी जैन पति स्व. श्री सोमचन्द्र जैन को नामिनी नियुक्त किया था । अतः आवंटी के नामिनी श्रीमति राजकुमारी जैन पति स्व. श्री सोमचन्द्र जैन ने उक्त संपत्ति को नॉमिनेशन के आधार पर लीज नामांतरण स्वयं के नाम पर करने हेतु आवेदन संगत दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। यदि किसी व्यक्ति/ वैद्य उत्तराधिकारी / संस्था आदि को उपरोक्त लीज नामांतरण बाबत् कोई वैद्य आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात लीज नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी । जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

जाहिर सूचना

यह की मेरे पक्षकार Tyger Capital Private Limited. द्वारा Mrs. Aarti Rakesh Sondhia W/o Mr. Rakesh Sondhia R/o 3189/3, Kherai Ward, Gokalpur Tehsil Jabalpur Dist - Jabalpur M.P. की सम्पत्ति को बंधक रख कर ऋण दिया जा रहा है। बंधक की जा रही सम्पत्ति Present Property House No. 1066/482 House/Plot No. 58-A & 59 A Part of Total Area 180 Sqft. Or 16.72 Sqmt. Situated At Mouja - Nazul Lease Block No. 139, Shop No. 02, Jabalpur Tehsil Jabalpur Dist - Jabalpur M.P है जो पूर्व में Mrs. Sangita Makhija W/o Mr. Indra Kumar Makhija & Neha Makhija D/o Mr. Indra Kumar Makhija & Rajesh Kumar Makhija के नाम पर दर्ज थी, जो अब Mrs. Sangita Makhija W/o Mr. Indra Kumar Makhija & Neha Makhija D/o Mr. Indra Kumar Makhija के नाम पर दर्शित हो रही है। सम्पत्ति की चतुर्थसीमा इस प्रकार है। East : Open Plot, West: Main Road, North: Shop No. 01 Pet Shop, South: Shop No. 03 Amit Medical उक्त सम्पत्ति नजूल की सम्पत्ति है यदि किसी व्यक्ति, शासकीय संस्था, अर्ध शासकीय संस्था, बैंक अथवा फाइनेंस कंपनी को किसी प्रकार की कोई दावा, आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस में मय लेखी प्रमाण के मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे अन्यथा अवधि उपरांत उक्त संपत्ति बंधक रख कर मेरे पक्षकार के द्वारा उस पर ऋण प्रदान कर दिया जावेगा और बाद मियाद कोई दावा आपत्ति मेरे पक्षकार के हितो पर बंधनकारी नहीं रहेगी।

दिनांक :-25/07/2026

VISHAL KANERE
ADVOCATE
Legal Park No. 76, Sai Aarya Township, Near By Collector Office, Harda (M.P.)
Mob. 9109344471, 8349795559

दोस्त या रिश्तेदार की मदद पड़ेगी भारी

लोन में गारंटर बनने के कई नुकसान

बिजनेस डेस्क

दोस्त, रिश्तेदार या करीबी व्यक्ति मुश्किल समय में आर्थिक मदद मांगता है तो मना करना आसान नहीं होता। कई बार व्यक्ति खुद लोन लेने की स्थिति में होता है, लेकिन बैंक की शर्तों के कारण उसे गारंटर की जरूरत पड़ती है। ऐसे में भावनात्मक रिश्ते के कारण लोग बिना पूरी जानकारी लिए लोन गारंटर बनने के लिए तैयार हो जाते हैं, लेकिन गारंटर बनना महज एक औपचारिकता नहीं है। इसका अर्थ है कि यदि मुख्य उधारकर्ता अपनी देनदारी पूरी नहीं करता, तो गारंटी की शर्तों के अनुसार बैंक आपसे भी बकाया रकम की वसूली कर सकता है। इसलिए किसी के लोन की गारंटी देने से पहले यह समझना जरूरी है कि इससे आपके क्रेडिट रिकॉर्ड, भविष्य में लोन लेने की क्षमता और व्यक्तिगत वित्त पर क्या असर पड़ सकता है।

गारंटर बनने का मतलब क्या

लोन में गारंटर वह व्यक्ति होता है जो बैंक या वित्तीय संस्थान को यह आश्वासन देता है कि यदि मुख्य उधारकर्ता अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं करता तो लागू गारंटी की शर्तों के अनुसार वह देनदारी पूरी करेगा। इसलिए किसी दस्तावेज पर सिर्फ इसलिए हस्ताक्षर नहीं करने चाहिए कि सामने वाला दोस्त या रिश्तेदार है। हस्ताक्षर करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस रकम, किस अवधि और किन शर्तों के लिए गारंटी दे रहे हैं।

गारंटर बनते ही क्रेडिट स्कोर घटता है

नहीं, केवल गारंटर बनने से अपने आप क्रेडिट स्कोर खराब होना जरूरी नहीं है। अगर मुख्य उधारकर्ता समय पर ईएमआई चुका रहा है और लोन खाते में कोई डिफॉल्ट नहीं हो रहा है, तो सामान्य तौर पर केवल गारंटर होने की वजह से आपके क्रेडिट रिकॉर्ड पर नकारात्मक असर नहीं पड़ता। लेकिन समस्या तब शुरू हो सकती है जब मुख्य उधारकर्ता ईएमआई चुकाने में लगातार चूक करता है। ऐसी स्थिति में लोन खाते से जुड़ी डिफॉल्ट जानकारी गारंटर के क्रेडिट प्रोफाइल को भी प्रभावित कर सकती है। लगातार भुगतान में चूक होने से भविष्य में आपकी क्रेडिट हिस्ट्री पर नकारात्मक असर पड़ने का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए गारंटर बनने के बाद भी लोन की स्थिति पर नजर रखना जरूरी है।

बड़ा खतरा : कर्ज चुकाने की जिम्मेदारी

गारंटर बनने का सबसे महत्वपूर्ण जोखिम आर्थिक है। यदि मुख्य उधारकर्ता लोन की किस्तें नहीं चुका पाता है तो बैंक या वित्तीय संस्थान गारंटी समझौते की शर्तों के अनुसार गारंटर से भी बकाया रकम की वसूली कर सकता है। यानी जिस लोन का पैसा आपने लिया ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी कुछ परिस्थितियों में आपके ऊपर भी आ सकती है। यही वजह है कि गारंटर बनने से पहले यह सवाल खुद से जरूर पूछें। अगर सामने वाला व्यक्ति कल से ईएमआई देना बंद कर दे तो क्या मैं इस लोन की जिम्मेदारी संभाल सकता हूं? अगर इसका जवाब 'नहीं' है तो केवल रिश्तेदारी या दोस्ती के दबाव में गारंटर बनना जोखिम भरा हो सकता है।

लोन लेने में आ सकती है दिक्कत

गारंटर बनने का असर केवल क्रेडिट स्कोर तक सीमित नहीं है। जब आप भविष्य में होम लोन, कार लोन या कोई अन्य बड़ा कर्ज लेने के लिए आवेदन करते हैं तो बैंक आपकी मौजूदा वित्तीय जिम्मेदारियों और क्रेडिट प्रोफाइल का आकलन कर सकता है। जिस लोन की आपने गारंटी दी है, वह आपकी वित्तीय प्रोफाइल के आकलन में महत्वपूर्ण हो सकता है। खासकर यदि उस लोन में भुगतान संबंधी समस्या चल रही हो तो आपके लिए नया कर्ज लेना कठिन हो सकता है या बैंक अतिरिक्त जांच कर सकता है।

रिश्तेदार है तो भी पहले जांच करें

गारंटर बनने से पहले केवल रिश्ते को आधार न बनाएं। यह जानना जरूरी है कि जिस व्यक्ति के लोन की गारंटी आप दे रहे हैं, उसकी आय कितनी है, उसकी मौजूदा ईएमआई कितनी है और उस पर पहले से कितना कर्ज है। यह भी देखें कि उसकी नौकरी या कारोबार कितना स्थिर है। यदि उसकी आय अनिश्चित है या पहले से कई कर्ज चल रहे हैं तो गारंटर बनने का जोखिम बढ़ सकता है।

दस्तावेज पढ़े बिना न करें हस्ताक्षर

गारंटी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले बैंक से स्पष्ट रूप से पूछें कि आपकी जिम्मेदारी की सीमा क्या है। क्या गारंटी केवल मूल रकम तक सीमित है या इसमें ब्याज, शुल्क और अन्य देनदारियां भी शामिल हो सकती हैं? यह जानकारी दस्तावेज की शर्तों से ही स्पष्ट होगी। इसलिए किसी बैंक कर्मचारी, एजेंट या परिचित के कहने मात्र पर दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करें। जरूरत हो तो स्वतंत्र वित्तीय या कानूनी सलाह भी ली जा सकती है।

ईएमआई की जानकारी लेते रहें

अगर आपने किसी के लोन की गारंटी दी है तो यह मानकर न चलें कि अब आपकी कोई भूमिका नहीं है। मुख्य उधारकर्ता से समय-समय पर ईएमआई भुगतान की स्थिति की जानकारी लेते रहें। किसी भुगतान में देरी की जानकारी मिले तो समस्या बढ़ने से पहले उधारकर्ता से बात करें। शुरुआती स्तर पर समस्या का समाधान करना लंबे समय तक चलने वाले डिफॉल्ट से बेहतर है।

दोस्ती और पैसा, दोनों को अलग रखें

किसी करीबी की मदद करना अच्छी बात है, लेकिन मदद का अर्थ अपनी आर्थिक सुरक्षा को जोखिम में डालना नहीं होना चाहिए। यदि आपको लगता है कि सामने वाला व्यक्ति लोन चुकाने की स्थिति में नहीं है तो गारंटर बनने के बजाय अपनी क्षमता के अनुसार सीमित आर्थिक सहायता करना ज्यादा सुरक्षित विकल्प हो सकता है।

फैसला लेने से पहले ये जरूर पूछें

- क्या मैं इस व्यक्ति की आय और मौजूदा कर्ज को समझता हूं?
- अगर वह ईएमआई नहीं चुका पाया तो क्या मैं संभावित वित्तीय जिम्मेदारी संभाल सकता हूं?
- क्या मैंने गारंटी दस्तावेज की सभी शर्तें पढ़ी हैं?
- क्या भविष्य में मुझे खुद होम, कार या किसी दूसरे बड़े लोन की जरूरत पड़ सकती है?

मदद करें, लेकिन जोखिम समझकर

लोन गारंटर बनना दोस्त या रिश्तेदार की मदद करने का एक तरीका हो सकता है, लेकिन इसमें वित्तीय जोखिम भी जुड़ा है। समय पर ईएमआई चलती रहने पर समस्या नहीं आती, लेकिन मुख्य उधारकर्ता के डिफॉल्ट की स्थिति में गारंटर की क्रेडिट प्रोफाइल और आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसलिए गारंटर बनने से पहले भावनात्मक रिश्ते से ज्यादा महत्वपूर्ण अपनी भुगतान क्षमता, दस्तावेज की शर्तें और भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझना है। किसी की मुश्किल में साथ देना अच्छी बात है, लेकिन ऐसी मदद न करें जो बाद में आपके ही परिवार की आर्थिक सुरक्षा को मुश्किल में डाल दे।

दस साल में चार लार्ज एंड मिड कैप फंड ने दिया शानदार रिटर्न

10 वर्ष में 4 लार्ज एंड मिड कैप फंड ने दिया शानदार रिटर्न, हर माह 10000 की एसआईपी से 12 लाख का निवेश 31 लाख से ज्यादा, चारों फंडों ने दिया 18 से 19% तक एक्सआईआरआर

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

लंबी अवधि में संपत्ति बनाने के लिए म्यूचुअल फंड की लार्ज एंड मिड कैप श्रेणी निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकती है। इस श्रेणी के फंड बड़ी और स्थापित कंपनियों के साथ मध्यम आकार की तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों में निवेश करते हैं। नियमों के अनुसार, ऐसे फंडों को कम से कम 35 प्रतिशत राशि लार्ज कैप और 35 प्रतिशत मिड कैप कंपनियों में लगानी होती है। इस तरह कम से कम 70 प्रतिशत पोर्टफोलियो देश की बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 250 कंपनियों में रहता है। 18 अगस्त 2026 को उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, चार लार्ज एंड मिड कैप फंड ऐसे रहे, जिनमें 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 31 लाख रुपये से ज्यादा हो गया। इनमें सबसे बेहतर प्रदर्शन इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड का रहा, जिसने 19.3 प्रतिशत का एक्सआईआरआर दिया।

इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड

इस सूची में इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड पहले स्थान पर है। अगस्त 2007 में शुरू हुआ यह फंड पहले इनवेस्को इंडिया ग्रोथ अपॉर्च्युनिटीज फंड के नाम से जाना जाता था। फंड शेयरों का चयन करने के लिए ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर, दोनों तरह की रणनीति का इस्तेमाल करता है। इसमें किसी एक सेक्टर या निवेश शैली पर अत्यधिक निर्भरता नहीं रखी जाती। इस फंड में 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर करीब 33.2 लाख रुपये हो गया। इस आधार पर इसका एक्सआईआरआर 19.3 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में इटरनल, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक और प्रेस्टिज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, करीब 38.1 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप, 35.9 प्रतिशत मिड कैप और 23.1 प्रतिशत स्मॉल कैप कंपनियों में था।

क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड

दूसरे स्थान पर क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। दिसंबर 2006 में शुरू हुआ यह फंड शेयरों के चयन में आंकड़ों पर आधारित रणनीति अपनाता है। फंड हाउस का वीएलआरटी ढांचा कंपनियों के मूल्यांकन, नकदी की उपलब्धता, जोखिम और निवेश के सही समय जैसे पहलुओं को ध्यान में रखता है। 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर कुल 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर करीब 31.3 लाख रुपये हो गया। इसका एक्सआईआरआर 18.3 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी, ऑरोबिंदो फार्मा, संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल, अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी ग्रीन एनर्जी शामिल रहे। पोर्टफोलियो में करीब 38.2 प्रतिशत लार्ज कैप, 33.1 प्रतिशत मिड कैप और 5.2 प्रतिशत स्मॉल कैप में निवेश था।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड

तीसरे स्थान पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। जुलाई 1998 में शुरू हुए इस फंड को 2018 में मौजूदा लार्ज एंड मिड कैप श्रेणी के अनुसार पुनर्गठित और नामित किया गया था। इसलिए 2018 से पहले के प्रदर्शन की मौजूदा रणनीति के साथ सीधे तुलना करना उचित नहीं होगा। 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर 12 लाख रुपये का निवेश बढ़कर करीब 31.1 लाख रुपये हो गया। इसका एक्सआईआरआर 18.1 प्रतिशत रहा। फंड का निवेश बड़ी स्थापित कंपनियों के साथ उभरती कंपनियों में भी है। यह अपेक्षाकृत मजबूत बुनियादी स्थिति वाली और उचित मूल्यांकन वाली कंपनियों पर ध्यान देता है। इसके प्रमुख निवेशों में एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज, इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फिनसर्व, सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसिजन फोर्जिंग्स और इंडसइंड बैंक शामिल रहे।

बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड

चौथे स्थान पर बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। अगस्त 2005 में शुरू हुआ यह फंड पहले बंधन कोर इक्विटी फंड और उससे पहले आईडीएफसी कोर इक्विटी फंड के नाम से जाना जाता था। इसका उद्देश्य अच्छी तरह संचालित और टिकाऊ कारोबार वाली ऐसी कंपनियों में निवेश करना है, जिनके शेयर उचित मूल्यांकन पर उपलब्ध हों। इसमें 10 साल तक हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करने पर 12 लाख रुपये का कुल निवेश बढ़कर करीब 31.1 लाख रुपये हो गया। इसका एक्सआईआरआर 18.1 प्रतिशत रहा। फंड के प्रमुख निवेशों में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, वन97 कम्युनिकेशंस और इंफोसिस शामिल रहे। पोर्टफोलियो में करीब 39.4 प्रतिशत लार्ज कैप, 36.2 प्रतिशत मिड कैप और 18.6 प्रतिशत स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश था।

सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश न करें

इन फंडों के 10 साल के आंकड़े आकर्षक जरूर हैं, लेकिन केवल पिछले प्रदर्शन के आधार पर निवेश का फैसला करना उचित नहीं है। लार्ज एंड मिड कैप फंड में मिड कैप कंपनियों का पर्याप्त हिस्सा होता है। इसलिए शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आने पर इन फंडों में भी तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। निवेशकों को फंड का प्रदर्शन अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में देखना चाहिए। यह देखना जरूरी है कि फंड ने अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी के दूसरे फंडों की तुलना में कितनी निरंतरता दिखाई है। इसके अलावा फंड की निवेश रणनीति, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, जोखिम और खर्च जैसे पहलुओं को भी समझना चाहिए।

निवेश के ये फॉर्मूले, अपनाएं कभी नहीं रहेगा पैसे का संकट

जानकारी

बिजनेस डेस्क

रूल ऑफ 72, 114 और 144 कंपाउंडिंग को समझने के आसान तरीके हैं, जबकि 50-30-20, 100 माइनस एज और 10 फीसदी निवेश जैसे नियम व्यक्तिगत वित्त को व्यवस्थित करने में मदद कर सकते हैं। लेकिन किसी भी नियम को अंतिम निवेश सलाह नहीं माना जाना चाहिए। सही रणनीति बनाने के लिए निवेशक को अपनी आय, उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य, कर्ज और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए। सबसे जरूरी बात यह है कि पहले इमरजेंसी फंड और पर्याप्त बीमा जैसी वित्तीय सुरक्षा तैयार करें, फिर लक्ष्य के मुताबिक नियमित और अनुशासित निवेश करें। निवेश में जल्द अमीर बनने के बजाय लंबे समय तक टिके रहना ज्यादा महत्वपूर्ण है।

पैसे को दोगुना से चार गुना तक आसानी से कर सकेंगे

●

इमरजेंसी फंड व इक्विटी डेट का संतुलन बनाएंगे

निवेश की दुनिया में विकल्पों की कोई कमी नहीं है। बैंक एफडी, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, इक्विटी, डेट और सोने जैसे कई माध्यमों में पैसा लगाया जा सकता है। लेकिन निवेश में सफलता केवल इस बात पर निर्भर नहीं करती कि पैसा कहां लगाया गया है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि कितनी राशि निवेश की जा रही है, कितने समय के लिए निवेश किया जा रहा है और जोखिम को किस तरह नियंत्रित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से वित्तीय योजना में कुछ आसान नियमों का इस्तेमाल किया जाता है। इन नियमों की मदद से निवेशक मोटे तौर पर यह समझ सकता है कि उसका पैसा कितने समय में दोगुना या चार गुना हो सकता है, आय का कितना हिस्सा खर्च और बचत में जाना चाहिए तथा इमरजेंसी के लिए कितनी रकम अलग रखनी जरूरी है। हालांकि ये नियम अनुमान देने वाले सामान्य वित्तीय फॉर्मूले हैं, इन्हें निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं माना जाना चाहिए।

1. रूल ऑफ 72

रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल यह अनुमान लगाने के लिए किया जाता है कि किसी निवेश को दोगुना होने में लगभग कितना समय लग सकता है। इसके लिए 72 को अनुमानित सालाना रिटर्न से भाग दिया जाता है।

फॉर्मूला: 72 ÷ अनुमानित रिटर्न = पैसा दोगुना होने का अनुमानित समय

उदाहरण के लिए, अगर किसी निवेश से सालाना 12 फीसदी रिटर्न मिलने की उम्मीद है तो 72÷12 = 6। यानी अनुमान के तौर पर पैसा करीब छह साल में दोगुना हो सकता है। इसी तरह चार साल में पैसा दोगुना करने के लिए करीब 18 फीसदी सालाना रिटर्न की जरूरत होगी। बाजार आधारित निवेश में वास्तविक रिटर्न अलग हो सकता है।

2. रूल ऑफ 114

अगर आप यह जानना चाहते हैं कि आपका निवेश लगभग कितने समय में तीन गुना हो सकता है तो रूल ऑफ 114 इस्तेमाल किया जाता है।

फॉर्मूला: 114 ÷ अनुमानित सालाना रिटर्न

12 फीसदी अनुमानित सालाना रिटर्न के मामले में 114÷12 = 9.5 साल। यानी इस फॉर्मूले के अनुसार निवेश को तीन गुना होने में करीब साढ़े नौ साल लग सकते हैं।

3. रूल ऑफ 144

रूल ऑफ 144 से यह अनुमान लगाया जाता है कि निवेश कितने समय में चार गुना हो सकता है।

फॉर्मूला: 144 ÷ अनुमानित सालाना रिटर्न

अगर अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना है तो 144÷12 = 12 साल। यानी इस गणना के अनुसार पैसा करीब 12 साल में चार गुना हो सकता है। कंपाउंडिंग का असर लंबी अवधि में निवेश की वृद्धि को काफी प्रभावित करता है।

4. 50-30-20 रूल

मासिक बजट को व्यवस्थित रखने के लिए 50-30-20 नियम काफी लोकप्रिय है। इसके अनुसार आय का करीब 50 फीसदी हिस्सा जरूरी खर्चों, 30 फीसदी गैर-जरूरी जरूरतों या इच्छाओं और 20 फीसदी बचत एवं निवेश के लिए रखा जा सकता है।

हालांकि हर व्यक्ति की आय, पारिवारिक जिम्मेदारियां और खर्च अलग होते हैं। इसलिए इसे एक शुरुआती बजटिंग फ्रेमवर्क की तरह इस्तेमाल करना बेहतर है। जिन लोगों पर कर्ज का बोझ अधिक है, वे निवेश से पहले महंगे कर्ज को कम करने पर भी ध्यान दे सकते हैं।

5. 100 माइनस एज रूल

निवेश पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट का अनुपात तय करने के लिए 100 माइनस एज नियम का इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें निवेशक की उम्र को 100 से घटाया जाता है। बची हुई संख्या को इक्विटी में निवेश का संभावित प्रतिशत माना जाता है। मसलन, 30 साल के निवेशक के लिए 100-30 यानी 70 फीसदी इक्विटी और 30 फीसदी डेट का अनुपात माना जा सकता है। उम्र बढ़ने के साथ इक्विटी का हिस्सा कम करने का विचार जोखिम को नियंत्रित करने से जुड़ा है।

6. न्यू. 10% निवेश नियम

इस नियम के अनुसार आय का कम से कम 10 फीसदी हिस्सा लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए निवेश किया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात नियमित निवेश है। आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाते रहना चाहिए। मसलन, अगर किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है तो शुरुआत में कम से कम 5 हजार रुपये लंबी अवधि के निवेश के लिए अलग रखे जा सकते हैं। भविष्य में वेतन बढ़ने पर निवेश राशि बढ़ाने से कंपाउंडिंग का लाभ और मजबूत हो सकता है।

7. इमरजेंसी फंड रूल

सारी बचत को निवेश कर देना समझदारी नहीं है। अचानक नौकरी जाने, बीमारी, घर की मरम्मत या किसी अन्य आपात स्थिति में तुरंत उपलब्ध पैसे की जरूरत पड़ सकती है। इसलिए कम से कम छह महीने के जरूरी खर्चों के बराबर इमरजेंसी फंड बनाने की सलाह दी जाती है। अगर किसी परिवार का जरूरी मासिक खर्च 40 हजार रुपये है तो छह महीने के हिसाब से करीब 2.4 लाख रुपये का आपातकालीन फंड लक्ष्य बनाया जा सकता है। इस रकम को ऐसे माध्यम में रखना बेहतर होता है जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो।

पैसा सुरक्षित दिखने के बावजूद कम रिटर्न देने वाला निवेश कर सकता है नुकसान

पोर्टफोलियो में पड़ा 'डेड मनी' कहीं आपकी कमाई तो नहीं रोक रहा?

पहचानें और समय रहते लें फैसला इससे परेशानी से बचा जा सकेगा

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

निवेश करते समय ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान देते हैं कि उनका पैसा डूब तो नहीं रहा। लेकिन केवल मूल रकम सुरक्षित रहना ही अच्छे निवेश की निशानी नहीं है। अगर आपका पैसा लंबे समय तक ऐसे निवेश में फंसा हुआ है, जो मामूली या लगभग शून्य रिटर्न दे रहा है, तो वह देखने में सुरक्षित होने के बावजूद आपकी संपत्ति बढ़ाने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। निवेश की दुनिया में ऐसे निवेश को आमतौर पर 'डेड मनी' कहा जाता है। 'डेड मनी' का मतलब किसी ऐसे निवेश से है, जिसमें पैसा लगा हुआ है, लेकिन लंबे समय से उस पर अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही। जरूरी नहीं कि ऐसे निवेश में निगेटिव रिटर्न ही मिल रहा हो। कई बार निवेश का मूल्य थोड़ा बढ़ता है, लेकिन महंगाई और दूसरे समान निवेशों के मुकाबले उसका प्रदर्शन इतना कमजोर होता है कि पैसा प्रभावी रूप से निष्क्रिय पड़ा रहता है।

कैसे पहचानें डेड मनी?

हर कमजोर प्रदर्शन करने वाले फंड को तुरंत बेच देना सही रणनीति नहीं है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग कैटेगरी का प्रदर्शन बदलता रहता है। इसलिए किसी निवेश को डेड मनी मानने से पहले कुछ महत्वपूर्ण संकेतों को देखना चाहिए। पहला संकेत है लंबी अवधि तक कमजोर प्रदर्शन। अगर कोई फंड लगातार कई तिमाहियों तक कमजोर बना हुआ है और उसके प्रदर्शन में सुधार के संकेत नहीं मिल रहे हैं, तो इसकी समीक्षा जरूरी है। केवल एक-दो खराब तिमाही के आधार पर फैसला नहीं लेना चाहिए। दूसरा संकेत है समान कैटेगरी के फंडों से लगातार पिछड़ना। अगर आपके फंड की कैटेगरी के दूसरे फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और आपका फंड लंबे समय तक पीछे बना हुआ है, तो यह चिंता का कारण हो सकता है। तीसरा संकेत है निवेश रणनीति में बदलाव। अगर फंड की रणनीति, फंड मैनेजर, पोर्टफोलियो या जोखिम प्रोफाइल में बड़ा बदलाव हुआ है तो यह देखना जरूरी है कि मौजूदा निवेश अभी भी आपके लक्ष्य के अनुकूल है या नहीं।

4 से 8 क्वार्टर का संकेत क्यों महत्वपूर्ण

एक्सपर्ट के मुताबिक करीब 4 से 8 क्वार्टर, यानी लगभग एक से दो साल तक लगातार कमजोर प्रदर्शन करने वाले निवेश की गंभीर समीक्षा की जानी चाहिए। खासकर तब, जब इसी अवधि में समान कैटेगरी के दूसरे फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हों। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि आठ क्वार्टर पूरे होते ही फंड बेच देना चाहिए। निवेशक को फंड के बेंचमार्क, कैटेगरी के औसत प्रदर्शन, जोखिम, पोर्टफोलियो में बदलाव और अपने निवेश लक्ष्य को भी देखना चाहिए।

सिर्फ रिटर्न देखकर न बेचें निवेश

कम रिटर्न दिखते ही निवेश से बाहर निकलना भी नुकसानदायक हो सकता है। किसी इक्विटी फंड का प्रदर्शन बाजार के चक्र के कारण कुछ समय कमजोर रह सकता है। इसलिए फैसला लेते समय यह समझना जरूरी है कि कमजोरी अस्थायी है या फंड की रणनीति और प्रदर्शन में वास्तविक समस्या है। साथ ही, निवेश बेचने पर टैक्स और एग्जिट लोड जैसे पहलुओं को भी ध्यान में रखना चाहिए। नए निवेश विकल्प का चयन भी केवल पिछले रिटर्न के आधार पर नहीं होना चाहिए।

पोर्टफोलियो की समय समय पर करें समीक्षा

'डेड मनी' से बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि पोर्टफोलियो को लंबे समय तक बिना देखे न छोड़ें। साल में कम से कम एक या दो बार निवेश की समीक्षा की जा सकती है। इसमें यह देखना चाहिए कि कौन सा निवेश लक्ष्य के मुताबिक प्रदर्शन कर रहा है, कौन लगातार पिछड़ रहा है और क्या पोर्टफोलियो में जोखिम का संतुलन बना हुआ है। निवेश का उद्देश्य सिर्फ पैसा सुरक्षित रखना नहीं, बल्कि उसे अपने वित्तीय लक्ष्यों के मुताबिक बढ़ाना भी है। इसलिए किसी निवेश में पैसा सिर्फ इस वजह से नहीं पड़ा रहना चाहिए कि उसमें नुकसान दिखाई नहीं दे रहा। अगर पैसा लगातार अपेक्षा से कम बढ़ रहा है, तो उसकी अवसर लागत भी वास्तविक नुकसान है। इसलिए पोर्टफोलियो में मौजूद हर निवेश से समय-समय पर यह सवाल पूछना जरूरी है। क्या यह पैसा मेरे लिए काम कर रहा है या सिर्फ पड़ा हुआ है? यही सवाल आपको 'डेड मनी' पहचानने और बेहतर वित्तीय फैसले लेने में मदद कर सकता है।

मूल पैसा सुरक्षित फिर भी नुकसान

मान लीजिए आपके पास एक लाख रुपये हैं और आपने उन्हें ऐसे फंड में लगा रखा है, जो लंबे समय तक बहुत कम रिटर्न दे रहा है। एक-दो साल बाद भी अगर आपकी रकम लगभग उतनी ही है, तो पहली नजर में लग सकता है कि आपको कोई नुकसान नहीं हुआ। लेकिन इसी अवधि में बाजार के दूसरे समान फंडों ने बेहतर प्रदर्शन किया हो तो आपका पैसा वहां ज्यादा बढ़ सकता था। यहीं 'अपॉर्चुनिटी कॉस्ट' सामने आती है। यानी जिस निवेश में आपका पैसा अटका रहा, उसकी वजह से आप बेहतर रिटर्न वाले दूसरे अवसर का फायदा नहीं उठा पाए। इसलिए निवेश में केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि पैसा घटा या बढ़ा, बल्कि यह भी देखना जरूरी है कि वह आपके लक्ष्य के मुताबिक पर्याप्त गति से बढ़ रहा है या नहीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की ऐतिहासिक प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया। अब सवाल उठाए जा रहे हैं कि पीएम किन लोगों को 'दिमागी नक्सल' के नाम से पुकारना चाहते हैं और क्या सच में देश की शांति को इनसे किसी किस्म का खतरा है? क्या मोदी सरकार इस शब्द के माध्यम से अपनी आलोचना करने वाले लोगों पर शिकंजा कसना चाहती है और अभिव्यक्ति की आजादी छीनना चाहती है? जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाक़ई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज़ को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अब हर शब्द के लिए बुना जाता है जाल

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। आज जब सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं।

नक्सलवाद क्या था? नक्सलबाड़ी कहां थी? इस 'शब्द' की शुरुआत कहां से हुई? ये चारू मजूमदार, कानू सन्याल आदि कौन थे, इन प्रश्नों के उत्तर शायद उनके पास भी नहीं, जो आज प्रधानमंत्री के स्वाधीनता-दिवस सम्बोधन को लेकर लम्बे-चौड़े बयान दागने में व्यस्त हैं। अब कुछ लोगों को स्वयं को 'दिमागी नक्सल' कहलाने में भी गर्व हो रहा है। हमारे देश में अब किन्हीं भी शब्दों को लेकर बहस-मुबाहसा एक 'राष्ट्रीय हॉबी' बन चला है। भारत के स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाबलों के जवानों ने इस हिंसक वामपंथी उग्रवाद की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है। आज, जब सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, लगातार चलाए गए अभियानों और विकास की पहुंच के कारण वह हिंसक और सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम प्रहर की ओर बढ़ रहा है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य उसी नए खतरे के प्रति देश को आगाह करने का एक प्रयास था, जो बंदूकों से नहीं बल्कि संवाद, विचारों, लेखनी और विमर्श के माध्यम से हमारे समाज के ताने-बाने को भीतर से भेदने का प्रयास कर रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर सत्ता के शीर्ष पर बैठे प्रधानमंत्री किन लोगों को 'दिमागी नक्सल' के नाम से पुकारना चाहते हैं और इनका वास्तविक स्वरूप क्या है।

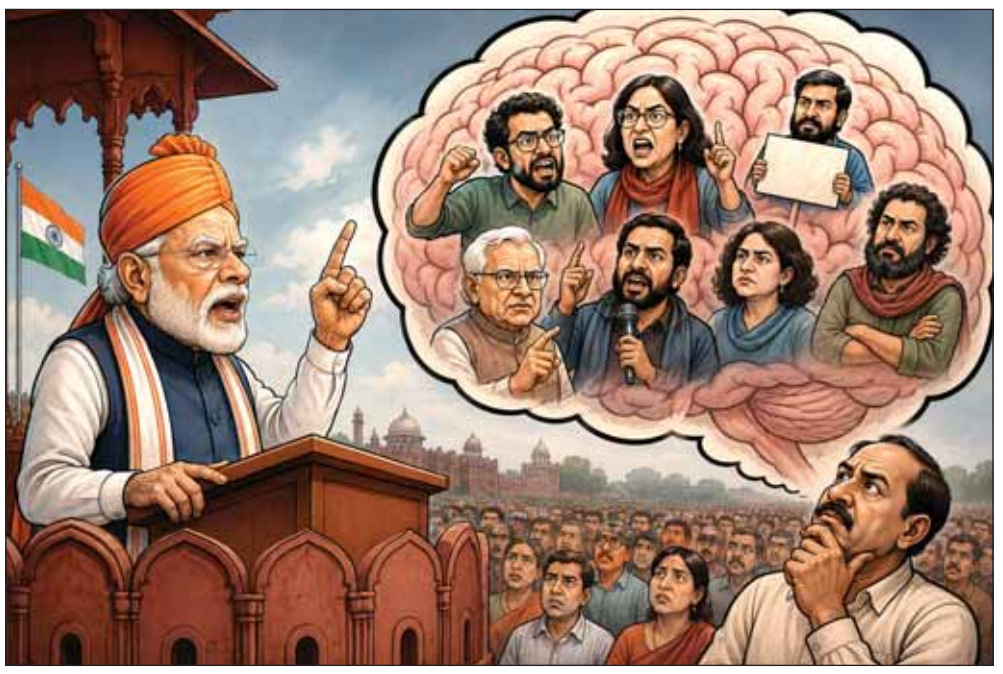

नकारात्मक 'नैरेटिव'

'दिमागी नक्सल' को यदि इसके गहरे अर्थों में समझा जाए तो यह शब्द, जिन्हें अक्सर वैचारिक नक्सली या 'अर्बन नक्सल' भी कहा जाता है, वे लोग हैं जो कभी प्रत्यक्ष रूप से हाथों में हथियार नहीं उठाते। ये लोग जंगलों में छिपकर पुलिस से मुठभेड़ नहीं करते बल्कि ये हमारे समाज के सबसे सुरक्षित और प्रतिष्ठित हिस्सों में रहते हैं। ये अक्सर समाज के प्रबुद्ध वर्गों- जैसे विश्वविद्यालयों के परिसरों, मानवाधिकार संगठनों, साहित्य, कला और मीडिया के क्षेत्रों-में एक सम्मानित चोले के भीतर छिपे हो सकते हैं। इनका मुख्य हथियार इनकी लेखनी, इनका प्रभावशाली भाषण, इनका अकादमिक शोध और संवाद की वह आकर्षक शैली है, जिसके जरिए ये बहुत ही चतुराई से स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ एक निरंतर नकारात्मक 'नैरेटिव' या विमर्श तैयार करते हैं। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के दृष्टिकोण से देखें तो इन दिमागी नक्सलियों का मुख्य लक्ष्य देश की युवा पीढ़ी, विशेषकर छात्रों के भावुक मस्तिष्कों को अपना निशाना बनाना है जो दुनिया को बदलने का आदर्शवादी सपना देखते हैं। ये वैचारिक तत्व समाज की वास्तविक समस्याओं को सुलझाने के बजाय युवाओं के भीतर अपने ही देश, संस्कृति और अपनी ही लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति नफरत, आक्रोश और गहरे अविश्वास के बीज बोते हैं।

न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण जरूरी

एक स्वस्थ, परिपक्व और विकासशील लोकतंत्र में सरकार से कड़े सवाल पूछना, उसकी जनविरोधी नीतियों की तीखी आलोचना करना और कमजोर तथा शोषित वर्गों के अधिकारों के लिए सड़क पर उतरकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराना कोई अपराध नहीं है बल्कि यह एक जागरूक नागरिक का परम कर्तव्य है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए खड़े होने वाले हर व्यक्ति या विश्वविद्यालयों में बौद्धिक बहस करने वाले हर छात्र को संदेह की दृष्टि से देखना और उसे नक्सलवाद का चोला पहना देना स्वयं लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हो सकता है। यदि असहमति को राष्ट्रद्रोह मान लिया गया तो समाज की सोचने-समझने की शक्ति क्षीण हो जाएगी और एक डर का माहौल पैदा होगा, जो अंततः देश के मानसिक और बौद्धिक विकास को ही पूरी तरह से अवरुद्ध कर देगा। इस पूरे विमर्श को एक बेहद संतुलित, तार्किक और मानवीय नजरिए से देखने की आवश्यकता है। हमें उन विघटनकारी ताकतों, छद्म विचारकों और विदेशी इशारों पर काम करने वाले उन तत्वों को पहचानकर कानून के दायरे में रोकना नितांत आवश्यक है जो हमारे युवाओं के भविष्य और देश की शांति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। हमें एक ऐसी न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण करना होगा, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर किसी निर्दोष या सवाल पूछने वाले नागरिक का उत्पीड़न न हो और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कोई भी हमारे राष्ट्र की शांति को आग न लगा सके। यही वह संतुलन है जो भारत को भविष्य में एक सशक्त, सुरक्षित और सही अर्थों में एक विचारशील राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करेगा।

प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक खतरनाक

अब हम उस सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील सवाल पर आते हैं कि क्या सचमुच में देश की शांति, सुरक्षा और अखंडता को इन लोगों से किसी किस्म का कोई गंभीर खतरा है? इस प्रश्न को लेकर समाज में दो अलग-अलग और बेहद स्पष्ट दृष्टिकोण मौजूद हैं, जिन्हें समझे बिना इस विषय का पूरा सच नहीं जाना जा सकता। यदि हम राष्ट्रीय सुरक्षा और सरकार के नजरिए से इस खतरे का मूल्यांकन करें तो यह खतरा न केवल वास्तविक है, बल्कि किसी भी हथियारबंद विद्रोह से कहीं अधिक विनाशकारी है। किसी भी महान राष्ट्र की नींव केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं या सेना की ताकत पर नहीं टिकी होती बल्कि वह नींव उसके नागरिकों के आपसी प्रेम, सामंजस्य और अपनी न्याय व्यवस्था पर उनके अटूट विश्वास में निहित होती है। यदि कोई ऐसा संगठित और वैचारिक समूह निरंतर देश के विकास, उसकी सांस्कृतिक विरासत और उसकी लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ काम करता है तो वह बिना एक भी गोली चला, देश को भीतर से पूरी तरह खोखला कर सकता है। हमारे समाज में जाति, धर्म और भाषा की जो प्राकृतिक विविधताएं हैं, ये तत्व उन्हें खाई में बदलने का प्रयास करते हैं। युवाओं को गुमराह करके उन्हें अलगाववाद या अराजकता के अंधे कुएं में धकेलना किसी भी प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक खतरनाक साबित हो सकता है।

सरकार की नीतियों से असहमति

यह एक धीमा जहर है जो समाज की नसों में इस तरह घोला जाता है कि बीमार होने वाले को अपनी बीमारी का अहसास तक नहीं होता। जब विदेशी मंचों पर देश की छवि को जानबूझकर धूमिल किया जाता है, जब विकास की हर परियोजना को पर्यावरण या अधिकारों के नाम पर रोकने की साजिश रची जाती है, तो निश्चित रूप से यह देश की शांति और आर्थिक सुरक्षा के लिए एक बहुत बड़ा और गंभीर खतरा बन जाता है। हालांकि, इस विमर्श का एक दूसरा और उतना ही महत्वपूर्ण तथा मानवीय पहलू भी है जो सीधे तौर पर हमारे जीवंत लोकतंत्र की सेहत और आम नागरिकों की स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। आलोचकों, स्वतंत्र विचारकों, पत्रकारों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं की यह एक बहुत ही गहरी और वाजिब चिंता है कि 'दिमागी नक्सल' या 'अर्बन नक्सल' जैसे शब्दों की हमारे संविधान या दंड संहिता में कोई स्पष्ट कानूनी या अकादमिक परिभाषा मौजूद नहीं है। जब किसी अपराध या गतिविधि की कोई स्पष्ट सीमा रेखा नहीं होती तो इस बात का डर हमेशा और बहुत मजबूती से बना रहता है कि कहीं इस भारी-भरकम शब्द का इस्तेमाल सत्ता द्वारा उन तमाम लोकतांत्रिक आवाजों को डराने, धमकाने या कुचलने के लिए न किया जाए, जो केवल व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं या सरकार की नीतियों से तार्किक रूप से असहमत हैं।

चुनी हुई सरकार से सवाल करना नागरिक का अधिकार

बहस

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच सत्ता प्राप्ति की चाहत में निरंतर एक संघर्ष और विमर्श चलता रहता है और चलता भी रहना चाहिए। इसी से लोकतंत्र की सेहत दुरुस्त रहती है क्योंकि इसी संघर्ष से चुनावी वादे और नैरेटिव का जन्म होता है। लोकतंत्र में अगर विपक्ष निष्क्रिय हो जाएगा तो सत्ता को राजशाही में बदलने से कोई नहीं रोक सकता। इधर सत्ता में बैठी हुई पार्टी भी अपनी सत्ता को बनाए रखने की कोशिश में नारे और नैरेटिव का खेल खेलती है। इसी नैरेटिव को गढ़ने की कोशिश में नए शब्द गढ़े जाते हैं। शब्दों की इसी शृंखला में कई वर्ष पहले 'अर्बन नक्सल' एक शब्द आया था। अब इसी अर्बन नक्सल को और थोड़ा परिष्कृत करके प्रधानमंत्री के द्वारा लाल किले की प्राचीर से एक नया शब्द 'दिमागी नक्सल' का प्रयोग हुआ। शब्द के प्रयोग के बाद उसकी व्याख्या शुरू हुई, वाद-विवाद हुए, अर्थ-अनर्थ निकाले गए। इस तरह एक शब्द को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई।

विपक्ष के लोगों ने 'दिमागी नक्सल' शब्द को अपनी परिभाषा दी है, जो भी सत्ता से सवाल पूछेगा उसको 'दिमागी नक्सल' बोला जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था मत देने वाले हर व्यक्ति को यह अधिकार देती है कि वह अपनी चुनी हुई सरकार से सवाल करे। इन सवालों की प्रासंगिकता उस वक्त और बढ़ जाती है जब व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर परेशानियां निरंतर बढ़ने लगती हैं और उनके समाधान नहीं ढूंढे जाते हैं। देश में पिछले कई वर्षों से पेपर लीक एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। पेपर लीक के इन मामलों में कई रसूखदार लोग भी पकड़े गए, लेकिन समस्या खत्म होने के बजाए और बढ़ती गई। आखिर देश की युवा पीढ़ी का गुस्सा आग बनकर सड़कों पर उतरा जिसने हिंसा का रूप ले लिया। कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए जो नहीं होने चाहिए थे। सरकार में शीर्ष पदों पर बैठे हुए लोगों के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग हुआ जो नहीं होना चाहिए था। इसी संदर्भ में सत्ता और विपक्ष दोनों तरफ से कुछ नए नैरेटिव गढ़े गए और नए शब्दों का भी प्रयोग हुआ, इसलिए सवाल भी दोनों तरफ उठते हैं। क्या सत्ता से सवाल पूछना अपराध है या सरकार के किसी कृत्य का विरोध करना गुनाह है या सवाल पूछने वालों को प्रभावहीन बताकर उनकी उपेक्षा करना उचित है। बहुत आवश्यक है कि लोकतंत्र में सागर की तरह हलचल होती रहनी चाहिए। दूसरी तरफ विपक्ष का भी यह धर्म है कि वह अपनी बंदूक समाज के किसी ऐसे वर्ग के कन्धों पर ना रखे, जो मासूम हो। जंतर-मंतर पर होने वाले छात्र आंदोलन के माध्यम से जो कुछ हुआ, वह विरोध कम संघर्ष अधिक था। शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए जिस तरह के अपशब्दों का प्रयोग किया गया, वह किसी भी सभ्य समाज में जायज नहीं ठहराया जा सकता। शायद इसी को काउंटर करने के लिए प्रधानमंत्री को 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग करना पड़ा। 'अर्बन नक्सल' से दिमागी नक्सल तक की ये शाब्दिक यात्रा अनायास नहीं है। इसके पीछे भी बहुत सारे तर्क हैं। केवल जंतर-मंतर के आंदोलन से इसे जोड़ना ठीक नहीं होगा। भारत के बड़े भूभाग जिसमें बंगाल, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र तक नक्सलवाद का प्रभाव रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ तो नक्सलवाद के केंद्र के रूप में उभरा है। लेकिन गृह मंत्रालय और भारतीय सशस्त्र बलों के अथक प्रयास के पश्चात देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो चुका है। अब सरकार को चिंता इस बात की है कि इसी विचारधारा के शहरों में बैठे लोग कहीं फिर से युवाओं के मन में इस विचार का बीजारोपण न कर दें। इसी को लेकर सरकार की चिंताएं बहुत हद तक वाजिब भी हैं। यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के ख़िलाफ़ आगाह किया जा सके। सरकारों के प्रति या उसकी नीतियों के प्रति लोगों का गुस्सा जायज हो सकता है, लेकिन एक सभ्य लोकतंत्र में विरोध के नाम पर किसी को भी हथियार उठाने या गाली देने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। अगर विरोध के नाम पर ये सब होता है तो निश्चित रूप से यह चिंता का विषय है। सत्ता और समाज के बीच जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो समाज के चौथे पिलर 'न्याय पालिका' की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। अपने हक़ के लिए संघर्ष करते लोगों पर किया जाने वाला बल प्रयोग अगर अनुचित है तो व्यवथा कायम करने वाले सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर चलाना, उन्हें गाली देना भी पूर्णतया बहिष्कार करने योग्य है। जब दोनों पक्ष अपने को सही ठहराने लगें तो न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इस पूरी बहस का निष्कर्ष यही है कि सरकार को समझना चाहिए कि सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं होता और विपक्ष को भी यह समझना चाहिए कि सरकार और देश के विरोध में खिंची हुई लक्ष्मण रेखा कभी अदृश्य न हो, न ही धुंधली पड़े। सरकारें आती हैं और चली जाती हैं, देश हमेशा रहता है। कोई सत्ता में हो या विपक्ष में देश का कानून और देश का सम्मान सर्वोपरि है। उसे किसी भी प्रकार की ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। सत्ता के लालच में कोई व्यक्ति या पार्टी अगर गलत कदम लेता है तो वह स्वीकार्य नहीं है। साथ ही सरकार को भी अपनी मर्यादा में समझनी चाहिए।

यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा, ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के ख़िलाफ़ आगाह किया जा सके।

नक्सल-मुक्त भारत व दिमागी नक्सल का दंभ

मंथन

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारत के राजनीतिक और आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में 'दिमागी नक्सल' शब्दावली को लेकर एक तीव्र वैचारिक एवं राजनीतिक बहस छिड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वक्तव्य के बाद पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की टिप्पणियों ने इस विषय को राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया है। स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत सरकार ने जंगलों से हिंसक और हथियारबंद नक्सलवाद का लगभग पूरी तरह खात्मा कर दिया है।

हालांकि उन्होंने आगाह किया कि देश को अब 'दिमागी नक्सलियों' से सतर्क रहने की जरूरत है जो शहरी और शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से समाज में अराजकता और वैचारिक हिंसा फैलाने की फिराक में रहते हैं। इसके जवाब में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर पलटवार करते हुए लिखा, "मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है।" वहीं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि यदि सरकार से सवाल पूछना, जनहित के मुद्दे उठाना और देशभक्ति के साथ व्यवस्था का विरोध करना दिमागी नक्सलवाद है तो वे भी 'दिमागी नक्सली' हैं और उन्हें इस पर गर्व है। बीजेपी और सुरक्षा विशेषज्ञों का तर्क है कि जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। बीजेपी ने पी. चिदंबरम के बयान पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान की याद दिलाई जिसमें उन्होंने नक्सलवाद को 'देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा' बताया था। बीजेपी का तर्क है कि एक पूर्व गृह मंत्री का स्वयं को नक्सलवाद के किसी भी रूप से जोड़ना राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है। दूसरी ओर अरविंद केजरीवाल अराजकता का समर्थन पहली बार नहीं कर रहे हैं। 20 जनवरी 2014 को जब वे पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने ही थे तब उन्होंने रेल भवन के बाहर धरना-प्रदर्शन करते हुए बयान दिया था कि मैं अराजक हूं। भारतीय राजनीति के इतिहास में यह पहली बार था जब किसी राज्य के पदस्थ मुख्यमंत्री ने खुद को सार्वजनिक रूप से 'अराजक' स्वीकार करते हुए सड़क पर 30 घंटों तक धरना दिया था। हालांकि विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों का मानना है कि 'अर्बन नक्सल' या 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्दों का प्रयोग सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और असहमति जताने वाले बुद्धिजीवियों को चुप कराने और उन्हें बदनाम करने के लिए करती है। उनका दावा है कि उनका विरोध जनहित, संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। भारत में वामपंथी उग्रवाद यानी लाल आतंक का इतिहास आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों में सबसे जटिल रहा है।

हालांकि बीते एक दशक में भारत सरकार की त्रिस्तरीय नीति- सुरक्षा, विकास और समावेशन ने नक्सलवाद के प्रभाव को ऐतिहासिक रूप से न्यूनतम स्तर पर ला खड़ा किया है। सशस्त्र नक्सलवाद के अलावा, वैचारिक एवं प्रशासनिक गलियारों में 'अर्बन नक्सलवाद' या 'दिमागी नक्सलवाद' की शब्दावली पर अकसर बहस होती रहती है। सुरक्षा विश्लेषकों का मानना है कि बंदूकों से लड़ा जाने वाला नक्सलवाद केवल एक पहलू है, जबकि जंगलों के बाहर मुख्यधारा के शहरों, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों में नक्सलियों को वैचारिक एवं कानूनी सहायता प्रदान करने वाला 'अर्बन नेटवर्क' तंत्र सपोर्ट करता है। पी. चिदंबरम और अरविंद केजरीवाल जैसे राजनेताओं पर आलोचकों द्वारा नक्सल-सहानुभूति या प्रशासनिक उदासीनता के आरोप लगाए जाते रहे हैं, जबकि दोनों नेताओं और उनके समर्थकों का यह तर्क रहा है कि वे नागरिक अधिकारों, आदिवासी हितों और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की बात करते हैं। ज़मीनी आंकड़ों और सुरक्षाबलों की कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि रणनीतिक घेराबंदी, बेहतर बुनियादी ढांचे और सख्त सुरक्षा नीति के कारण भारत में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों का मानना है कि 'अर्बन नक्सल' या 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्दों का प्रयोग सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और असहमति जताने वाले बुद्धिजीवियों को चुप कराने और उन्हें बदनाम करने के लिए करती है।

संवाद की खिड़की को खुला रखे सरकार

जेन-जी

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें सोचने की और सवाल पूछने की आज़ादी होती है। लेकिन क्या हो जब ये सवाल सत्ता के कानों में चुभने लगें? क्या हो जब एक पूरी नई पीढ़ी, जिसे हम 'जेन-ज़ी' कहते हैं, पुरानी व्यवस्था से ऐसे सवाल पूछने लगे जिनके जवाब फाइलों और भाषणों में नहीं मिलते? आज के समय में ऐसे ही सवाल पूछने वाले युवाओं, विचारकों और आम नागरिकों को एक नया नाम दे दिया गया है, जिसे 'दिमागी नक्सल' कहा जा रहा है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाक़ई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज़ को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल या अर्बन नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। इसका इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया जा रहा है जिनके हाथों में बंदूक नहीं, बल्कि किताबें, कीबोर्ड और स्मार्टफोन हैं।

ये वो लोग हैं जो पर्यावरण की बात करते हैं, जो रोजगार मांगते हैं, जो परीक्षा के पेपर लीक होने पर सड़क पर उतर आते हैं, या जो किसी अन्याय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज करते हैं। जब सत्ता इन तर्कों का जवाब तर्कों से नहीं दे पाती, तो वह एक आसान रास्ता चुनती है, ठप्पा लगाने का। किसी को दिमागी नक्सल कह देना दरअसल उसकी आवाज़ को, उसकी पीड़ा को और उसके सच को खारिज करने का एक बेहद चालाक तरीका है। जब आप किसी युवा को यह तमगा दे देते हैं, तो आपको उसके उठाए गए असली मुद्दों पर जवाब नहीं देना पड़ता और वह समाज की नजरों में एक खलनायक बन जाता है। जेन-ज़ी यानी वो पीढ़ी जिसका जन्म नब्बे के दशक के आखिरी सालों और दो हजार दस के बीच हुआ, वह इंटरनेट की गोद में बड़ी हुई है। पुरानी पीढ़ियों के आंदोलन करने के तरीके अलग थे। लेकिन जेन-ज़ी के आंदोलनों ने दुनिया भर की सरकारों को गहरे असमंजस में डाल दिया है।

इस पीढ़ी का कोई एक चेहरा नहीं है और इनका आंदोलन केंद्रीकृत नहीं है। एक छोटी सी घटना का वीडियो वायरल होता है और रातों-रात लाखों युवा मीम्स, रील्स और स्टोरीज के जरिए एक डिजिटल सैलाब ला देते हैं। सरकारें परेशान हैं क्योंकि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि इस पीढ़ी से कैसे लड़ा जाए। जेन-ज़ी के पास न खोने के लिए कोई बड़ा राजनीतिक करियर है और न ही वे पुरानी विचारधाराओं के बंधनों में बंधे हैं। वे बहुत साफ, सीधे और बेबाक सवाल पूछते हैं। व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। अंग्रेजों के बनाए हुए या नए कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है जो असहमत हैं। इंटरनेट सस्पेंड कर देना, सोशल मीडिया एकाउंट्स को ब्लॉक करवाना और पोस्ट को डिलीट करवाना आज के दौर की नई पुलिसिंग है। इस पूरी बहस को अगर हम राजनीति के चश्मे से हटाकर एक आम इंसान की नजर से देखें, तो तस्वीर बहुत भावुक कर देने वाली है। एक युवा जो दिन-रात पढ़ाई करता है, जिसका पिता कर्ज लेकर उसे शहर भेजता है, वह जब देखता है कि उसकी परीक्षा का पेपर बिक गया है, तो वह सड़क पर उतरता है। एक लड़की जो रात में सड़कों पर अपनी सुरक्षा की गारंटी मांग रही है, या वो व्यक्ति जो अपने जल, जंगल, जमीन को बचा रहा है, वे कोई दिमागी नक्सल नहीं हैं। जेन-ज़ी के पास बहुत ज्यादा अपेक्षाएं नहीं हैं। अगर सरकारें सचमुच देश का विकास चाहती हैं, तो उन्हें इन युवाओं से डरने या उन्हें कुचलने के बजाय, उनके सवालों के जवाब ढूंढने होंगे। उन्हें दिमागी नक्सल कहकर खारिज करने से समस्या हल नहीं होगी; बल्कि यह संवाद की उस खिड़की को हमेशा के लिए बंद कर देगा, जो एक बेहतर भविष्य के लिए बहुत जरूरी है।

व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में टीकमगढ़ में किया शिकायतकर्ताओं से संवाद

नॉमिनी के खाते में राशि अंतरित न करने पर टीकमगढ़ जिला पंजीयक सहकारिता निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को जन विश्वास अभियान के तहत टीकमगढ़ में सीएम हेल्पलाइन के शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनकर तत्काल उनका निराकरण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कार्य में लापरवाही बरतने पर जिला पंजीयक सहकारिता एसके कौशिक को निलंबित करने के निर्देश दिए। दयाराम लोधी की मां स्व. रानीबाई की मृत्यु होने पर सहकारी बैंक की मवई शाखा ने नॉमिनी के खाते में राशि अंतरित नहीं किए जाने की शिकायत पर उक्त कार्रवाई की गई।

जन विश्वास अभियान की समीक्षा करते मुख्यमंत्री।

सभी विभागीय अधिकारी फील्ड भ्रमण कर योजना का जायजा लें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी सतत रूप से फील्ड भ्रमण कर विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लें। स्थानीय स्तर पर जनता की शिकायतों का समय सीमा में प्रभावी निराकरण किया जाए। क्षेत्र विशेष में मिलने वाली शिकायतों का भी समुचित निराकरण सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिकायतकर्ता महेश प्रसाद लोधी, कमलेश नामूलिया, दयाराम लोधी, कालीचरण सिंह राजपूत और हरिराम विश्वकर्मा से संवाद किया और उनके प्रकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

लापरवाही बरतने पर होगी कार्रवाई

सीएम ने कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई होगी, जबकि उत्कृष्ट कार्य पर सम्मानित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने मौके पर जिले में विभिन्न शासकीय उचित मूल्य दुकानों के वास्तविक स्थान पर संचालन के लिए आवश्यक कार्रवाई पर भी चर्चा हुई। बैठक में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं टीकमगढ़ जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर, विधायक जतारा हरिशंकर खटीक सहित मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, सचिव सीएम डॉ. सुदाम खाड़े, आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह सहित कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय भी मौजूद थे।

प्रदेश में कई स्थानों के सीईओ बदले

जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों का बड़े स्तर पर तबादला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य शासन की ओर से जारी तबादला सूची में जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को बड़े स्तर पर बदला गया है। मैहर अपर कलेक्टर संजना जैन को जल संसधान विभाग में उप सचिव, जगदीश कुमार गोमे को जिला पंचायत सिंगरौली से जिला पंचायत सागर का सीईओ बनाया गया है। अक्षय कुमार तेम्रवाल को जिला पंचायत दतिया से अपर आयुक्त नगर निगम भोपाल की जिम्मेदारी दी गई है। ज्योति शर्मा को जिला पंचायत देवास से उप सचिव मप्र शासन बनाया गया है।

इसीतरह अंजली जोसेफ जोनाथन को जिला पंचायत हरदा से उप सचिव, लोक निर्माण विभाग और नवीत कुमार धुर्वे को जिला पंचायत टीकमगढ़ से जिला पंचायत देवास का सीईओ बनाया गया है। इसीतरह काजल जावला को जिला पंचायत बड़वानी से अपर मिशन संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल भेजा गया है। अनिल कुमार डामोर को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में उप सचिव, अभिषेक सराफ को अपर आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, विवेक केवी को जबलपुर विकास प्राधिकरण का सीईओ , सौम्या आनंद को जिला पंचायत सीधी का सीईओ बनाया गया है।

जिला पंचायत खंडवा के सीईओ बने वर्मा

इसी तरह ऐश्वर्य वर्मा को जिला पंचायत खंडवा का सीईओ, आशीष को एसडीओ से अपर आयुक्त नगर निगम इंदौर, कार्तिकेय जायसवाल को जिला पंचायत श्योपुर का सीईओ, विशाल धाकड़ को एसडीओ से जिला पंचायत टीकमगढ़ का सीईओ बनाया गया है। मंडला के बिछिया में एसडीओ राजस्व सोनाली देव को उप सचिव बनाया है। अर्पित गुप्ता को बड़वानी जिला पंचायत को सीईओ, तनुश्री मीणा को बालाघाट जिला पंचायत का सीईओ, पदस्थापना के लिए प्रतिक्षारत श्रद्धा शुक्ला को खंडवा में अपर कलेक्टर बनाया गया है। आशीष कुमार को बीना अनुविभागीय अधिकारी, अनिकेत शांडिल्य को बालाघाट के बैहर में अनुविभागीय अधिकारी बनाया गया है।

इनको नई पदस्थापना

बालाघाट सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल को सीधी के मझौली में अनुविभागीय अधिकारी, पाटिल आशीष अशोक को कुक्षी में अनुविभागीय अधिकारी, सुशीर श्रीकृष्ण श्रीराम को सिंगरौली देवसर अनुविभागीय अधिकारी, कुलदीप पटेल को मण्डला अनुविभागीय अधिकारी, जामदार फरहान इरफान को डिण्डौरी शहपुरा का अनुविभागीय अधिकारी, ठाकरे ऋषिकेष विजय को छतरपुर अनुविभागीय अधिकारी, नवकिरण कौर को ग्वालियर डबरा का अनुविभागीय अधिकारी बनाया गया है।

टीकमगढ़ में सीएम ने उद्यमियों से किया संवाद, होम स्टे, होटल और इंडस्ट्रियल पार्क बनाएं, सब्सिडी का लाभ उठाएं

प्रदेश में उद्यमियों के व्यापार-उद्योगों को प्रोत्साहन देना राज्य सरकार की प्राथमिकता: सीएम डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा सरकार औद्योगिक विकास के लिए लगातार काम कर रही है। टीकमगढ़ जिले में औद्योगिक विकास के लिए संसाधनों की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें अवसर में बदलने की है। उन्होंने कहा स्थानीय उद्यमियों के व्यापार और उद्योगों को प्रोत्साहन देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव आज टीकमगढ़ में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत उद्यमियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार औद्योगिक क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा अधोसंरचना विकास सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा झांसी, जतारा, टीकमगढ़ कनेक्टिविटी बेहतर होने से अन्य प्रदेशों से भी जुड़ सकेगा। होटल, होमस्टे बनाएं, इंडसट्रियल पार्क स्थापित करें, राज्य सरकार इसके लिए सब्सिडी भी प्रदान कर रही है। इसका लाभ जरूर उठाएं। उन्होंने कहा जिले में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, महाकाल लोक की तर्ज पर कुंडेश्वर धाम का विकास कराया जाएगा।

खास बातें

- उद्यमियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएगी सरकार
- कनेक्टिविटी बेहतर होने से अन्य प्रदेशों से भी जुड़ सकेंगे झांसी, जतारा, टीकमगढ़

उद्यमियों से संवाद करते सीएम।

कुंडेश्वर के आसपास होमस्टे बनाएं, इससे जहां तीर्थ यात्रियों को सुविधा होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग के अधिकारियों की टीम यहां शीघ्र भेजी जाएगी। कुंडेश्वर के आसपास होमस्टे बनाएं, इससे जहां तीर्थ यात्रियों को सुविधा होगी, वही लोग लोगों को आय का जरिया मिल जाएगा। मुख्यमंत्री ने टीकमगढ़ जिले के धरमपुर की प्रसिद्ध पारंपरिक बेल मेटल पीतल शिल्प कला के संबंध में एक करोड़ 99 लाख की योजना प्रस्तावित होने की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा टीकमगढ़ की पारंपरिक बेल मेटल शिल्प कला को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा जाए, बल्कि आधुनिक अधोसंरचना, कारीगर सशक्तिकरण रोजगार और बाजार विस्तार से जोड़े। ज्ञातव्य है कि पीतल शिल्प कला की दिशा में धरमपुरा में लगभग 6.99 हेक्टर भूमि एमएसएमई विभाग के हस्तांतरित हो चुकी है।

सीएम ने टीकमगढ़ में आंगनवाड़ी केंद्र, जिला अस्पताल का निरीक्षण किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीकमगढ़ में आंगनवाड़ी केंद्र तखा और जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचने पर लाड़ली लक्ष्मी बेटियों, लाडली बहनों और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की हितग्राही दीदियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। सीएम यादव ने लाड़ली बहनों को भेंट स्वरूप साड़ी, श्रृंगार सामग्री और छाता देकर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। सीएम डॉ. यादव ने अपने हाथों से नन्हीं बालिका वैष्णवी को खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया। इस दौरान उन्होंने तखा में जनता का अभिवादन किया और उनकी समस्याओं को सुना।

मुख्यमंत्री पीतल शिल्पकार के घर पहुंचे, पारम्परिक शिल्प कला की सराहना की

हरिभूमि न्यूज. भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के दौरान टीकमगढ़ के प्रसिद्ध पीतल शिल्पकार लक्ष्मीनारायण सोनी के घर पहुंचे। उन्होंने पारंपरिक पीतल शिल्पकला की कार्यप्रणाली का अवलोकन कर शिल्पकारों के कौशल की सराहना की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने उद्यम संवाद कार्यक्रम में जिले के उद्यमियों, निवेशकों एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों से प्रत्यक्ष संवाद कर औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन तथा स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने पर विस्तार से चर्चा की। रोरैया मोहल्ला स्थित शिल्पकार के आवास पर मुख्यमंत्री ने पीतल से निर्मित देवी-देवताओं की मूर्तियों एवं अन्य कलात्मक उत्पादों का अवलोकन किया।

वरिष्ठ नागरिकों के दीर्घ अनुभवों से मिला है मार्गदर्शन: डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस हमें अपने वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य, सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के प्रति सामाजिक दायित्वों का बोध कराता है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि परिवार, समाज और देश के विकास में वरिष्ठ नागरिकों के दीर्घ अनुभवों और अमूल्य योगदान से भावी पीढ़ियों को मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

अपर संचालक जनसंपर्क गणेश जायसवाल बने जिला पंचायत बैतूल के सीईओ

मप्र सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के चार अधिकारियों की नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। जनसंपर्क संचालनालय के अपर संचालक गणेश कुमार जायसवाल को जिला पंचायत बैतूल का सीईओ बनाया गया है, जबकि रीवा सीईओ मेहताब सिंह गुर्जर को मंत्रालय भेजा गया है। इधर मप्र सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के चार अधिकारियों का प्रशासनिक आधार पर तबादला किया है। तबादले में शाजापुर, सीधी, रीवा और बैतूल जिला पंचायतों में नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। अनुपमा चौहान को जिला पंचायत शाजापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) पद से हटाकर हरदा का अपर कलेक्टर बनाया गया है। जिला पंचायत सीधी के सीईओ शैलेंद्र सिंह सोलंकी को अब जिला पंचायत शाजापुर का सीईओ बनाया गया है। जिला पंचायत रीवा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर को मप्र शासन के खनिज साधन विभाग में उप सचिव बनाया गया है।

36 घंटे में पुलिस ने किया पर्दाफाश

आईजीकेवी बीएससी द्वितीय वर्ष की एंटोमोलॉजी पेपर लीक मामले में छह आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी) रायपुर के बीएससी द्वितीय वर्ष की एंटोमोलॉजी पेपर लीक मामले में पुलिस ने प्रोफेसर समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं दो आरोपी फिलहाल फरार हैं। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। इस परीक्षा से करीब दो घंटे पहले पेपर वायरल होने के बाद शुरू हुई जांच में पुलिस ने महज 36 घंटे के भीतर पूरे नेटवर्क गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रोफेसर समेत कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, इस पूरे पेपर लीक का मास्टरमाइंड दुर्ग के भारती एग्रीकल्चर कॉलेज का प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया है। आरोपी के खिलाफ थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 360/26 धारा 4, 5 एवं 10 छत्तीसगढ़ सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम, 2008 और धारा 316 बीएनएस का अपराध दर्ज किया गया है। पेपर खरीदने वाले सभी आरोपी भारती एग्रीकल्चर कॉलेज दुर्ग के छात्र हैं।

लिफाफे में छेद कर मोबाइल से की प्रश्नपत्र की रिकॉर्डिंग

बताया जा रहा है कि 17 अगस्त को प्रोफेसर योगेश रायपुर के कृषि महाविद्यालय पहुंचा था, जहां से उसे आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र मिले। इनमें 20 अगस्त को होने वाली कीटशास्त्र की परीक्षा का पेपर भी शामिल था। आरोप है कि योगेश प्रश्नपत्र का लिफाफा अपने घर ले गया और सुई और नुकीले उपकरण की मदद से लिफाफे में छेद कर मोबाइल कैमरे से प्रश्नपत्र की रिकॉर्डिंग कर ली। इसके बाद उसने अजय नायक और दो अन्य छात्रों को करीब 11 हजार रुपये में बेच दिया। आरोपी अजय नायक ने इस पेपर को त्रिदेव पटेल, नितिन पाण्डेय, अनुज मिंज एवं आदित्य साहू को भेज दिया। 20 अगस्त को परीक्षा शुरू होने से करीब दो घंटे पहले पेपर वायरल होने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की टीम लगाई।

दो फरार आरोपियों की पुलिस कर रही तलाश

पुलिस ने साइबर तकनीक, सोशल मीडिया पर पेपर वायरल होने की टाइमलाइन और आरोपियों के डिजिटल कनेक्शन को खंगाला। इसी जांच के आधार पर पुलिस एक-एक करके आरोपियों तक पहुंची। मुख्य आरोपी प्रोफेसर समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं अभी दो आरोपी फरार हैं, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी

सोने-चांदी से भरा बैग उठाने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिला के सीतापुर में ज्वेलर्स कारोबारी से करीब एक करोड़ रुपये के सोने-चांदी के आभूषणों से भरा बैग उठाने के मामले में सरगुजा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वारदात में शामिल एक आरोपी को ओडिशा के गंजाम जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 10 हजार रुपये नगद बरामद हुए हैं। इससे पहले पुलिस ने गिरोह के एक अन्य आरोपी के घर से करीब 46 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर बरामद किए थे। मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

जानकारी के मुताबिक घटना 26 जुलाई की सुबह करीब 11.30 बजे की है, जब सीतापुर निवासी अरुणदेव सोनी हाईस्कूल के पास स्थित अपनी कांशी विश्वनाथ ज्वेलर्स दुकान खोलने पहुंचे थे। उन्होंने जेवरों से भरा बैग स्कूटी पर रखा और दुकान का शटर खोलने लगे। इसी दौरान अज्ञात आरोपी स्कूटी के पास रखा बैग लेकर फरार हो गए। बैग में करीब एक करोड़ रुपये के सोने-चांदी के आभूषण बताए गए थे। सीतापुर थाने में पुलिस ने जांच शुरू की। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देशन में साइबर सेल और सीतापुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। जांच के दौरान घटनास्थल से लेकर आरोपियों के संभावित भागने वाले मार्गों के करीब 500 सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए।

दस दिनों तक चला तलाशी अभियान

ओडिशा पुलिस के सहयोग से संयुक्त टीम ने करीब दस दिनों तक आरोपियों के संभावित ठिकानों पर अभियान चलाया। इसी दौरान चंटी दास के घर की तलाशी में 300.92 ग्राम सोने के आभूषण, जिनकी कीमत करीब 43 लाख रुपये, तथा 1.168 किलो चांदी के आभूषण, कीमत करीब तीन लाख रुपये, बरामद किए गए। लगातार तलाश के बाद पुलिस ने गंजाम जिले से दास नागेश्वर (45), निवासी नारायणपुर, थाना आस्का, को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अन्य साथियों के साथ मिलकर संगठित तरीके से उठाईगिरी की वारदात करना स्वीकार किया। इसके बाद प्रकरण में बीएनएस की धारा 111(2) और 3(5) भी जोड़ी गई। आरोपी के कब्जे से 10 हजार रुपये नकद जब्त किए गए।

14 जुलाई 2025 को खेती-बाड़ी को लेकर हुआ पारिवारिक विवाद

बहू पर फावड़े से जानलेवा हमला करने वाले ससुर को 10 साल का कारावास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

सरगुजा जिले के लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के गेरसा महुआपारा गांव में बहू पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी ससुर को अदालत ने 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, अंबिकापुर ने आरोपी पेरवा राम उर्फ प्रेमा राम (60) को भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) के तहत दोषी ठहराते हुए एक हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया है। अर्थदंड नहीं देने पर उसे तीन माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा।

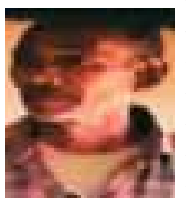

मामला 14 जुलाई 2025 का है। पुलिस के अनुसार खेती-बाड़ी को लेकर परिवार में विवाद हुआ था। इसी दौरान आरोपी ने अपनी बहू अनिता कुजूर पर फावड़े से हमला कर दिया। सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट लगने के बाद अनिता मौके पर ही बेहोश होकर गिर गई थी। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर हमले में इस्तेमाल फावड़ा बरामद किया। घटनास्थल से खून लगी मिट्टी और सामान्य मिट्टी के नमूने भी लिए गए, जिन्हें एफएसएल जांच के लिए भेजा गया। हथियार का क्यूरी परीक्षण भी कराया गया। मामले की जांच तत्कालीन एएसआई एसआर साहू ने की थी। पुलिस ने 7 अक्टूबर 2025 को अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया।

सुनवाई के दौरान 15 गवाहों के बयान

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 15 गवाहों के बयान और 35 भौतिक साक्ष्य अदालत के सामने रखे। परिस्थितिजन्य और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी माना। अदालत ने पीड़िता को लगी गंभीर चोट और उसके दीर्घकालीन प्रभाव को देखते हुए उचित प्रतिकर उपलब्ध कराने की अनुशंसा की है। न्यायालय ने बीएनएसएस की धारा 395 और 396 के प्रावधानों के तहत पीड़िता को मुआवजा दिलाने की सिफारिश की। आईजी सरगुजा रेंज दीपक झा ने मामले की विवेचना करने वाले एएसआई एसआर साहू और लुण्ड्रा पुलिस टीम को प्रोत्साहित करने के लिए पारितोषिक देने की घोषणा की है। एसएसपी राजेश अग्रवाल ने भी पुलिस टीम की विवेचना की सराहना की।

खजुराहो में मुख्यमंत्री ने की केन-बेतवा लिंक परियोजना की समीक्षा

पन्ना-छतरपुर के प्रभावित गांवों के घर-घर पहुंचकर परिवारों की कठिनाइयों को समझें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व की केन-बेतवा लिंक परियोजना बुंदेलखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। परियोजना से क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल और ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि विकास के साथ प्रभावित और विस्थापित परिवारों के हितों का पूरा ध्यान रखना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने पन्ना एवं छतरपुर जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि प्रभावित गांवों में अधिकारी घर-घर पहुंचकर परिवारों की वास्तविक स्थिति और समस्याओं को समझें। जनजातीय परिवारों की कठिनाइयों को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका प्राथमिकता से निराकरण करें।

विस्थापित परिवारों को घर तक पहुंचाएं योजनाओं का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि विस्थापित परिवारों को शासन की पात्र योजनाओं का लाभ उनके घर तक पहुंचाया जाए। जहां परिवारों ने नए स्थान पर निवास बना लिया है, वहां स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक भवन सहित जरूरी मूलभूत सुविधाओं के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने पन्ना की रूंझ-मझगांव परियोजना में स्वीकृत अतिरिक्त राशि का प्रभावितों को शीघ्र भुगतान कराने के निर्देश दिए। जिन प्रभावितों के पास उम्र संबंधी दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, उनकी आयु का निर्धारण मेडिकल परीक्षण के आधार पर करने को कहा। मुख्यमंत्री ने जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट को परियोजना की उच्च प्राथमिकता के साथ नियमित मॉनिटरिंग करने तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जन चौपाल और जागरुकता यात्राओं से लोगों को परियोजना के लाभ बताएं

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में जन चौपाल और जागरूकता यात्राओं के माध्यम से लोगों को परियोजना से मिलने वाले लाभों की जानकारी दी जाए। मैदानी स्तर पर सकारात्मक गतिविधियां आयोजित कर लोगों की आशंकाओं और समस्याओं का समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि परियोजना पूर्ण होने पर मप्र में लगभग 8.11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता बढ़ेगी और 44 लाख से अधिक लोगों को पेयजल सुविधा का लाभ मिलेगा। परियोजना के तहत 103 मेगावाट जल विद्युत तथा 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन भी प्रस्तावित है। बुंदेलखंड एवं मध्य भारत के पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, सागर, विदिशा, रायसेन, शिवपुरी और दतिया जिलों के 1,382 गांवों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है। छतरपुर और पन्ना जिले में कुल 5,039 परियोजना प्रभावित परिवार हैं।

प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी को दवे ने दी शुभकामनाएं

भोपाल। भाजपा के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ, जिला भोपाल के सहसंयोजक महेंद्र दवे ने उनके निज निवास पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट किया एवं हार्दिक जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दवे ने बाबा महाकाल से राहुल कोठारी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

'तेरा पापा से विवाद है, ले मैं मंगलसूत्र फेंक देती हूं, लेकिन मुझे छोड़कर मत जा'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महाराष्ट्र के संभाजीनगर सुसाइड केस में शनिवार को एक नया वीडियो सामने आया है। वीडियो में बेटे के सुसाइड से पहले मां उसकी जान बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करती नजर आ रही। बेबस मां ने अपने बेटे के आगे हाथ जोड़े। उसके पैर तक पकड़ने की बात कही। यह तक कहा-'तुम्हारा पापा से विवाद है ना देखो, मैं अभी अपना मंगलसूत्र निकालकर फेंक देती हूं! तुम्हारे पिता को छोड़ देती हूं, तुम्हारे साथ चलूंगी हम दोनों साथ रहेंगे, लेकिन मुझे छोड़कर मत जाओ बेटा!' लेकिन बेटे का दिल नहीं पसीजा। उसने अपनी आंखों के सामने रोते-बिलखते छोड़ दिया और पहाड़ी से नीच कूद गया।

सामने आए नए वीडियो में साफ दिख रहा है कि कुणाल नाम का युवक सुसाइड करने के इरादे से एक ऊंची पहाड़ी पर खड़ा है। उसकी मां बदहवास हालत में उसे ऐसा करने से रोक रही है। मां चीख-चीखकर उसे पुकार रही है। मां बार-बार कह रही है कि बेटा मैं तेरे पैर पड़ती हूं, तू वापस आ जा, रुक जा ऐसा मत कर लेकिन बेटे नहीं माना। उसने कूदकर जान दे दी। बेटे को बचाने की कोशिश में पिता की मौत हो गई। अपनी आंखों के सामने पति-बेटे को गिरते देख मां सदमें में आ गई। उसने भी पहाड़ी से नीचे छलांग लगा दी।

बेबस मां ने हाथ जोड़े, पैर तक पकड़ने की बात कही, लेकिन बेटे का दिल नहीं पसीजा

महाराष्ट्र के संभाजीनगर सुसाइड केस में एक नया वीडियो सामने आया

आईफोन की जिद ने एक ही परिवार के तीन लोगों की चली गई जान

यह था विवाद

छत्रपति संभाजीनगर के तिसगांव इलाके में शुक्रवार को यह दर्दनाक घटना हुई थी। पुलिस के मुताबिक, 19 वर्षीय कुणाल चांदगुडे का अपने माता-पिता से आईफोन दिलाने को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद कुणाल परेशान होकर पहाड़ी पर चला गया। इसकी जानकारी मिलने पर पिता मुरलीधर चांदगुडे और मां संगीता उसे समझाने के लिए वहां पहुंचे। वालुज पुलिस के इंस्पेक्टर रामेश्वर गाड़े ने बताया कि घटना की शुरुआत सुबह करीब 10 बजे हुई। कुणाल आईफोन की मांग कर रहा था। माता-पिता से इसी बात को लेकर उसकी कहासुनी हुई, जिसके बाद वह खवड्या पहाड़ की तरफ चला गया। पहाड़ी काफी ऊंची और खड़ी चट्टानों वाली है, जिसके नीचे गहरी खाई है।

तीन घंटे तक समझाते रहे माता-पिता

कुणाल के पहाड़ी पर पहुंचने की जानकारी मिलने के बाद माता-पिता भी वहां पहुंच गए। मां संगीता लगातार बेटे को समझाती रहीं और उससे वापस घर चलने के लिए कहती रहीं. आसपास के गांव के लोग और सरपंच भी मौके पर पहुंच गए। सभी ने कुणाल को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह पहाड़ी से नीचे आने को तैयार नहीं था। हालात गंभीर होने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने पहाड़ी के नीचे सुरक्षा जाल लगाने की कोशिश की। इसके बावजूद कुणाल लगातार अपनी जगह बदलता रहा. करीब तीन घंटे तक उसे समझाने और सुरक्षित नीचे लाने की कोशिश चलती रही।

ऐसे बिगड़ी बात

दोपहर करीब 1 बजे कुणाल के पिता मुरलीधर भी उसके करीब पहुंचे. उन्होंने बेटे को समझाने के साथ उसे पकड़कर सुरक्षित वापस लाने की कोशिश की। इसी दौरान कुणाल ने पहाड़ी से नीचे छलांग लगा दी। बेटे को बचाने के प्रयास में पिता ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान दोनों का संतुलन बिगड़ गया और दोनों पहाड़ी से नीचे गिर गए। पति और बेटे को अपनी आंखों के सामने गिरते देख मां संगीता सदमे में आ गईं। पुलिस के मुताबिक, कुछ ही देर बाद उन्होंने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी. इस तरह कुछ ही मिनटों में परिवार के तीनों सदस्यों की मौत हो गई।

नहीं कुछ कर पाए पुलिस-फायर ब्रिगेड

घटना के दौरान मौके पर मौजूद गांव के लोगों, पुलिस और फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने पूरे घटनाक्रम को अपनी आंखों के सामने देखा। तीनों की मौत के बाद मौके पर मातम छा गया। मृतकों की पहचान 48 वर्षीय मुरलीधर चांदगुडे, उनकी पत्नी संगीता और 19 वर्षीय बेटे कुणाल चांदगुडे के रूप में हुई है। परिवार शहर के झाल्टा फाटा इलाके का रहने वाला बताया गया है। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

'चीनी खरीदनी पड़ रही, ये कैसा आत्मनिर्भर भारत'

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चीनी की बढ़ती कीमतों और घटते स्टॉक को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि त्योहारों से पहले सरकार की नीतियों की कड़वाहट चीनी की मिठास में घुल गई है। खड़गे ने सवाल उठाया कि दुनिया के बड़े चीनी उत्पादक और निर्यातक देश भारत में चीनी का स्टॉक 9 साल के निचले स्तर पर कैसे पहुंच गया। खड़गे ने सरकार से सवाल पूछते हुए 10 लाख टन चीनी को ड्यूटी-फ्री आयात करने की जरूरत पर भी सवाल उठाया।

रिएक्टर ब्लास्ट, दो कर्मचारियों की मौत

भुवनगिरी। तेलंगाना के यादाद्रि भुवनगिरी जिले की एक फार्मा कंपनी में शुक्रवार देर रात रिएक्टर ब्लास्ट हो गया। हादसे के बाद यूनिट में आग लग गई। पुलिस के मुताबिक, हादसा कर्मचारियों की शिफ्ट बदलने के दौरान हुआ। इसमें दो कर्मचारियों की मौत हो गई। हादसे में नौ लोग घायल हुए हैं। इनमें दो की हालत गंभीर है और वे 50% से ज्यादा झुलसे हैं, जबकि 7 को मामूली चोटें आई हैं। सभी घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया।

सरकार देगी नवजात बच्चों को सोने की अंगूठी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सरकारी अस्पतालों में जन्मे नवजात बच्चों के लिए 1.28 लाख सोने की अंगूठियों के वर्क ऑर्डर जारी किए हैं। इस योजना का बजट 220 करोड़ रुपए है। तमिलनाडु मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन ने जॉयलुक्कास और कल्याण ज्वेलर्स को ऑर्डर दिए। ये अंगूठियां जून से सितंबर के बीच सरकारी अस्पतालों में जन्मे बच्चों को दी जाएंगी। इस योजना 15 सितंबर को द्रविड़ आंदोलन के नेता सी. एन. अन्नादुरई की जयंती पर शुरू की जाएगी।

आईआईटी दिल्ली में छात्र ने फिर आत्महत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) में साल के एमएससी के छात्र ने आत्महत्या कर ली। छात्र ने कैंपस के लेक्चर हाल के 6वीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जान दे दिया। मृतक की पहचान ऋषिकेश कुमार के रूप में की गई है। ऋषिकेश, बिहार के सारण जिले का रहने वाला था । वह आईआईटी दिल्ली में एमएससी फिजिक्स के दूसरे सेकेंड ईयर का स्टूडेंट था। सूत्रों के अनुसार ऋषिकेश का अवसाद का इलाज भी चल रहा था।

पुणे की यूनिवर्सिटी में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के पहले हिंसक झड़प

राहुल के कार्यक्रम के पहले बवाल, आपस में भिड़े एबीवीपी और एनएसयूआई कार्यकर्ता

पुणे में राहुल गांधी के चर्चित कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' के पहले राजनीतिक माहौल गरमा गया। भाजपा और कांग्रेस की स्टूडेंट यूनिट अभाविप और एनएसयूआई के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए हैं। इनके बीच जोरदार झड़प हुई है। हालांकि बाद में राहुल का यह कार्यक्रम हुआ। उन्होंने छात्रों से कई मसलों पर चर्चा की।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज'कार्यक्रम होने के पहले ही शनिवार को जमकर बवाल हो गया। कार्यक्रम स्थल पुणे के शिवाजीनगर इलाके स्थित सीईओपी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और कांग्रेस की छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए।

एबीवीपी के सदस्यों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ता कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे की छात्राओं पर शनिवार को होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराने का दबाव बना रहे थे। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के समर्थन में बोलने वाली दो छात्राओं को एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने हॉस्टल के अंदर रोक लिया और उन्हें धमकी दी।

परिसर में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को किया गया तैनात

दोनों पक्षों ने लगाए एक-दूसरे पर अलग-अलग आरोप

कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने घटना के बाद हॉस्टल का दौरा किया। उन्होंने दावा किया कि एबीवीपी कार्यकर्ता दोनों छात्राओं को धमका रहे थे। महाराष्ट्र प्रदेश यूथ कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष अक्षय जैन ने घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि दोनों छात्राओं ने अपनी छात्रवृत्ति से जुड़ी समस्याएं उठाई थीं और 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम का समर्थन किया था। हालांकि, एबीवीपी के प्रदेश मंत्री अथर्व कुलकर्णी ने आरोप लगाया कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता हॉस्टल परिसर में प्रवेश कर रहे थे और छात्राओं पर शनिवार के कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराने का दबाव बना रहे थे।

60 एनएसयूआई कार्यकर्ता लिए गए हिरासत में

पुणे के डीसीपी हसन गौहर ने कहा, 'हमें दो गुटों के बीच झड़प की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर हमने कुछ लोगों को नारे लगाते और सड़क जाम करने की कोशिश करते हुए पाया; उन्हें हिरासत में ले लिया गया है।' पुणे पुलिस ने शनिवार को एबीवीपी के सदस्यों के साथ हुई हिंसक झड़प के बाद 50 से 60 युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया।

सर्दी-जुकाम की दवा को लेकर केंद्र सरकार का आदेश

मासूमों को न दें दो ये दवा का कॉम्बिनेशन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अगर आपके घर में 4 साल से कम उम्र का बच्चा है और सर्दी-जुकाम के लिए दवा रखी हुई है तो यह खबर आपके काम की है। केंद्र सरकार ने कोल्ड मेडिसिन कॉम्बिनेशन को लेकर नियम और सख्त कर दिए हैं। केंद्र सरकार ने चार साल से छोटे बच्चों के लिए सर्दी-जुकाम की दवा को लेकर शनिवार को आदेश जारी किया है। क्लोरफेनिरामाइन मैलेट, फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लो राइड के कॉम्बिनेशन से बनने वाली सभी दवाएं चार साल से छोटे बच्चों को न दी जाएं। सरकार ने दवा कंपनियों को इन दवाओं के पैकेट, अंदर की जानकारी और प्रचार सामग्री पर साफ चेतावनी लिखने का आदेश दिया है, ताकि छोटे बच्चों को इनके इस्तेमाल से होने वाले संभावित खतरे से बचाया जा सके। दवा के पैकेट पर लिखना होगा कि 4 साल से कम उम्र के बच्चों में इसका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

सरकार ने कंपनियों को दिए निर्देश

सरकार ने दवा कंपनियों को इन दवाओं के पैकेट, अंदर की जानकारी और प्रचार सामग्री पर साफ चेतावनी लिखने का आदेश दिया है, ताकि छोटे बच्चों को इनके इस्तेमाल से होने वाले संभावित खतरे से बचाया जा सके। दवा के पैकेट पर लिखना होगा कि 4 साल से कम उम्र के बच्चों में इसका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

बोर्ड की सिफारिश के बाद फैसला

सरकार ने एक्सपर्ट कमेटी और ड्रग्स टेक्नीकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश के बाद यह फैसला लिया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस दवा कॉम्बिनेशन से छोटे बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी जोखिम हो सकते हैं, जबकि इस उम्र के लिए सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं। लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड का कॉम्बिनेशन आमतौर पर सर्दी-जुकाम और नाक बंद होने के बाद दी जाने वाली दवाओं में इस्तेमाल होता है।

इधर, 280 दवाइयों के सैंपल फेल

केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने जुलाई महीने के अपने मासिक औषधि अलर्ट में विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्मित दवा के 40 नमूनों को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया है। राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने भी 240 दवा नमूनों को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया है। नियमित विनियामक निगरानी गतिविधि के मुताबिक केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पोर्टल पर हर महीने मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाई गई और नकली दवाओं की सूची जारी की जाती है।

एग्जाम में बिजली गुल, हंगामा एनटीए का एक और एग्जाम रद्द

एजेंसी ▶▶| जयपुर

राजस्थान के जयपुर में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से करवाए जा रहे आयुर्वेदिक पीजी एंट्रेंस एग्जाम के दौरान लाइट चली गई। एग्जाम कंप्यूटर बेस्ड था।

ट्रांसपोर्ट नगर स्थित सत्य साईं पीजी कॉलेज का शनिवार सुबह 10:20 बजे कुछ स्टूडेंट्स के सिस्टम बंद हो गए। इसके बाद अभ्यर्थियों ने सेंटर के बाहर हंगामा कर दिया। ऐसे में यहां पहली पारी का एग्जाम रद्द कर दिया। वहीं एनटीए ने पहली शिफ्ट के आयुर्वेदिक पीजी एंट्रेंस एग्जाम में हुए टेक्विकनल एरर के बाद एग्जाम नहीं दे पाने वाले 49 स्टूडेंट्स के लिए 1 सितंबर को फिर से एग्जाम करवाने की घोषणा की है। यह एग्जाम राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर विमेन जयपुर के सेंटर पर होगा।

जयपुर में आयुर्वेदिक पीजी एंट्रेंस एग्जाम कई छात्रों की छूटी परीक्षा, जमकर बवाल

दूसरी शिफ्ट में भी गफलत

दूसरी शिफ्ट में 3 बजे से होम्योपैथिक पीजी का एग्जाम शुरू होने वाला था। इन स्टूडेंट्स की एंट्री 1 बजे तक थी, लेकिन 3 बजे एंट्री दी गई। लेकिन सेकंड शिफ्ट में बायोमेट्रिक सिस्टम काम नहीं करने कि वजह से स्टूडेंट ने एग्जाम हॉल के बाहर हंगामा कर दिया। बता दें, इससे पहले यूजीसी-नेट की इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी विषयों की परीक्षाएं रविवार को रद्द कर गई थीं।

यह बताया छात्रों ने

एग्जाम देने पहुंची डॉ सुधा शर्मा ने कहा- एग्जाम का टाइम शनिवार सुबह 10 से 12 बजे तक था। एग्जाम शुरू होने के 20 मिनट बाद अचानक से कई स्टूडेंट्स के कंप्यूटर बंद पड़ गए। हमें एग्जाम इनविजिलेटर (परीक्षा निरिक्षक) ने कहा कि शॉर्ट सर्किट के कारण लाइट चली गई है। थोड़ी देर में आ जाएगी। ऑब्जर्वर डॉ हर्षिता सचदेवा ने बताया- पावर सप्लाई में कुछ दिक्कत थी, इसीलिए आधे कंप्यूटर बंद हो गए थे। पता नहीं कैसे आधे कंप्यूटर काम कर थे। पावर सप्लाई कभी आ रही थी, कभी जा रही थी। इसीलिए कुछ कंप्यूटर काम नहीं कर रहे थे। एनटीए ने परीक्षा कैंसिल कर दी है।

- आतंकी मामले में बिजबेहरा और दूरू में तलाशी

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में एनआईए की छापेमारी

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को दो जगह छापेमारी की। यह कार्रवाई एक आतंकी मामले की जांच के तहत की गई।

अधिकारियों के मुताबिक, एनआईए की टीम ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर बिजबेहरा और दूरू में दो आवासीय घरों की तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि दोनों जगहों पर तलाशी अभियान चलाया गया है। छापेमारी के दौरान क्या मिला, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। जांच एजेंसी की कार्रवाई और बरामदगी से जुड़ी डिटेल का इंतजार है।

पुलवामा आतंकी हमले की आरोपी की जमानत खारिज

जम्मू की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने 2019 पुलवामा आतंकी हमले की आरोपी इंशा जान की जमानत याचिका खारिज कर दी। एनआईए ने आरोप लगाया कि इंशा ने अपने पिता के साथ जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को घर में पनाह, खाना और लॉजिस्टिक मदद दी थी। एनआईए के मुताबिक, उमर फारूक, आदिल अहमद डार और समीर अहमद डार जनवरी 2019 में उसके घर पर हथियारों के साथ रुके थे। एजेंसी ने इंशा और उमर फारूक के बीच वॉट्सएप कॉल, वॉइस नोट्स और तस्वीरों को भी सबूत बताया।

भगवंत मान की पत्नी पर 5 करोड़ की रिश्वत मांगने का आरोप

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी पर एक गंभीर आरोप लगा है। आरोप है कि उन्होंने एक रेप केस को दबाने के लिए 5 करोड़ रुपये की मांग की। यह आरोप पंजाब के एक पूर्व जज जस्टिस रणजीत सिंह ने लगाया है। इस मामले को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग यानी एनएचआरसी ने संज्ञान लिया है और पंजाब सरकार को नोटिस भेज दिया है। आयोग ने पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को दो हफ्ते के अंदर पूरे मामले की जांच करके एक्शन टेकन रिपोर्ट देने को कहा है। यह पूरा विवाद तब सामने आया जब लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी नाम की संस्था ने एनएचआरसी में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि एक रिटायर्ड जज ने सार्वजनिक रूप से यह बयान दिया था कि पंजाब के मुख्यमंत्री की पत्नी से जुड़े एक रेप केस में 5 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। यह मामला एनएचआरसी के सदस्य प्रियांक कानूनगो की बेंच के सामने रखा गया। बेंच ने माना कि अगर यह आरोप सही है तो यह पीड़िता के मानवाधिकारों का सीधा उल्लंघन है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

वरिष्ठ अधिकारी का सख्त व्यवहार आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी वरिष्ठ अधिकारी की ओर से अधीनस्थ कर्मचारी को फटकार लगाना, प्रशासनिक निर्देश देना, कारण बताओ नोटिस जारी करना या अनुशासनात्मक कार्रवाई करना अपने आप में आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध नहीं बनता। इसके लिए यह साबित करना जरूरी है कि आरोपी की मंशा अधीनस्थ को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने की थी और उसने ऐसा करने के लिए कोई ठोस कदम उठाया था।

आरोपी की मंशा और ठोस निकटवर्ती कृत्य साबित होना जरूरी

क्या था मामला? : दीपाली चव्हाण ने 25 मार्च 2021 को हरिसाल स्थित अपने सरकारी आवास में अपनी सर्विस पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। अभियोजन पक्ष ने शिवकुमार पर उन्हें प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे। इनमें आधिकारिक फटकार, कारण बताओ नोटिस, अतिक्रमण हटाने और गांव के पुनर्वास से जुड़े काम देना, एससी-एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराने में कथित भूमिका और जंगल में ट्रेक करने के लिए मजबूर करना शामिल था।

दीपाली आत्महत्या मामले में की टिप्पणी

जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस नोंगमीकापम कोटिस्वर सिंह की पीठ ने यह टिप्पणी 2021 में हरिसाल वन क्षेत्र की रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर दीपाली चव्हाण की आत्महत्या से जुड़े मामले में की। पीठ ने पूर्व डिप्टी कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स विनोद शिवकुमार की अपील मंजूर करते हुए उनके खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट के 24 सितंबर 2025 और अचलपुर सत्र न्यायालय के 24 अक्टूबर 2024 के आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने शिवकुमार को मामले से बरी कर दिया है।

अमरनाथ यात्रा का मुख्य अनुष्ठान शुरू, यात्रा का समापन 28 अगस्त को

जयकारों के बीच पहलगाम रवाना हुई छड़ी मुबारक

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

भगवान शिव की पवित्र छड़ी 'छड़ी मुबारक' के शनिवार को पहलगाम रवाना होने के साथ ही वार्षिक अमरनाथ यात्रा के मुख्य धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। पवित्र छड़ी को यहां दशनामी अखाड़ा भवन से वार्षिक तीर्थयात्रा से जुड़े विभिन्न अनुष्ठानों के लिए पहलगाम ले जाया जा रहा है।

दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा की ओर रवाना होने से पहले शनिवार तड़के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 'छड़ी मुबारक' के संरक्षक महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में साधुओं के एक समूह ने पूजा-अर्चना की। अमरनाथ यात्रा इस साल खराब मौसम और मार्ग क्षतिग्रस्त होने के कारण नौ अगस्त को स्थगित कर दी गई थी, हालांकि इससे जुड़े धार्मिक अनुष्ठान जारी हैं। महंत दीपेंद्र गिरि ने बताया कि 28 अगस्त को 'श्रावण पूर्णिमा' के शुभ अवसर पर 'पूजन' और 'दर्शन' के लिए पवित्र छड़ी को अमरनाथ गुफा ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पवित्र छड़ी शनिवार और रविवार को पहलगाम, 24 अगस्त को चंदनवाड़ी, 25 अगस्त को शेषनाग तथा 26 व 27 अगस्त को पंचतरणी में रुकेगी। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई को शुरू हुई और अब तक 4.80 लाख से अधिक श्रद्धालु यह यात्रा कर चुके हैं। यात्रा का समापन 28 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर होगा।

अब तक 4.80 लाख से अधिक श्रद्धालु कर चुके हैं यह यात्रा

खराब मौसम से यात्रा हुई थी स्थगित

इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी। हालांकि, 9 अगस्त को ट्रैक को हुए नुकसान और खराब मौसम के कारण यात्रा को इस वर्ष के लिए स्थगित कर दिया गया था। इसके बावजूद परंपरा के अनुसार अमरनाथ यात्रा से जुड़े धार्मिक अनुष्ठान जारी हैं। इस साल अब तक 4.80 लाख से अधिक श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा कर चुके हैं। वार्षिक यात्रा का समापन 28 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर होगा।

28 अगस्त को होगा मुख्य पूजन

छड़ी मुबारक को 28 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के शुभ अवसर पर अमरनाथ गुफा ले जाकर पूजा और दर्शन कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि छड़ी मुबारक शनिवार और रविवार को पहलगाम में रुकेगी। इसके बाद 24 अगस्त को चंदनवाड़ी, 25 अगस्त को शेषनाग और 26 व 27 अगस्त को पंचतरणी में पड़ाव होगा। इसके बाद 28 अगस्त को पवित्र गुफा में मुख्य पूजन और दर्शन होंगे।

'आर्ट ऑफ लिविंग' पर लगा ₹5 करोड़ का जुर्माना रद्द

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 'आर्ट ऑफ लिविंग फउंडेशन' से जुड़ी संस्था 'व्यक्ति विकास केंद्र' की अपील को मंजूरी दे दी। इसके साथ दिल्ली में यमुना फ्लडप्लेन पर 2016 में हुए इवेंट के लिए संस्था पर लगाए गए 5 करोड़ के पर्यावरण मुआवजे को रद्द कर दिया।

इस मामले में, कोर्ट को 'आर्ट ऑफ लिविंग' के इवेंट और फ्लडप्लेन को हुए नुकसान को जोड़ने वाला कोई सीधा सबूत नहीं मिला। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि किसी व्यक्ति को तभी पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जब काम और पर्यावरण को हुए नुकसान के बीच सीधा संबंध साबित हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने अपीलकर्ता को अपना पक्ष रखने का पर्याप्त मौका नहीं दिया और जरूरी जानकारी को नजरअंदाज किया। कोर्ट ने पाया कि इवेंट वाली जगह पहले से ही खराब हालत में थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- फ्लडप्लेन को हुए नुकसान से सीधा संबंध नहीं

केंद्र से पांच माह से शक्कर आना बंद, राज्य से भी आपूर्ति कम, इसलिए राशन दुकानों से मिठास गायब

पूरे देश में इन दिनों शक्कर की सप्लाई घट गई है, जिसके कारण इसकी कीमत तो बढ़ी ही है, सहकारी दुकानों से मिल भी नहीं रही है। बाजार में शक्कर के भाव चिल्हर में प्रति किलो 65 से 70 रुपए तक पहुंच गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एक तरफ शक्कर के दाम आसमान छू रहे है, दूसरी ओर सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत उचित मूल्य की ज्यादातर दुकानों से भी अब शक्कर गायब हो चुकी है, जिसके कारण कार्ड धारकों को प्रति कार्ड के पीछे 17 रुपए की दर से एक किलोग्राम मिलने वाली शक्कर देना भी बंद हो गया है। उचित मूल्य की दुकान से शक्कर का भंडारण नहीं होने के कारण हितग्राही भी अब बाजार से ही महंगे दाम पर शक्कर खरीद रहे हैं।

5 लाख से अधिक कार्ड धारक- प्रदेशभर में 83 लाख 37 हजार से अधिक कार्ड धारक है। इनमें अंत्योदय कार्डों की संख्या 18 लाख 81 हजार से अधिक है। इसके अलावा निराश्रित कार्ड 28964, निःशक्तजन कार्ड 17795 तथा एपीएल कार्ड 843289 हैं। पिछले 5 महीनों से दुकानों में पर्याप्त भंडारण नहीं होने के कारण प्रदेशभर में हर महीने 5 लाख से अधिक कार्ड धारकों को शक्कर नहीं मिल पा रही है। हालांकि अधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि अधिकारी नहीं कर रहे है।

पिछले 5 महीने से शक्कर आना बंद

जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों के अनुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत उचित मूल्य की दुकानों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) और छत्तीसगढ़ खाद्य सुरक्षा अधिनियम (सीजीएफएसए) द्वारा चावल, नमक के साथ शक्कर भी वितरण किया जाता है। योजना के तहत छत्तीसगढ़ में प्रति कार्ड धारक को एक किलोग्राम शक्कर 17 रुपए की दर से वितरित की जाती है, लेकिन पिछले करीब 5 महीने से एनएफएसए से शक्कर की सप्लाई ही बंद है। इसके कारण सबसे ज्यादा अंत्योदय वर्ग के कार्ड धारक प्रभावित हो रहे हैं।

छग में रोज चाहिए 600 टन शक्कर, सप्लाई 400 टन, कीमत पहुंची 65 से 70 रुपए

राज्य के कारखानों से भी शक्कर की आपूर्ति में भारी गिरावट

सूत्रों की माने तो प्रदेश में संचालित सहकारी शक्कर कारखानों से शक्कर की आपूर्ति में पिछले 3 साल से भारी गिरावट आई है, जिसके कारण नागरिक आपूर्ति निगम के सभी जिलों के गोदामों में भी शक्कर का भंडारण पहले की तुलना में 30 से 35 प्रतिशत ही हो रहा है। इस वजह से उचित मूल्य की दुकानों में भी मांग के अनुसार 50 प्रतिशत या उससे कम शक्कर का भंडारण किया जा रहा है।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा

उप मुख्य विद्युत अभियंता (प्रोजेक्ट) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑन-लाइन के माध्यम से प्रतिष्ठित और अनुभवी ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और प्राप्त ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। **(1) निविदा क्रमांक:** जबलपुर-ईएलपी-ओएचई-टी-2025-03-आर 2, दिनांक: 19.08.2026 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के श्रीधाम-भदनपुर खंड में 1x25 केवी से 2x25 केवी के ट्रैक्शन सिस्टम के डिज़ाइन, सप्लाई, आपूर्ति, निर्माण के अपग्रेडेशन कार्य। **निविदा का अनुमानित मूल्य:** ₹ 159,48,73,424/- **निविदा फॉर्म की कीमत:** निल **कार्यालय का पता:** उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्ट), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर ग्राउंड फ्लोर, मुख्य परियोजना प्रबंधक (प्रोजेक्ट), कार्यालय, रेलवे स्टेडियम के बाजू में जबलपुर 482001 **बिड सिक्यूरिटी:** ₹ 3,18,97,500/- **समापन अवधि:** 18 माह **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय:** दिनांक 16.09.2026 (15.00 बजे) **निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 16.09.2026 (15:30 बजे तक). निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा उप मुख्य विद्युत इंजीनियरिंग (प्रोजेक्ट) के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

(हस्ता.)
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर (प्रोजेक्ट), प.म.रे., जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

यू ट्यूब के कुछ नियम 24 अगस्त से तो कुछ बदलेंगे 1 फरवरी 2027 से

यू ट्यूब से कमाई के लिए अब चाहिए ज्यादा वॉच टाइम व शॉर्ट्स व्यूज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वीडियो बनाकर कमाई करने का सपना देखने वाले लोगों के लिए बड़ा बदलाव आने वाला है। यूट्यूब ने अपने पार्टनर प्रोग्राम के नियमों में बदलाव का ऐलान किया है। नए नियम 1 फरवरी 2027 से लागू होंगे। इसके साथ ही कंपनी ने वीडियो के व्यू काउंट के नियम में भी बड़े बदलाव कर दिए हैं। व्यू काउंट वाला चेंज 24 अगस्त 2026 से ही शुरू हो रहा है। नए नियम मुख्य रूप से उन क्रिएटर्स पर लागू होंगे जो 1 फरवरी 2027 के बाद ऐड्स और प्रीमियम रेवेन्यू के लिए नया आवेदन करेंगे। नए क्रिएटर्स को पहले से ज्यादा वॉच टाइम या शॉर्ट्स व्यूज जुटाने होंगे।

नया चैनल शुरू करने वालों के लिए नियम

अब केवल 1,000 सब्सक्राइबर हासिल करना काफी नहीं होगा। अभी तक ऐड्स और प्रीमियम रेवेन्यू के लिए क्रिएटर्स को 1,000 सब्सक्राइबर के साथ पिछले 12 महीनों में 4,000 वैलिड पब्लिक वॉच आवर्स या पिछले 90 दिनों में 1 करोड़ पब्लिक शॉर्ट्स व्यूज की जरूरत होती थी लेकिन 1 फरवरी 2027 से नए आवेदकों को 1,000 सब्सक्राइबर के साथ 8,000 क्वालिफाइड वॉच आवर्स या 90 दिनों में 2 करोड़ क्वालिफाइड शॉर्ट्स

पहले से शामिल चैनलों के लिए बदलाव नहीं

पहले से प्रोग्राम में शामिल चैनलों का स्टेटस इस बदलाव से प्रभावित नहीं होगा। हालांकि छोटे क्रिएटर्स के लिए राहत भी है। फैन फंडिंग, चैनल मेंबरशिप, सुपर चैट, शॉपिंग और कुछ अन्य फीचर्स के लिए एंट्री नियम फिलहाल नहीं बदल रहे हैं। इन सर्विसेज तक पहुंच के लिए 500 सब्सक्राइबर और 3,000 वॉच आवर्स या 30 लाख शॉर्ट्स व्यूज वाला मौजूदा बेसलाइन बना रहेगा।

पुल के लिए तीन साल पहले 6 करोड़ मंजूर पर काम का पता नहीं

तैरकर स्कूल पहुंच रहे बच्चे, राशन के लिए भी पार करनी पड़ रही नदी

▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के ग्राम जरंडी के ग्रामीण आज भी ऐसी जिंदगी जीने को मजबूर हैं, जहां रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए उन्हें अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। गांव और जंगल धवलपुर के बीच बहने वाली बड़ी नदी पर पुल नहीं होने के कारण ग्रामीणों के सामने बरसात के दिनों में सबसे बड़ी चुनौती खड़ी हो जाती है। नदी में पानी बढ़ने और तेज बहाव के बावजूद ग्रामीण जान हथेली पर रखकर नदी पार करने को मजबूर हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब स्कूली बच्चों को भी शिक्षा के लिए इसी नदी को पार करना पड़ता है। तेज बहाव के बीच बच्चों को नदी पार कर स्कूल जाने का जोखिम उठाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल नहीं होने के कारण बारिश के दिनों में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और कई बार अभिभावकों को भी बच्चों के साथ नदी पार करनी पड़ती है।

तहसील मुख्यालय मैनपुर से महज 17 किमी दूर गरियाबंद विकासखण्ड के अंतिम छोर में बसा ग्राम जरण्डी, बोड़ापाला के दर्जनभर स्कूल से पढ़कर निकलने वाले छात्र-छात्राएं बाकड़ी नदी को तैरकर या फिर ट्यूब के सहारे पारकर धवलपुर हाईस्कूल पहुंचते हैं।

पुल के लिए 2023 में 6 करोड़ मंजूर

बाकड़ी नदी में उच्च स्तरीय पुल निर्माण के लिए 2023 में कांग्रेस सरकार के दौरान 6 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है। सर्वे का कार्य हो चुका है लेकिन इससे आगे कुछ नहीं हो रहा है। सरपंच दिनेश कुमार नेताम, उपसरपंच बालकिशन ध्रुव, गजपति ने बताया कई बार पुल निर्माण की मांग कर चुके हैं अब तक कोई ध्यान नहीं दिया गया। अब इस मामले को लेकर क्षेत्र का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात करेगा।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - अनूपपुर (म.प्र.)
E-mail- modgmanu@mp.gov.in

क्र. / / खनिज/2026/ **द्वितीय सूचना** अनूपपुर, दिनांक:-

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18 (1 - क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा आवेदन प्राप्त करने के लिए,

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेसर्स सरस्वती माईनिंग एण्ड क्रसिंग श्री जयप्रकाश शिवदासनी पिता लीला राम शिवदासनी निवासी वार्ड क्रमांक 06 जैन मंदिर के पास गौरेला पेन्ड्रारोड जिला गौरेला पेन्ड्रा मरवाही (छ.ग.) द्वारा खनिज बोल्डर, उत्खनिपटटा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 08.06.2026 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक - MIN/0169/2026-0/0MRD-ANP-COLLI/1147818/2026 दिनांक 08. 07.2026 से प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुन: दिनांक 10.09.2026 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थिति उत्खनिपटटा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई - खनिजपोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा (हे.)	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
अनूपपुर	पुष्पराजगढ	पमरा	148/1/1	3.950	शासकीय भूमि	बोल्डर	नवीन आवेदन

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि मे प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिजनियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।

उप संचालक (खनि प्रशासन)
जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

G-17480/26 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

कार्यालय वनमंडलाधिकारी पश्चिम उत्पादन वनमंडल छिन्दवाड़ा

अधिसूचना क्रमांक / भंडार / 2026/ **संक्षिप्त विवरण** छिन्दवाड़ा, दिनांक /

पश्चिम उत्पादन वनमंडल छिन्दवाड़ा के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में लगने वाली स्टेशनरी सामग्री क्रय करने हेतु विभिन्न फर्मो से ई-टेंडर पद्धति के अंतर्गत ऑनलाइन निविदा www.mptenders.gov.in पर निम्नानुसार तिथि एवं समय अनुसार आमंत्रित की जाती है। समस्त शर्ते एवं अन्य जानकारी भण्डार शाखा से कार्यालय समय में अथाव ऑनलाइन पोर्टल www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	सामग्री की मात्रा
1	फोटो कापी अ/4 (सफेद) (75 जी.एस.एम. पेपर) एवं अन्य 65 सामग्री	आवश्यकतानुसार
नोट :- निविदा से संबंधित समस्त सामग्री की सूची एवं सामग्री का मापदण्ड BOQ में दर्शित है। (डाउनलोड कर देखी जा सकती है)		

टीप :- उपरोक्त मात्रा वर्ष 2026-27 में प्रस्तावित कार्यो के आधार पर अनुमानित है, जिसे आवश्यकतानुसार घटाया बढाया जा सकता है।

क्र.	जानकारी	विवरण
1	संक्षिप्त विवरण	वनमंडलाधिकारी पश्चिम उत्पादन वनमंडल छिन्दवाड़ा में किये जाने वाले वित्तीय वर्ष 2026 -27 एवं कार्यालयीन कार्यो के लिए स्टेशनरी सामग्री क्रय करने हेतु दरों की निविदा।
2	ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या	
3	निविदा शुल्क / निविदा दस्तावेज की लागत	500/- प्रोसेसिंग शुल्क (पोर्टल द्वारा स्वचालित रूप से निर्धारित)
4	सत्यांकार निधि	10000/-
5	निविदा प्रस्ताव की वैधता	उस वित्तीय वर्ष के भीतर जिसमें वनमंडलाधिकारी पश्चिम उत्पादन वनमंडल छिन्दवाड़ा द्वारा निविदा आमंत्रित की गई है। अथवा नवीन निविदा होने तक।
6	निष्पादन सुरक्षा	10,000/-
7	अनुमानित निविदा मूल्य	3,00,000/-
8	निविदा पूर्व बैठक की तिथि और समय	दिनांक 01.09.2026 समय 01:00 PM
9	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि (अंतिम तिथि)	दिनांक 15.09.2026 समय 06:00 PM
10	प्राप्त तकनीकी प्रस्तावों को खोलने का समय और तिथि	दिनांक दिनांक 16.09.2026 समय 02:00 PM
11	प्राप्त वित्तीय प्रस्तावों को खोलने का समय और तिथि	दिनांक 17.09.2026 समय 02:00 PM
12	जमा करने का प्रकार	ऑनलाइन जमा https://wwwmptenders.gov.in पर करें।

G-17518/26 वनमंडलाधिकारी, पश्चिम उत्पादन वनमंडल छिन्दवाड़ा

कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर (म.प्र.)
एम.पी. टेण्डर सिस्टम के माध्यम से
: चतुर्थ ई-निविदा सूचना :

पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मों की ओर से केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में स्थापित इलेक्ट्रिक तार फेसिंग सिस्टम एवं सह उपकरण के वार्षिक रख-रखाव हेतु अनुबंध (A.M.C.) वर्ष 2026-27 के लिए ऑनलाईन चतुर्थ वार्षिक ई-निविदा बेवसाईट www.mptenders.gov.in पर दिनांक 03.09.2026 तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है। (A.M.C.) निविदा विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	विवरण	दिनांक एवं समय	स्थान
1	प्रीबिड मिटिंग	24.08.2026 को दोपहर 12:30 बजे	कार्यालय केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर
2	ऑन लाईन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि एवं निविदा फार्म की कीमत रू. 1000 - लेखा शीर्ष 0056, जेलें -800 अन्य प्राप्तियां में ऑन लाईन जमा की जावेगी।	03.09.2026 को शाम 05:30 बजे तक	बेवसाईट https://mptenders.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।
3	ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	03.09.2026 को शाम 05:30 बजे तक	बेवसाईट mptenders.gov.in पर ऑन लाईन स्वीकार की जावेगी।
4	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज) खोलने की तिथि	07.09.2026 को दोपहर 11:30 बजे	कार्यालय केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर
5	ऑन लाईन वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	08.09.2026 को दोपहर 11:30 बजे तक	कार्यालय केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर

निविदा फार्म नियम व शर्ते तथा (A.M.C.) निविदा से संबंधित अन्य आवश्यक विवरण बेवसाईड mptenders.gov.in पर उपलब्ध है।

जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल, नरसिंहपुर (म.प्र.)

G- 17517/26

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.सू.क्र./40-45/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2026 **निविदा आमंत्रण सूचना** डिण्डौरी, दिनांक 19.08.2026

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई-टेण्डर ऑनलाईन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly Scaled) डिण्डौरी जिले के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। https://www.mptenders.gov.in जिसका अवलोकन बेवसाईट में किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित बेवसाईट से ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है। जिसके मूल्य का भुगतान इण्टरनेट बैंकिंग से किया जावेगा। निविदा दिनांक 19.08.2026 को शाम 17.55 बजे से दिनांक 02.09.2026 को शाम 17.30 बजे तक ऑनलाईन प्रस्तुत किये जा सकते है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही दिया जावेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त बेवसाईट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	ई निविदा क्र.	नि. सू. क.	वि.खं./ जिला	विवरण	अनु.लागत (PAC) (रू. लाख में)	धरोहर राशि (PAC) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	रिमार्क
1	2026 PHED _530845_1	40	डिण्डौरी	Reparing and Maintenance work of Piped water supply scheme at Village- Batondha, Block Dindori Distrcit Dindori	2.99	5980.00	2000.00	प्रथम आमन्त्रण
2	2026 PHED _530846_1	41	डिण्डौरी	....."....Village- Mighroudi, Block Dindori Distrcit Dindori	2.69	5380.00	2000.00	प्रथम आमन्त्रण
3	2026 PHED _530848_1	42	डिण्डौरी	....."....Village- Ganwahi, Block Dindori Distrcit Dindori	2.76	5520.00	2000.00	प्रथम आमन्त्रण
4	2026 PHED _530849_1	43	डिण्डौरी	....."....Village- Duhaniya Ryt , Block Dindori Distrcit Dindori	1.58	3160.00	1000.00	प्रथम आमन्त्रण
5	2026 PHED _530851_1	44	डिण्डौरी	....."....Village- Dandvidaypur Mal, Block Dindori Distrcit Dindori	4.94	9880.00	2000.00	प्रथम आमन्त्रण
6	2026 PHED _530852_1	45	डिण्डौरी	....."....Village- Dhangaon, Block Dindori Distrcit Dindori	2.93	5860.00	2000.00	प्रथम आमन्त्रण

"पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड डिण्डौरी (म.प्र.)
G-17514/26

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन — आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती

वृश्चिक — धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

शब्द पहेली - 6325

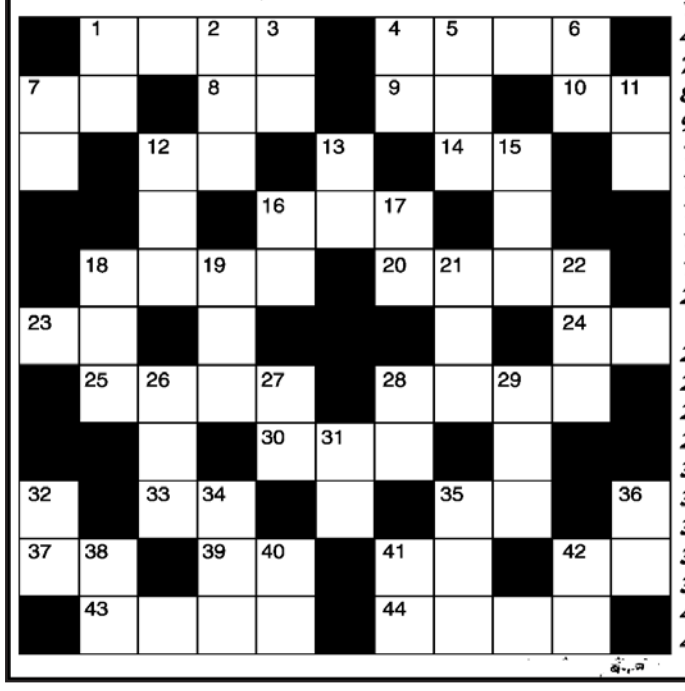

बाएँ से दाए-
1. सुरक्षित-4
4. माहुर, आलता-4
7. कार्य, काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही, कालिख-2
10. भूमि, धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर, होठ-2
16. विशाल, श्रेष्ठ-3
18. आदेश, आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा, हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद, मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर, खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई, छाया-2
43. शिव, रुद्र, शंकर-4
44. सराबोर, सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1. समान, एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना, प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी, गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश, वर्षा-3
16. जी, चित-2
17. मर्द, आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन, प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा, कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत, दुनिया-2
32. प्राण, जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर, तन-2
38. संध्या, सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल, नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग, संगत-2

शब्द पहेली -6324 का हल

सूडोकु नवताल - 6335

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6334 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

आपसी संवाद का बदलता मिजाज
खो ना जाए रिश्तों की मिठास

घर-परिवार हो, पड़ोसी, मित्र-मंडली, सहकर्मी हों या रिश्तेदार, सभी से संबंध, हमारे बातचीत के तरीके और शब्दों पर निर्भर करते हैं। समय के साथ शब्द, संबोधन, भाषा की चाल बदलना स्वाभाविक है, लेकिन भाषा से यदि सम्मान और मर्यादा का भाव कम होने लगे तो रिश्तों की ऊष्मा, उसकी मिठास खोने का डर मंडराने लगता है। ऐसे में हम सभी को सजग होने की जरूरत है।

कवर स्टोरी
यशोधरा भटनागर

भाषा केवल बोलने का माध्यम नहीं, मनुष्य के भीतर से दूसरे मनुष्य तक जाने वाली वह महीन डोर है, जिसमें समय, संस्कार, स्मृतियां और संबंध एक साथ बंधे रहते हैं। किसी समाज की भाषा को सुनकर उसके समय की धड़कन पहचानी जा सकती है। शब्द बदलते हैं तो केवल शब्द नहीं बदलते, उनके साथ हमारे व्यवहार, हमारी निकटताएं और कभी-कभी हमारी संवेदनाएं भी अपना रूप बदल लेती हैं।

भाषा में होता था माधुर्य

एक समय था, जब मोहल्ला एक परिवार जैसा होता था और मोहल्ले की अपनी एक लोकभाषा हुआ करती थी। वह किसी व्याकरण की पुस्तक में नहीं मिलती थी, फिर भी उसमें जीवन का पूरा व्याकरण समाया होता था। पड़ोस की चाची, गली के काका, सामने वाले घर की दादी, दूध वाले भैया, डाकिया चाचा। रक्त-संबंध न होते हुए भी भाषा ने सबको रिश्तों में बांध रखा था। किसी के घर से पकवान निकला तो कटोरी पड़ोस में पहुंची। किसी के यहां कोई दुःख-परेशानी आई तो अगले दरवाजे से आवाज आती, 'कुछ चाहिए तो बताना।' किसी बुजुर्ग को देखते ही बच्चे का स्वर अपने आप नीचे हो जाता था। 'आप', 'आइए', 'बैठिए', 'खाइए', 'कैसे हैं?...' ये केवल शब्द नहीं बल्कि दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करने के संस्कार हुआ करते थे। मोहल्ले की उस भाषा में एक सहज माधुर्य था। उसमें आत्मीयता थी, पर आत्मीयता की भी एक मर्यादा थी। मजाक था, मगर अपमान नहीं। असहमति थी, मगर संबोधन में सम्मान बचा रहता था।

आज मोहल्ले सिकुड़कर अपार्टमेंट हो गए हैं और चौपालें स्क्रीन पर चली गई हैं। पड़ोसी का चेहरा कई बार वर्षों तक दिखाई नहीं देता, जबकि दूर देश में रहने वाला कोई डिजिटल मित्र प्रतिदिन बातचीत का हिस्सा बना रहता है। भाषा भी उसी के साथ बदल गई है।

नई पीढ़ी की बेलाग भाषा

आज जब हम नई पीढ़ी की भाषा की बात करते हैं, तो चर्चा केवल 'हाय', 'हैलो' 'ओके', 'कूल' 'ब्रो' या डिजिटल संक्षिप्तियों तक सीमित नहीं रह सकती है। इस भाषा का एक दूसरा, अधिक चिंताजनक पक्ष है बातचीत में बढ़ती बेलाग अशिष्टता, गाली-गलौज और अपशब्दों का सहज इस्तेमाल।

लेकिन इसे केवल 'आज के बच्चों के संस्कार खराब हैं' कहकर समझ लेना समस्या को बहुत छोटा कर देना होगा। आज युवाओं की

बातचीत में अपशब्दों का इस्तेमाल कई संदर्भों में सामान्य होता दिखाई देता है। शोध यह संकेत देते हैं कि युवाओं में अपशब्दों का प्रयोग केवल 'असंस्कारी' होने का परिणाम नहीं होता। कभी यह भावनाओं को तीव्रता से व्यक्त करने, कभी समूह में स्वीकार्यता पाने और कभी अपनी बात को अधिक प्रभावशाली बनाने का माध्यम बन जाता है। सोशल मीडिया ने युवाओं को अपनी बात खुलकर रखने के बहुत अधिक अवसर दिए हैं और इसके साथ अशिष्ट भाषा की दृश्यता भी बढ़ी है। यानी समस्या केवल शब्दों की नहीं, शब्दों के सामान्य हो जाने की है। दरअसल, जब किसी शब्द को बार-बार सुना जाता है, तो उसका चौंकाने वाला प्रभाव कम होने लगता है। जो कल असभ्य माना जाता था, वह आज मजाक का हिस्सा बन जाता है। और जो मजाक में कहा गया था, वह धीरे-धीरे रोजमर्रा की भाषा में प्रवेश कर जाता है।

समझना होगा महत्वपूर्ण अंतर

हर अपशब्द हिंसा नहीं है और हर अपशब्द किसी व्यक्ति को अपमानित करने के लिए नहीं बोला जाता। भाषा-विज्ञान और मनोविज्ञान के अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि लोग कभी-कभी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल भावनात्मक तीव्रता, तनाव या आश्चर्य व्यक्त करने के लिए करते हैं। लेकिन किसी की गरिमा को चोट पहुंचाने वाली गाली और मित्रों के बीच भावनात्मक विस्मय व्यक्त करने वाला अपशब्द एक ही बात नहीं हैं। यहीं भाषा की नैतिकता का प्रश्न खड़ा होता है। आखिर यह भाषा आई कहां से? इस बदलाव के पीछे कई परतें हैं।

डिजिटल दुनियाः सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग, छोटे वीडियो और मीम संस्कृति में तीखी, उत्तेजक और चौंकाने वाली भाषा अकसर मनोरंजन का हिस्सा बन जाती है।

साथियों का प्रभावः किशोरावस्था में समूह से जुड़ना बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। कोई शब्द मित्र-मंडली में सामान्य है तो उसे न बोलना कई बार 'अलग' दिखाई देना हो सकता है। इसलिए युवा भाषा केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं, समूह की पहचान भी बन जाती है।

घर की भाषाः हम अकसर बच्चों की भाषा पर अंगुली उठाते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि भाषा सीखने की पहली पाठशाला घर है। यदि घर में क्रोध का पहला उत्तर गाली है, तो बच्चे के लिए गाली केवल निषिद्ध शब्द नहीं रह जाती, वह क्रोध व्यक्त करने का सीखा हुआ तरीका बन सकती है।

ध्यान खींचने की प्रवृत्तिः बेलाग भाषा कई बार 'कूल', 'बोल्ड' या 'बेबाक' दिखने का माध्यम बन जाती है। इसीलिए कुछ युवा जान-बूझकर ऐसी भाषा चुनते हैं।

संवाद का घटता धैर्यः जब बातचीत छोटी होती जाती है, तो भाव व्यक्त करने के लिए शब्दों की जगह तीव्र शब्द लेने लगते हैं। इन सभी कारणों को समझने के बाद विकृत होती भाषा के लिए केवल नई पीढ़ी को दोष देना उचित नहीं होगा, क्योंकि भाषा का यह परिवर्तन केवल युवाओं ने पैदा नहीं किया है। उन्हें यह भाषा समाज ने दी है।

भाषा में बनी रहे मधुरता-मर्यादा

हमें पुरानी भाषा को हूबहू वापस लाने की आवश्यकता नहीं है। नई पीढ़ी की अपनी भाषा होगी ही। जरूरत केवल इतनी है कि आधुनिकता के साथ माधुर्य भी रहे और बेबाकी के साथ मर्यादा भी। प्रश्न शब्द का नहीं, उसके पीछे मौजूद मन का है। हम न भूलें कि शब्दों में अद्भुत शक्ति होती है। वे रिश्तों में मिठास घोल सकते हैं तो हमेशा के लिए खटास भी भर सकते हैं। k

मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए
भाई-बहन का भावनात्मक संबल

हर परिवार में भाई-बहन का रिश्ता सबसे अनोखा और प्यारा होता है। उम्र के हर दौर में भाई-बहन का एक-दूसरे को दिया जाने वाला भावनात्मक संबल, मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाता है। इस बारे में आप विस्तार से जरूर जानना चाहेंगे।

पॉजिटिव इफेक्ट
नैंसी गुप्ता

बदलती जीवनशैली, बढ़ता काम का दबाव, सोशल मीडिया की तुलना और अकेलेपन की भावना आज मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारण बन चुके हैं। ऐसे समय में परिवार का भावनात्मक सहयोग, हर व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी ताकत साबित होता है। परिवार में भाई-बहन का रिश्ता सबसे अलग और प्यारा होता है, क्योंकि यह केवल बचपन की यादों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जीवन के हर पड़ाव पर भावनात्मक सुरक्षा, भरोसा और अपनापन भी देता है। भाई-बहन का रिश्ता दोनों के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भावनात्मक सुरक्षाः बचपन के बाद टीनएज, यंगएज और मिडएज में भाई-बहन दोस्त जैसे हो जाते हैं, जिससे वे बिना किसी झिझक के अपनी भावनाएं साझा कर लेते हैं। जब जीवन में तनाव, असफलता या किसी तरह की परेशानी आती है, तो भरोसेमंद भाई या बहन का साथ मानसिक बोझ को काफी हद तक कम कर देता है। यह भावनात्मक सुरक्षा, चिंता और अकेलेपन की भावना को घटाने में मदद करती है।

तनाव होता है कमः मानसिक तनाव के दौरान किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करना काफी राहत देता है। भाई-बहन एक-दूसरे की परिस्थितियों, स्वभाव और पारिवारिक पृष्ठभूमि को अच्छी तरह समझते हैं। इसलिए वे बिना जज किए सुनते हैं और व्यावहारिक सलाह भी देते हैं। यह सहयोग तनाव से बाहर निकलने में सहायक हो सकता है।

अकेलापन महसूस हो कमः आज के समय में अनेक युवक-युवतियां, परिवार से दूर रहकर पढ़ाई या नौकरी करते हैं। ऐसे में अकेलेपन की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में यदि भाई-बहन के साथ नियमित बातचीत होती रहे, तो दूरी के बावजूद भावनात्मक जुड़ाव कायम रहता है। फोन कॉल, वीडियो कॉल या संदेश भी मानसिक सुकून देने का काम करते हैं।

बढ़ता है आत्मविश्वासः हर व्यक्ति के जीवन में ऐसे पल आते हैं जब उसे अपनी क्षमता पर संदेह होने लगता है। ऐसे समय में भाई या बहन का प्रोत्साहन आत्मविश्वास को दोबारा मजबूत कर सकता है। बचपन से एक-दूसरे की खूबियों और कमजोरियों को जानने के कारण, उनका उत्साहवर्धन अधिक प्रभावी महसूस होता है।

कठिन समय में सहाराः मानसिक स्वास्थ्य केवल भावनाओं तक सीमित नहीं है। बीमारी, आर्थिक परेशानी या पारिवारिक संकट के समय भाई-बहन, भावनात्मक समर्थन के साथ-साथ व्यावहारिक मदद भी करते हैं। जिम्मेदारियां बांटना, निर्णय लेने में साथ देना और समस्याओं का समाधान ढूंढ़ना मानसिक दबाव को कम करने में मदद करता है।

मिलती है सकारात्मक ऊर्जाः बचपन की सुखद यादें मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। भाई-बहन के साथ बिताए गए खेल, त्योहार, शरारतें और पारिवारिक अनुभव कठिन समय में भी व्यक्ति को भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस कराते हैं। कहा जा सकता है कि भाई-बहन का रिश्ता केवल खून का रिश्ता नहीं, बल्कि जीवन भर साथ रहने वाला भावनात्मक सहारा भी है। बदलते समय में जब मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं, तब यह रिश्ता हमें अपनापन और आत्मविश्वास देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। k

(क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट निर्मल वर्मा से बातचीत पर आधारित)

रिश्ता बनाए रखें मजबूत

भाई-बहन के बीच केवल रिश्ता होना ही पर्याप्त नहीं होता है, बल्कि मजबूती बनाए रखने के लिए उसे समय देना भी जरूरी है। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद नियमित बातचीत करें, एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना करें, मतभेद होने पर संवाद बनाए रखें और छोटी-छोटी बातों को लंबे समय तक मन में न रखें। स्वस्थ संवाद रिश्ते को मजबूत बनाता है और मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। इसके साथ ही रक्षाबंधन, जन्मदिन या परिवार के छोटे-छोटे समारोह, भाई-बहन को फिर से करीब लाने का अवसर देते हैं। ऐसे अवसरों को मिस न करें। इस दौरान साथ समय बिताना, पुरानी यादें साझा करना, उल्लास के पल बिताना और एक-दूसरे का हाल-चाल जानना भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करता है। कई परिवारों में भाई-बहनों के बीच तुलना की जाती है, जिससे तनाव, ईर्ष्या और आत्मसम्मान से जुड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके बजाय एक-दूसरे की सफलता का सम्मान करना और मुश्किल समय में सहयोग देना रिश्ते को अधिक सकारात्मक बनाता है। भाई-बहन के बीच स्वस्थ संबंध मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमेशा लाभदायक होते हैं।

गजल
ओम निश्चल

राखी आ गई

फिर उमड़ आई बहन की याद राखी आ गई
फिर से पकवानों में आया स्वाद राखी आ गई

थाल में कुमकुम औ रोली सज गई
हृदय में उठ रहा है आह्लाद राखी आ गई

गुनगुनाने-सा लगा है फिर ये घर
फिर हुआ है मायका आबाद राखी आ गई

चैनलों पर गीत गाए जा रहे
छंट गया है जेहन से अवसाद राखी आ गई

बंध गई हैं राखियां फिर हाथ में
बहन-भाई कर रहे संवाद राखी आ गई

एक धागे में जो चाहे बांध लो
भाईचारे का यही मरजाद राखी आ गई

लघुकथाएं

कच्ची डोर

शादी के कुछ दिन बाद ही विदेश जा बसी बहू ने, सुबह-सुबह फोन की घंटी बजते ही अनमने मन से अपनी सास का कॉल रिसीव किया, बोली, 'प्रणाम मां जी, कैसी हैं आप?' सासू मां बोलीं, 'अरे बहू, रक्षाबंधन पर अपने भाई को राखी भेजना मत भूलना। शादी के बाद पहली राखी है, तुम्हारे घर पर सब इंतजार करेंगे।' 'जी मां जी, भेज दूंगी, आप चिंता ना करें।' उसने सधी-सपाट आवाज में जवाब दिया और फोन रखते ही सोचने लगी, 'फोन, चैट, वाट्सएप सब तो चलता ही रहता है, मैं कौन-सी भाई से साल में एक बार मिलती हूं? इस साल ही तो दूर आई हूं। राखी भेजने की औपचारिकता करना ही क्या जरूरी है?' बाद में वह घर-ऑफिस के कामों में ऐसा उलझी कि यह भूल ही गई रक्षाबंधन है कब? रक्षाबंधन के दिन सुबह-सुबह भाई ने अपनी कलाई पर सजी सुंदर राखी की फोटो भेजी और एक प्यारा-सा संदेश भी। 'कितना खुश हूं मैं कि वहां जाकर भी तुम्हें राखी का त्योहार याद रहा, अपने भाई के लिए स्नेह की डोर भेजना न भूली। देख तो दूर रहकर भी हमारे बीच कभी दूरियां नहीं आएंगी। यह रेशमी धागा हमें हमेशा बांधे रखेगा।' फिर फोन पर बात हुई तो भाई-बहन दोनों का गला रुंध गया। आंखों में नमी लिए खुशी से कांपते हाथों से उसने सासू मां को फोन लगाया तो उन्होंने

चहकते हुए पूछा, 'राखी बांध ली भाई ने?'

'जी मां जी, पर...' बहू आगे कुछ पूछती, उधर से सास बोली, 'अरे बहू, राखी मैंने भेजी थी। चार दिन पहले ही राजेश ने बताया कि तुम राखी नहीं भेज पाई हो।' कुछ ठहरकर उन्होंने फिर कहा, 'बहू, कच्ची डोर से बंधे रिश्ते भी टूटते नहीं, बस यह डोर कच्ची ना पड़े, इतना ख्याल रखना जरूरी होता है।' k

-मोनिका शर्मा

हस्ताक्षर

वृद्धाश्रम में रहने वाले एक बुजुर्ग रोज सुबह सबसे पहले वहां का उपस्थिति रजिस्टर खोलते और कांपते हाथों से अपने नाम के सामने हस्ताक्षर करते थे। एक दिन वहां मौजूद एक स्वयंसेवक ने उत्सुकता से पूछा, 'अंकलजी, यहां तो कोई रोज जांच भी नहीं करता, फिर आप हर दिन रजिस्टर में हस्ताक्षर क्यों करते हैं?' बुजुर्ग हल्का-सा मुस्कुराए और बोले, 'आदत है बेटा बरसों पुरानी आदत।' कुछ पल चुप रहने के बाद उनकी आंखें कहीं दूर टिक गईं, फिर धीमे स्वर में बोले, 'पूरी जिंदगी बैंक के कागजों पर, जमीन के दस्तावेजों पर, मकान के रजिस्ट्री पेपर्स पर, न जाने कितनी बार हस्ताक्षर करता रहा। हर हस्ताक्षर किसी न किसी जिम्मेदारी या अधिकार का प्रतीक था। लेकिन जिस दिन आखिरी मकान भी बेटे के नाम कर दिया, उसी दिन मेरे नाम का कमरा बदल गया और मैं इस वृद्धाश्रम में आ गया।' स्वयंसेवक के पास कोई शब्द नहीं बचे। वह केवल बुजुर्ग के चेहरे को देखता रह गया। बुजुर्ग ने धीरे से रजिस्टर बंद किया, गहरी सांस ली और बोले, 'अब यहां रोज इसलिए हस्ताक्षर करता हूं, ताकि कम से कम एक जगह तो हर दिन यह दर्ज होता रहे कि मैं अभी जिंदा हूं, मेरा अस्तित्व अभी पूरी तरह मिटा नहीं है।' यह सुनते ही रजिस्टर का वह साधारण-सा पन्ना अचानक बहुत भारी हो गया। उस दिन स्वयंसेवक ने पहली बार समझा- सबसे कठिन हस्ताक्षर वे नहीं होते जो संपत्ति बांटते हैं, बल्कि वे होते हैं, जो हर दिन खुद के अस्तित्व का प्रमाण देते हैं। k

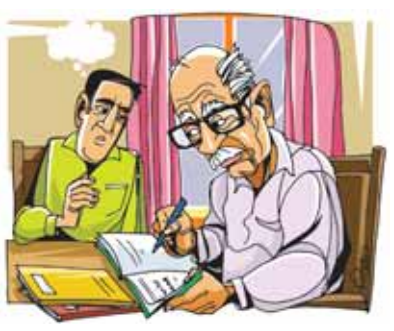

-कृति आर.के. जैन

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

करुणा की शक्ति

वर्तमान समय का सबसे ज्वलंत सवाल यह है कि युद्ध, हिंसा, गैरबराबरी, अन्याय, शोषण जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान क्या हो सकता है? इस सवाल का मुकम्मल जवाब है नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी की किताब 'करुणा-समाधान की शक्ति।' आज हमारी सभ्यता जितनी तेजी से विकास के नए आयाम गढ़ रही है, उतनी ही तेजी से चुनौतियों के दलदल में फंसती भी जा रही है। मनुष्य तकनीकी रूप से जितना सक्षम हो रहा है, सामाजिक रूप से उतना ही विपन्न भी होता जा रहा है। यहां तक कि अपने आप से भी उसका संबंध

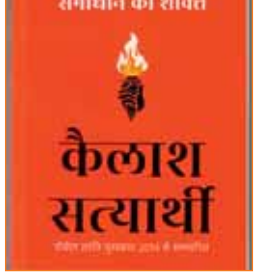

समाप्त होता जा रहा है। करुणा वही परिवर्तनकारी शक्ति है, जो हमें इन समस्याओं से उबार सकती है। किताब में करुणा की नई परिभाषा से हम रूबरू होते हैं। करुणा कोई मामूली भावना नहीं बल्कि हमें बड़ी से बड़ी समस्या के समाधान तक पहुंचाने वाली ताकत है। न्याय की आत्मा है, बुद्धि का सर्वश्रेष्ठ स्वरूप है। लेखक ने करुणा के इतने आयामों से हमारा परिचय कराया है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। किस तरह जीवन के हर क्षेत्र में करुणा को लागू कर हम एक खुशहाल जिंदगी जी सकते हैं? किस तरह करुणा को मापा जा सकता है और किस तरह इसे अपने भीतर बढ़ाया भी जा सकता है? कुल मिलाकर करुणा में एक बेहतर दुनिया के निर्माण की शक्ति निहित है। k

किताबः करुणा-समाधान की शक्ति, **लेखकः** कैलाश सत्यार्थी, **अनुवादः** आशुतोष गर्ग, **मूल्यः** 399 रुपए, **प्रकाशकः** हार्पर हिंदी, गुरुग्राम

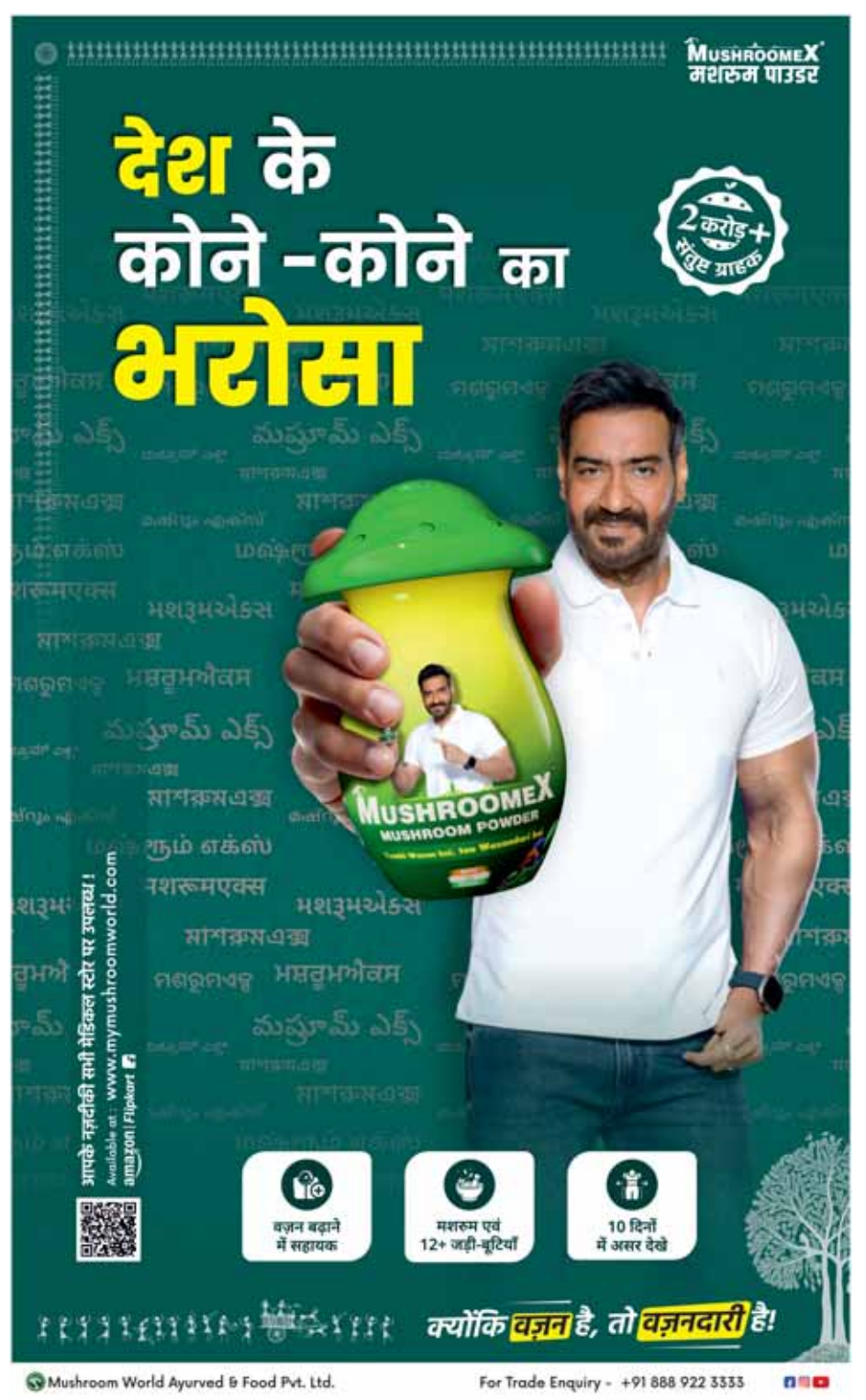

श्रीलंका के खिलाफ दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच आज सुबह 10 बजे से

3 साल बाद विदेशी जमीन पर सीरीज जीतने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

पहले टेस्ट मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर विदेशी धरती पर 3 साल में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने की कोशिश करेगी जबकि कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की निगाह बड़ा स्कोर बनाने पर होगी।

2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी सीरीज

भारत ने विदेश में अपनी आखिरी टेस्ट श्रृंखला जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी। उसके बाद से भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ उनके घरेलू मैदान पर श्रृंखला बराबर की थी। इस बीच उसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से घरेलू धरती पर हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत के साथ कुछ हद तक वापसी की है, जिससे कप्तान गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर को राहत मिली होगी।

कप्तान के रूप में गिल का प्रदर्शन शानदार

भारत को इस मैच में गिल और जायसवाल से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। गिल अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपनी पिछली छह पारियों में दो शतक बनाए हैं। लेकिन पिछले मैच में उनका बल्ला नहीं चल पाया था। उन्हें विशेषकर बाएं हाथ की स्पिनर के सामने दिक्कत हो रही है। गॉल में दोनों पारियों में उन्हें खब्बू स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने आउट किया। इसके अलावा कप्तान के रूप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। गिल ने कप्तानी संभालने के बाद 10 टेस्ट मैचों में 73 से अधिक के औसत से 1100 रन बनाए हैं। वह कप्तान के रूप में विदेश में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के लिए भी प्रतिबद्ध होंगे।

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचने की उम्मीद

भारत अगर इस श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लेता है, तो वह 57.58 प्रतिशत अंकों के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच सकता है। लेकिन यह बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में हार पर ही संभव हो पाएगा। डार्विन में पहले टेस्ट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाला बांग्लादेश अभी चौथे स्थान पर है।

सारांश को मिल सकता है पदार्पण का मौका

इस पर भी सब की नजर रहेगी कि कुलदीप यादव अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं या नहीं। पहले मैच में पिच से काफी मदद मिलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 25 ओवरों में सिर्फ एक विकेट लिया था। कुलदीप पहले टेस्ट मैच में गेंदबाजों में सबसे महंगे साबित हुए, उन्होंने प्रति ओवर चार से अधिक रन लुटाए। श्रीलंका की टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों को देखते हुए ऑफ स्पिनर सारांश जैन को पदार्पण का मौका मिल सकता है। लेकिन सिर्फ एक मैच के बाद किसी सीनियर गेंदबाज को टीम से बाहर करना गलत संकेत दे सकता है।

श्रीलंका टीम में सकारात्मक बदलाव

श्रीलंका को अगर श्रृंखला में वापसी करनी है तो उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को धैर्य के साथ खेलना होगा। उन्हें उम्मीद होगी कि शानदार फॉर्म में चल रहे कामिल मिशारा और साहन अरच्चिगे को टीम में शामिल करने से सकारात्मक बदलाव आएगा।

मैच का समय : सुबह 10 बजे

सिनसिनाटी ओपन

सेमीफाइनल में पहुंची कोको गॉफ

एजेंसी ▶▶| मेसन

कोको गॉफ ने नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं। कोको गॉफ ने मार्टा कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और टूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया। सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा।

बेजलेक ने मैडिसन कीज को दी मात

सारा बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के टाईब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं। बेजलेक ने फरवरी में अबू धाबी ओपन में क्वालीफायर के तौर पर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर टाइटल जीता था। बेजलेक की अब तक की शानदार जीत में उनकी हमवतन कैरोलिन प्लिसकोवा और बारबोरा क्रेजसिकोवा भी शामिल हैं, जो सबालेंका और कीज के साथ पहले डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बन चुकी हैं। 2009 के बाद से, बेजलेक डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में ऐसी चार खिलाड़ियों को हराने वाली सिर्फ दूसरी खिलाड़ी हैं, इससे पहले प्लिसकोवा ने आठ साल पहले मैड्रिड में ऐसा किया था।

टियाफो-नाकाशीमा ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

टियाफो ने इटली लोरेंजो मुसेटी को 7-6 (2), 7-5 से और नाकाशीमा ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 4-6, 6-3 से हराया। अंतिम चार में यह दोनों खिलाड़ी आमने-सामने होंगे। यह 2010 के बाद पहला अवसर है जबकि अमेरिका के दो खिलाड़ी पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में इटली के फ्लेवियो कोबोली का मुकाबला फ्रांस के आर्थर फिल्स से होगा।

खबर संक्षेप

एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप संयुक्त बढ़त पर रेहान

कंसास सिटी। दुबई में जन्मे भारतीय गोल्फर रेहान थॉमस ने पहले राउंड में 64 का स्कोर बनाने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे राउंड में सात अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप में 7 खिलाड़ियों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। थॉमस दो राउंड के बाद 15-अंडर के स्कोर के साथ टेलर डिक्सन, जोसेफ ब्रैमलेट, डेविस शोर, जॉन मार्शल बटलर, क्रिस फ्रैंकोयर और पहले राउंड में शीर्ष पर रहने वाले एंड्रयू कोज़ान के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। थॉमस ने दसवें होल पर दो बर्डी के साथ शुरुआत की लेकिन उन्होंने 12वें होल में बोगी कर दी। उन्होंने 13वें होल पर ईगल लगाया जबकि 16वें होल पर बोगी करने बाद अगले दो होल पर बर्डी बनाई। थॉमस ने दूसरे होल पर एक शॉट गंवाया, लेकिन तीसरे होल पर बर्डी लगाई। इसके बाद उन्होंने पांचवें से सातवें होल तक लगातार तीन बर्डी लगाईं। इस तरह से उन्होंने आठ बर्डी और एक ईगल के अलावा तीन बोगी की।

नेक्सो चैंपियनशिपः शुभंकर ने कट में बनाई जगह

एबरडीनशर। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने पिछली चार प्रतियोगिताओं में कट से चूकने बाद नेक्सो चैंपियनशिप के अंतिम दो राउंड में जगह बनाकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने दूसरे राउंड में इवन-पार का स्कोर बनाया। इस दौरान उन्होंने छठे होल में होल इन वन (पहले शॉट में गेंद को होल में डालना) के साथ दिन का सबसे बेहतरीन शॉट लगाया। पहले राउंड में 73 का स्कोर बनाने वाले शुभंकर ने दूसरे दौर में 72 का स्कोर बनाया। इस तरह से 36 होल के बाद उनका कुल स्कोर एक ओवर 145 हो गया है और वह 22वें स्थान पर हैं। इस टूर्नामेंट में खेल रहे दूसरे भारतीय खिलाड़ी युवराज संधू (75-79) कट से चूक गए। इंग्लैंड के मैथ्यू साउथगेट ने लगातार दूसरी बार दो-अंडर 70 का स्कोर बनाकर टूर्नामेंट में अपना कुल स्कोर चार-अंडर कर लिया और इस तरह एक स्ट्रोक की बढ़त हासिल कर ली।

प्रीमियर लीग : डिफेंडिंग चैंपियन आर्सेनल का विजयी आगाज

आर्सेनल ने कोवेंट्री सिटी को 3-0 से दी मात

एजेंसी ▶▶| लंदन

आर्सेनल ने एमिरेट्स स्टेडियम में प्रमोटेड कोवेंट्री सिटी को 3-0 से हराकर अपने प्रीमियर लीग खिताब को डिफेंड करने की शानदार शुरुआत की। आर्सेनल की सामरिक रणनीति में सबसे उल्लेखनीय बात नए खिलाड़ियों का शानदार तालमेल है। क्रिस्टोस त्जोलिस ने लगातार आक्रामक करते हुए बाएं विंग पर अपनी काबिलियत साबित कर दी, जिससे विरोधी टीमों के डिफेंस सतर्क हो गए।

ग्रीक खिलाड़ी ने शुरुआती दो गोलों में अहम योगदान दिया। खास तौर पर, उनके खतरनाक क्रॉस ने गोलकीपर रशवर्थ को मुश्किल बचाव करने पर मजबूर कर दिया, जिससे बुकायो साका को बढ़त को दोगुना करने का शानदार मौका मिल गया। मिकेल आर्टेटा और उनके खिलाड़ियों ने फ्रैंक लैम्पार्ड की कोवेंट्री टीम पर आसानी से अपना दबदबा बना लिया।

मैनेजर मिकेल आर्टेटा की लीग में 150 जीत

कप्तान मार्टिन ओडेगार्ड ने खेल में जगह और गति को व्यवस्थित करने में अहम भूमिका निभाई। नॉर्वेजियन मिडफील्डर के उस गोल ने, जिसने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही 3-0 की जीत सुनिश्चित कर दी, टीम की लगातार उच्च दबाव वाला खेल बनाए रखने की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण दिया। मैनेजर मिकेल आर्टेटा लीग में 150 जीत हासिल कर ली है। उन्होंने पेप गार्डियोला या सर एलेक्स फर्ग्यूसन जैसे शीर्ष रणनीतिकारों की बराबरी कर ली है। वह पेप गार्डियोला (204 मैच), जोस मोरिन्हो (231), जुर्गन क्लॉप (237), और सर एलेक्स फर्ग्यूसन (247) के बाद 250 से कम मैचों में यह मुकाम हासिल करने वाले सिर्फ पांच मैनेजरों में से एक बन गए।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

मेडल का रंग बदलने से चूकी त्रिसा-गायत्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा है।

विमेंस डबल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में शनिवार को भारतीय जोड़ी को चीन की ल्यू शेंगशू और तान निंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 71 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में चीनी जोड़ी ने त्रिशा-गायत्री को 18-21, 21-13, 21-8 से शिकस्त देते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। इस हार के साथ ही त्रिशा और गायत्री की जोड़ी विमेंस डबल्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी बनने की उपलब्धि हासिल करने से भी चूक गई। त्रिशा और गायत्री की हार के साथ ही भारत का टूर्नामेंट में सफर भी समाप्त हो गया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और देश की झोली में सिर्फ एक ब्रॉन्ज मेडल आया।

त्रिशा-गायत्री ने चीनी जोड़ी को दी कड़ी टक्कर

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने शानदार अंदाज में की। त्रिशा-गायत्री ने चीनी जोड़ी को लगातार कड़ी टक्कर दी और 7-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद ल्यू शेंगशू और तान निंग की जोड़ी ने वापसी की और 9 प्वाइंट हासिल करते हुए ब्रेक तक स्कोर को 11-7 से अपने पक्ष में कर लिया। मगर, भारतीय जोड़ी ने एक बार फिर कमबैक किया और गेम को 21-18 से अपने नाम कर लिया।

कुश्ती : मानसी ने जीता सिल्वर, तन्वी और कोमल को कांस्य

ब्रातिस्लावा। मानसी लाथेर ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीता जबकि तन्वी मगदुम और कोमल ने कांस्य पदक हासिल किए। मानसी को 68 किलोग्राम वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में चीन की चेनलिंग सोंग के हाथों 1-2 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। तन्वी ने 57 किलोग्राम वर्ग के कांस्य पदक के मुकाबले में कनाडा की एन्निया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया, जबकि कोमल ने 59 किलोग्राम वर्ग में हंगरी की एडा बालाज पर 5-2 की शानदार जीत दर्ज कर कांस्य पदक जीता।

दूसरा टेस्ट

पहले दिन गिरे 18 विकेट स्टार्क-शोरिफुल का दबदबा

एजेंसी ▶▶| मैकाय

मिचेल स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम को आउट किया और फिर 6 विकेट लिए, जिससे आस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन विकेटों के पतझड़ के बीच अपना पलड़ा भारी रखा। बाद में शोरिफुल इस्लाम ने भी अपना जलवा दिखाया तथा 6 विकेट लेकर स्टार्क की बराबरी की। पहले दिन कुल 18 विकेट गिरे। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और पहले टेस्ट मैच में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले बांग्लादेश को केवल 64 रन पर ढेर कर दिया।

- ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 64 रन पर किया ढेर

आस्ट्रेलिया ने 165 रन पर गंवाए 8 विकेट

इसके बाद भी बल्लेबाजी करनी आसान नहीं रही क्योंकि आस्ट्रेलिया ने दिन का खेल समाप्त होने के समय 165 रन पर 8 विकेट गंवा दिए थे। इस तरह से उसने पहली पारी में बांग्लादेश पर 101 रन की बढ़त हासिल कर ली है। शोरिफुल इस्लाम ने अभी तक 35 रन देकर 6 विकेट लिए हैं। दिन का खेल समाप्त होने के समय कैमरन ग्रीन 51 और नाथन लियोन 10 रन पर खेल रहे थे।

स्टार्क ने 12 रन देकर चटकाए 6 विकेट

इससे पहले स्टार्क ने 10 ओवर में 12 रन देकर 6 विकेट लिए। उन्हें मैच की पहली गेंद पर ही सफलता मिली जब उनकी गेंद शादमान इस्लाम के बल्ले के बाहरी किनारे से लगकर गली में कैच में बदल गई। स्टार्क ने रिकॉर्ड चौथी बार मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया। स्टार्क ने इसके बाद तंजीद हसन और कप्तान नजमुल हुसैन शंटो को आउट करके बांग्लादेश को मुश्किल में डाल दिया। ग्रीन ने स्टार्क की गेंद पर मोमिनुल हक (09) का शानदार कैच लिया। मोमिनुल बांग्लादेश के पहले चार बल्लेबाजों में खाता खोलने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। स्टार्क ने लंच के बाद लिटन दास को एलबीडब्ल्यू आउट करके अपना पांचवां विकेट लिया।

दलीप ट्रॉफी में सूर्यवंशी पर रहेगी नजर

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

टी20 क्रिकेट में धूम मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी को रविवार से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में पूर्वी क्षेत्र की तरफ से उत्तर पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने रिकॉर्ड को सुधारने का मौका मिलेगा।

इस 15 वर्षीय खिलाड़ी ने बिहार के लिए आठ प्रथम श्रेणी मैचों की 12 पारियों 17 से अधिक के औसत से रन बनाए हैं, जो कि आकर्षक नहीं हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 93 रन है। इस तरह से देखा जाए तो सूर्यवंशी लाल गेंद के क्रिकेट में अभी भी एक अनुभवहीन खिलाड़ी हैं, लेकिन दलीप ट्रॉफी में सबसे कमजोर मानी जाने वाली उत्तर पूर्व की टीम के खिलाफ उन्हें प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कुछ रन बनाने और आत्मविश्वास हासिल करने का मौका मिलेगा।

पूर्वी क्षेत्र की टीम में अनुभवी खिलाड़ी

पूर्वी क्षेत्र की टीम में कप्तान ईशान किशन, तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, अभिमन्यु ईश्वरन, कुमार कुशाग्र, शाहबाज अहमद और मुकेश कुमार जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, लेकिन हमेशा की तरह सूर्यवंशी ही सबका ध्यान अपनी तरफ खींचेंगे। क्षेत्रीय चयन समिति ने उन्हें उप-कप्तान नियुक्त किया है। कभी भारत की टीम में जगह बनाने की चाह रखने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण टूर्नामेंट रहे दलीप ट्रॉफी अब महज बीसीसीआई के कैलेंडर में एक और टूर्नामेंट बनकर रह गया है क्योंकि अधिकतर खिलाड़ी टेस्ट टीम में जगह बनाने की दौड़ में नहीं हैं।

हॉकी विश्वकप : सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

कंगारुओं के खिलाफ आर-पार का महामुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| एम्सटेलवीन

ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीदरलैंड से पिछले मैच में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद पराजय का सामना करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम को अब सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए रविवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले को 'क्वार्टर फाइनल' की तरह खेलना होगा।

दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारत को दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड ने शुक्रवार को 2-0 से हराया, जो इस विश्व कप में उसकी पहली हार थी। डिफेंस और खासकर गोलकीपरों ने शानदार प्रदर्शन किया वरना सह मेजबान टीम की जीत का अंतर और अधिक हो सकता था।

भारत के पास एक अंक

नए प्रारूप के तहत भारत को चीन से नहीं खेलना है क्योंकि पहले दौर में दोनों के बीच मुकाबला हो चुका है और उसके ड्रॉ रहने से भारत के पास एक अंक है। नीदरलैंड भी पूल ए में आस्ट्रेलिया को हराने से तीन अंक लेकर दूसरे दौर में पहुंचा है यानी उसके पास अब दो मैचों के छह अंक है। चीन और आस्ट्रेलिया का मैच ड्रॉ रहा है, जिससे चीन के दो और आस्ट्रेलिया का एक अंक है। नीदरलैंड अगर चीन को हरा देता है या ड्रॉ खेलता है तो आस्ट्रेलिया को हराने पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। वहीं चीन के हारने और भारत और आस्ट्रेलिया का मैच ड्रॉ रहने पर गोल औसत के आधार पर फैसला होगा।

टीम इंडिया का औसत माइनस दो

चीन ने अब तक तीन गोल गंवाए और तीन किए हैं, जिससे गोल औसत शून्य है जबकि भारत ने दो गोल किए और चार गंवाए हैं, जिससे औसत माइनस दो है और आस्ट्रेलिया ने तीन गोल किए जबकि पांच गंवाए है, जिससे उसका भी औसत माइनस दो है। ऐसे में भारत को चीन के बड़े अंतर से हारने की भी दुआ करनी होगी।

11 खिलाड़ी पहली बार खेल रहीं विश्व कप

भारत की 11 खिलाड़ियों का यह पहला विश्व कप है, जिसे देखते हुए अब तक के प्रदर्शन को साहसिक कहा जा सकता है। पहले ही मैच में चीन जैसी दिग्गज टीम को ड्रॉ पर रोककर ही इस टीम ने संकेत दे दिए थे कि वह टूर्नामेंट में सिर्फ भागीदारी के लिए नहीं आई है। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका पर 6-1 से जीत दर्ज की और इंग्लैंड को आखिरी मैच में गोलरहित ड्रॉ पर रोककर दूसरे दौर में जगह बनाई।

पहाड़ से रेगिस्तान तक बढ़ेगी सेना की ताकत

जबलपुर की जीसीएफ फैक्ट्री से फिर गरजेगी 105 एमएम एलएफजी

जबलपुर। देश की रक्षा जरूरतों के बीच जबलपुर एक बार फिर बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। शहर की पहचान बनी गन कैरिज फैक्टरी में भारतीय सेना की 105 एमएम लाइट फील्ड गन को आधुनिक रूप देने का काम आगे बढ़ रहा है। पहाड़ी इलाकों से लेकर रेगिस्तानी मोर्चों तक उपयोग के लिए डिजाइन की गई यह हल्की तोप अपग्रेड होने के बाद ज्यादा सटीक और तेजी से तैनात की जा सकेगी। लाइट फील्ड गन की सबसे बड़ी ताकत इसका हल्का वजन और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में आसानी से पहुंचाया जा सकना है। उपलब्ध तकनीकी जानकारी के अनुसार यह गन पर्वतीय क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर के जरिए भी पहुंचाई जा सकती है।

पुरानी तोप, नया अवतार

अपग्रेडेशन का मकसद लंबे समय से सेना के साथ सेवा दे रही 105 एमएम एलएफजी की उपयोगिता को आधुनिक युद्ध की जरूरतों के अनुरूप बढ़ाना है। आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, बेहतर पोजिशनिंग और फायर-कंट्रोल जैसी तकनीकों से गन की ऑपरेशनल क्षमता में सुधार किया जा सकता है। जबलपुर के लिए यह इसलिए भी अहम है क्योंकि जीसीएफ का इस श्रेणी की तोपों के निर्माण से पुराना संबंध रहा है। 105 एमएम लाइट फील्ड गन का निर्माण जीसीएफ में हुआ है और यह गन भारतीय सेना की आर्टिलरी क्षमता का हिस्सा रही है।

शूट एंड स्कूट क्षमता पर जोर

आधुनिक युद्ध में किसी लक्ष्य पर तेजी से फायर करने के बाद अपनी स्थिति बदलना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। 105 एमएम गन के वाहन आधारित आधुनिक संस्करण में इलेक्ट्रॉनिक पोजिशनिंग एवं कंट्रोल, हाइड्रोलिक आउटरीगर और 'शूट एंड स्कूट' जैसी क्षमताओं को शामिल किया गया है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के अनुसार इस प्रणाली के विकास में जीसीएफ जबलपुर के साथ साझेदारी रही है। इससे संकेत मिलता है कि जबलपुर की रक्षा उत्पादन क्षमता केवल पारंपरिक तोप निर्माण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यहां पुराने हथियारों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उनकी उपयोगिता बढ़ाने की दिशा में भी काम हो रहा है।

पहाड़ों में हल्कापन बनेगा सबसे बड़ा हथियार

एलएफजी को मूल रूप से ऐसे युद्धक्षेत्रों के लिए उपयोगी माना गया है, जहां भारी हथियारों को पहुंचाना मुश्किल होता है। इसकी कम वजन वाली संरचना और बेहतर मोबिलिटी इसे पहाड़ी तथा दुर्गम इलाकों के लिए उपयोगी बनाती है। जबलपुर में होने वाला यह आधुनिकीकरण स्थानीय रक्षा उद्योग के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शहर की गन कैरिज फैक्टरी लंबे समय से भारतीय सेना के लिए तोप प्रणालियों के निर्माण और विकास से जुड़ी रही है। आज इसी विरासत को नई तकनीक के साथ आगे बढ़ाने की कोशिश हो रही है।यानी जबलपुर में तैयार पुरानी 'एलएफजी' अब नए जमाने की तकनीक के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में है और यही बदलाव शहर की रक्षा उत्पादन क्षमता की नई तस्वीर पेश कर रहा है।

रीवा-आनंद विहार एक्सप्रेस अब सतना के बजाय कैमा होकर चलेगी

जबलपुर। यात्रियों की सुविधा एवं रेल परिचालन को सुगम बनाने के लिए पश्चिम मध्य रेल ने गाड़ी संख्या 12427/12428 रीवा-आनंद विहार टर्मिनल-रीवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के मार्ग में परिवर्तन किया है। 23 अक्टूबर 2026 से यह ट्रेन सतना स्टेशन के बजाय सगमा-कैमा कॉर्ड लाइन होकर चलेगी। कैमा स्टेशन पर दोनों दिशाओं में पांच मिनट का ठहराव भी दिया गया है। गाड़ी संख्या 12427 रीवा-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस रीवा से प्रतिदिन 16:20 बजे रवाना होकर कैमा 17:10 बजे पहुंचेगी और 17:15 बजे रवाना होगी। इसके बाद मानिकपुर में 18:55/18:57 बजे ठहराव के बाद निर्धारित समय 06:40 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 12428 आनंद विहार टर्मिनल-रीवा एक्सप्रेस रात 22:05 बजे रवाना होकर मानिकपुर 08:33/08:35 बजे तथा कैमा 09:50/09:55 बजे पहुंचेगी-रवाना होगी और 11:10 बजे रीवा पहुंचेगी। रेल प्रशासन के अनुसार मार्ग परिवर्तन से ट्रेन की समयपालनता में सुधार के साथ परिचालन सुगम होगा। वहीं सतना स्टेशन पर ट्रेनों का दबाव, भीड़ और रेल यातायात का कंजेशन कम होगा। कैमा में ठहराव से क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा तथा स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक एवं बुनियादी विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240